शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 28 | गुवाहाटी | मंगलवार, 22 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

धनउगाही के आरोप में केएलओ के तीनों लिंकमैन गिरफ्तार पेज 3

भाजपा की 80 सीटों पर जीत कल्याण सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी : अमित शाह पेज 4

श्रीराम मंदिर आन्दोलन के अग्रदूत थे कल्याण सिंह : योगी आदित्यनाथ पेज 5

सीपीए का मुख्य उद्देश्य प्रजातंत्र को सुदृढ़ बनाना : डॉ. सीपी जोशी पेज 8

चांद पर विजय की तैयारी पूर्ण किंतु दिन में परिवर्तन संभव

नई दिल्ली। भारत चांद को जीतने की तैयारी कर चुका है। हर बीतते वक्त के साथ हमारा चंद्रयान चांद के करीब पहुंच रहा है। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) की तरफ से लैंडिंग की तारीख भी तय कर दी गई है। इसरो का कहना है कि चंद्रयान-3 मिशन 23 अगस्त शाम 6.04 बजे चांद की सतह पर लैंड करेगा। हालांकि, इसरो की तरफ से इस तारीख में बदलाव भी किया जा सकता है। इस बात की जानकारी खुद इसरो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है। चंद्रयान-3 की लैंडिंग चांद के जिस हिस्से में होनी है, वहां स्पेसक्राफ्ट को उतारने के लिए एक बराबर जमीन ढूंढना बड़ा मुश्किल काम है। लैंडर मॉड्यूल में लगे खास कैमरों के जरिए खीचीं गई कुछ तस्वीरों को शेयर किया गया है। इसरो के अधिकारी कैमरे के जरिए ही लैंडिंग के लिए जमीन की तलाश कर रहे हैं। अगर लैंडिंग के लिए जमीन तलाश कर ली जाती है। मगर हालात उपयुक्त नहीं होते हैं, तो चांद पर चंद्रयान को उतारने की तारीख बदल सकती है। गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इसरो के स्पेस एप्लिकेशन सेंटर (एसएसी) के डायरेक्टर नीलेश एम। देसाई ने तारीख बदलने को लेकर जानकारी दी है। एसएसी के डायरेक्टर ने बताया कि चंद्रयान को चांद पर उतारने से 2 घंटे पहले लैंडर और चांद की स्थिति का जायजा लिया जाएगा। हर हालात पर नजर रखने के बाद ही लैंडर को चांद पर लैंड कराने का फैसला होगा। उन्होंने आगे बताया कि अगर इसरो को लगता है कि लैंडर या चांद की स्थिति लैंडिंग के लिए ठीक नहीं है, तो चांद पर उतरने -शेष पृष्ठ दो पर

असम भाजपा से कुछ निष्ठावान हैं नाखुश

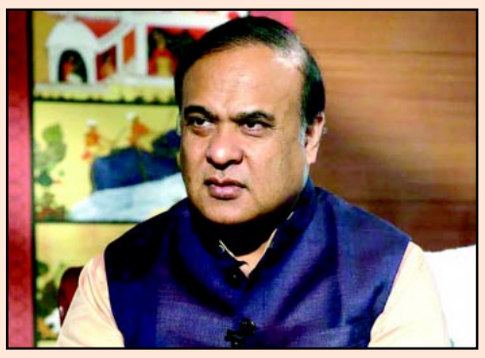

गुवाहाटी। असम भाजपा में असंतोष के दबे स्वर अब सामने आने लगे हैं। असंतोष गहराता जा रहा है। कुछ दिन पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और गुवाहाटी से विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि भाजपा में पुराने कार्यकर्ताओं को साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा है। नगांव से चार बार सांसद रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहाई ने आरोप लगाया कि नगांव को बदरुद्दीन अजमल को भेंट कर दिया गया है। पूर्व सांसद रमेन डेका ने भी उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाया था। गुवाहाटी से ही दूसरे विधायक अतुल बोरा का असंतोष किसी से छुपा नहीं है। शिलचर के सांसद डॉक्टर राजदीप राय भी शिलचर संसदीय सीट को सुरक्षित किए जाने से खासे नाराज हैं लेकिन शिलचर विधानसभा टिकट की आशा में मौन साधे हुए हैं। विपक्षी दलों ने भी आरोप लगाया है कि एआईयूडीएफ से भीतरी सांठगांठ करके असम का परिसीमन किया गया है। मीडिया में एक चर्चा चल रही है की असम भाजपा की स्थिति से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चिंतित है और इसको लेकर कोलकाता में एक बैठक भी हुई है। जब यह सब चल रहा है तो कुछ न कुछ गड़बड़ तो जरूर है। पार्टी में नाराज लोगों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। भाजपा में ही पुराने भाजपाई घुट रहे हैं। यहां तक की सरकार में मंत्री होने के बाद भी पुराने भाजपाइयों को अपेक्षित सम्मान नहीं मिल रहा है और उन्हें समय-समय पर तिरस्कार झेलना पड़ता है। पुराने भाजपाइयों का आरोप है कि धीरे-धीरे पूर्व कांग्रेसियों ने असम भाजपा को हाईजैक कर लिया है। पूर्वोत्तर के जानकार क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल को यहां से हटा दिया गया। असम के चप्पे-चप्पे से और भाजपा के कार्यकर्ताओं के घर घर से जुड़े प्रदेश संगठन मंत्री फनिंद्र चंद्र शर्मा को भी चलता कर दिया गया। मुख्यमंत्री के दाहिने और बाएं, आगे और पीछे उनके पुराने दुलारे लोग ही है। उनके आसपास भाजपा का पुराना निष्ठावान कार्यकर्ता खोजने से भी नहीं मिलता। पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है कि पिछली सरकार में मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनवाल ने कार्यकर्ताओं की बात सुनने के लिए ओएसडी नियुक्त किए थे जो कार्यकर्ताओं से परिचित थे और उनकी बात को गंभीरता से सुनते थे, मुख्यमंत्री तक पहुंचाते थे। उनकी समस्या का समाधान भी करने के लिए प्रयत्न करते थे। अब वह भी -शेष पृष्ठ दो पर

मालीगांव ओवरब्रिज का उद्घाटन रक्षाबंधन पर : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि रक्षाबंधन के दिन गुवाहाटी में निर्माणाधीन मालीगांव ओवरब्रिज का उद्घाटन किया जाएगा। आज शाम सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने कहा कि मालीगांव चारिआली को कामाख्या मंदिर रोड तिराहे और पांडु की ओर जोड़ने वाले 2.6 किलोमीटर लंबे चार लेन फ्लाईओवर के उद्घाटन की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। 420 करोड़ रुपए की लागत वाली इस अविश्वसनीय बुनियादी ढांचा परियोजना (एलए और यूटिलिटी शिफ्टिंग सहित) का -शेष पृष्ठ दो पर

राजेन गोहाईं ने सरकारी पद छोड़ा

गुवाहाटी। वयोवृद्ध भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेन गोहाईं ने आज नगांव लोकसभा क्षेत्र के परिसीमन के विरोध में असम खाद्य और नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा को लिखे अपने इस्तीफे में गोहाईं ने कहा कि पार्टी के लिए उस सीट से जीतना असंभव होगा। चार बार संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले गोहाईं ने आगे कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के संबंध में शर्मा के साथ उनकी चर्चा कोई सकारात्मक परिणाम नहीं लाई। खबरों के अनुसार, गोहाईं ने किसी का नाम लिए बिना संवाददाताओं से कहा कि पार्टी की राज्य इकाई में किसी को भी पूर्ण शक्ति नहीं दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि हालिया परिसीमन प्रक्रिया ने नगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को भविष्य में भाजपा उम्मीदवारों के लिए अजेय बना दिया है और जनसांख्यिकीय परिवर्तन के कारण निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को भी खतरे में डाल दिया है। मुख्यमंत्री को लिखे उनके पत्र में कहा गया है कि आपके साथ कई दौर की चर्चा के बावजूद नगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के गठन के तरीके -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

असम-मेघालय सीमा मुद्दे पर बैठक 26 को

शिलांग। अंतर्राज्यीय सीमा मुद्दे पर चर्चा के लिए असम और मेघालय समितियां 26 अगस्त को बैठक करेंगी। मेघालय के समाज कल्याण मंत्री पॉल लिंग्दोह 21 अगस्त (सोमवार) को कहा कि विवादित लैंगपिह की अपनी संयुक्त यात्रा से पहले यह बैठक होगी। लिंग्दोह ने बताया कि दोनों समितियां इस 26 अगस्त को यहां बैठक करेंगी क्योंकि हम ग्राउंड जीरो पर जाने और क्षेत्र के लोगों से मिलने की तैयारी कर रहे हैं। आपको बता दें कि गुवाहाटी में पिछली बैठक में, दोनों राज्यों की क्षेत्रीय समितियां संयुक्त रूप से अंतर्राज्यीय सीमा को -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बहुविवाह के प्रतिबंध पर सीएम ने मांगे सुझाव

गुवाहाटी। असम में एक से अधिक विवाह करने पर प्रतिबंध लगाने को लेकर कानून लाने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस मामले में लोगों से सुझाव मांगे हैं। सीएम शर्मा ने सोमवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि लोगों से अनुरोध है कि वे असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्तावित कानून पर हमें अपने सुझाव भेजें। गृह एवं राजनीतिक विभाग के प्रधान सचिव द्वारा जारी नोटिस में जनता से 30 अगस्त तक ईमेल या डाक के माध्यम से सुझाव मांगे गए हैं। नोटिस में बताया गया है कि राज्य सरकार ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाले प्रस्तावित कानून के लिए एक विशेष समिति का गठन किया था। रिपोर्ट में बताया गया कि राज्य विधायिका वैवाहिक प्रथा पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने के लिए सक्षम है। सार्वजनिक नोटिस में कहा गया कि विवाह समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है, जिससे केंद्र और राज्य दोनों इस -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस पार्टी ने बहुत कुछ दिया : गौरव

गुवाहाटी (हि.स.)। सांसद गौरव गोगोई ने कहा है कि इतने कम समय में कांग्रेस पार्टी ने उन्हें जितना ऊंचा ओहदा दिया है, वह उनके लिए गर्व का विषय है। इसके लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे के प्रति कृतज्ञ हूं। सीडब्ल्यूसी सदस्य नियुक्त किए जाने के बाद पहली बार सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे सांसद गौरव गोगोई यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उन्हें सिखाया था कि पार्टी के आदर्श पर किस प्रकार चलते रहना है। उस -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

राष्ट्र की गरिमा महिलाओं के आत्मगौरव पर : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि किसी समाज और राष्ट्र की गरिमा महिलाओं के आत्मगौरव पर आधारित होती है। राष्ट्रपति यहां आर्मी वाइव्स एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित *अस्मिता-आर्मी वाइव्स की प्रेरणादायक कहानियां* में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में सभी भारतीयों की ओर से *वीर नारियों* के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने वीर नारियों की प्रशंसा की जिन्हें अस्मिता आइकन के रूप में सम्मानित किया गया है। उन्होंने वीर नारियों के कल्याण के प्रयासों के लिए एडब्ल्यूडब्ल्यूए की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर संतोष हुआ है कि वीर-नारी बहनों के कल्याण के लिए *आह्वान* नामक योजना चलाई जा रही है। इसके लिए वे *आवा* की -शेष पृष्ठ दो पर

जयशंकर सहित नौ नवनिर्वाचित रास सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर और तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ ब्रायन सहित नौ निर्वाचित राज्यसभा सदस्यों ने आज शपथ ग्रहण की। उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में भाजपा से जेसंगभाई देसाई, केसरी देवसिंह दिग्विजयसिंह झाला, डॉ एस जयशंकर और नागेन्द्र राय हैं। तृणमूल कांग्रेस से डेरेक ओ ब्रायन, डोला सेन, प्रकाश चिक बड़ाईक, सुखेंदू शेखर राय और समीरुल इस्लाम शामिल हैं।

अरुणाचल में बनी नई क्षेत्रीय पार्टी

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री गेगोंग अपांग ने आज अरुणाचल प्रेस क्लब में *अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी (एडीपी)* नाम से एक नई क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी लॉन्च की। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, एडीपी के संस्थापक अध्यक्ष गेगोंग अपांग ने बताया कि 15 मई को पार्टी के सदस्यों ने भारत के चुनाव आयोग को एक आवेदन प्रस्तुत किया था। चुनाव आयोग द्वारा इसे मंजूरी दे दी गई है और लॉन्च की अनुमति दी गई है। एडीपी के गठन का मुख्य एजेंडा राज्य के आगामी क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाकर राज्य का कल्याण करना है। राज्य से भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे और युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन करेंगे। कानून एवं व्यवस्था की समस्या को सुव्यवस्थित करना उद्देश्य है। उन्होंने राज्य को 6वीं अनुसूची के तहत लाने का भी वादा किया, जो राज्य के लोगों की लंबे समय से लंबित मांग है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
शक्तिशाली राजा लाभ को प्राप्त करने का प्रयत्न करता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर दो मजदूरों को लगा करंट

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी के मालीगांव में निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर करंट लगने से दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना आज दिन में हुई। काम करते समय दोनों को करंट लग गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा दिए गए घटना के विवरण के अनुसार बिजली के खंभे पर चढ़कर विभाग का लाइनमैन काम कर रहा था। अचानक बिजली का तार टूटकर बगल के रेलवे लाइन के ऊपर से गुजरने वाले बिजली के हाई वोल्टेज तार -शेष पृष्ठ दो पर

गर्भपात की अनुमति, एक्सट्रा मेरिटल प्रेगनेंसी खतरनाक : एससी

नई दिल्ली। एक्सट्रा मेरिटल प्रेगनेंसी खतरनाक है...सुप्रीम कोर्ट ने एक बलात्कार पीड़िता को गर्भपात करने की अनुमति देते हुए सुनवाई के दौरान कहा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बलात्कार पीड़िता को गर्भपात की अनुमति देते हुए कहा कि विवाह से इतर गर्भधारण खतरनाक हो सकता है। पीड़िता 27 हफ्ते की गर्भवती है। पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूइयां ने कहा कि गुजरात उच्च न्यायालय का याचिकाकर्ता की गर्भपात की अनुमति का अनुरोध करने वाली याचिका को खारिज करना सही नहीं था। शीर्ष अदालत ने कहा कि भारतीय समाज में विवाह संस्था के भीतर गर्भावस्था न सिर्फ दंपति, बल्कि उसके परिवार और दोस्तों के लिए खुशी और जश्न का मौका होता है। कोर्ट ने कहा कि इसके विपरीत विवाह से इतर खासकर यौन उत्पीड़न या यौन हमले के मामलों में गर्भावस्था खतरनाक हो सकती है। ऐसी गर्भावस्था न केवल गर्भवती महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है, बल्कि उनकी चिंता एवं मानसिक पीड़ा का कारण भी होती है। किसी महिला पर यौन हमला अपने आप में तनावपूर्ण होता है और यौन उत्पीड़न के कारण गर्भावस्था के विपरीत परिणाम हो सकते हैं क्योंकि ऐसी गर्भावस्था स्वैच्छिक या अपनी खुशी के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

अब कोई मोदी लहर नहीं : अमीनुल इस्लाम

गुवाहाटी। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के विधायक अमीनुल इस्लाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर कटाक्ष किया है। अमीनुल इस्लाम ने सोमवार को कहा कि आम लोग भाजपा पर भरोसा नहीं करते हैं। एआईयूडीएफ विधायक और पार्टी महासचिव अमीनुल इस्लाम ने कहा कि पूरे देश में अब कोई *मोदी लहर* नहीं है। अमीनुल इस्लाम ने कहा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव आ रहे हैं। यह स्पष्ट है कि मोदी लहर अब खत्म हो चुकी है और अब यह काम नहीं कर रही है। पहले उन्होंने बहुत सारे वादे किए थे लेकिन सब कुछ पूरा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चंद्रयान-3 की होगी सफल सॉफ्ट लैंडिंग : इसरो चीफ

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने भारत के चंद्रमा मिशन को अब तक सफल बताते हुए कहा है कि चंद्रयान-3 की सभी प्रणालियां अब तक पूरी तरह से काम कर रही हैं और 23 अगस्त को भारतीय समयानुसार लगभग 18:04 बजे चंद्रमा पर उतरने के लिए तैयार है। बुधवार को लैंडिंग के समय किसी भी आकस्मिकता की आशंका नहीं है। डॉ. सोमनाथ ने सोमवार को चंद्रयान-3 की लैंडिंग की तैयारियों और मौजूदा स्थिति के बारे में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह को आधिकारिक जानकारी दी। इसरो के अध्यक्ष ने मंत्री को बताया कि चंद्रयान-3 की सभी प्रणालियां पूरी तरह से काम कर रही हैं और 23 अगस्त को लगभग 18:04 बजे चंद्रमा पर उतरने के लिए तैयार है। बुधवार को लैंडिंग के समय किसी भी आकस्मिकता की आशंका नहीं है। अगले दो दिनों में चंद्रयान-3 की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि लैंडिंग का अंतिम क्रम दो दिन पहले लोड किया जाएगा। इसरो के अनुसार चंद्रयान-2 मिशन केवल

आंशिक रूप से असफल रहा था, क्योंकि हार्ड लैंडिंग के बाद लैंडर का संपर्क टूट गया था। सोमवार को इसरो ने ट्वीट करके बताया कि चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल का चार साल से परिक्रमा कर रहे चंद्रयान-2 ऑर्बिटर के बीच दो-तरफा सफलतापूर्वक संचार स्थापित हुआ है। इससे पहले आज इसरो ने चंद्रयान-3 से ली गई चंद्र सुदूर क्षेत्र की नई छवियां साझा कीं। इसरो अध्यक्ष से आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बार चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग का भरोसा जताया और उम्मीद जताई कि इस बार ग्रहों की खोज का एक नया इतिहास लिखा जायेगा। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि चंद्रयान की श्रृंखला में चंद्रयान-1 को चंद्रमा की सतह पर पानी की उपस्थिति की खोज करने का श्रेय दिया जाता है, जो दुनिया और प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए एक नया रहस्योद्घाटन था। संयुक्त राज्य अमेरिका का नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) इस खोज से प्रभावित हुआ और अपने आगे के प्रयोगों के लिए इनपुट का उपयोग किया। चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई को दोपहर 2:35 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी मार्क 3 (एलवीएम 3) हेवी-लिफ्ट लॉन्च वाहन के माध्यम से लॉन्च किया गया था। चंद्रयान-3 मिशन सफल होने पर संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश होगा, लेकिन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला भारत दुनिया का एकमात्र देश होगा।

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो घुसपैठिए ढेर

पुंछ(हि.स.)। पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो घुसपैठियों को मार गिराया है। रक्षा प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि मारे गए घुसपैठियों से एक एके-47, दो मैगजीन और हथगोले बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा कि खुफिया सूचनाओं से पता चला है कि दो घुसपैठिए बालाकोट सेक्टर से नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास करेगें। उन्होंने कहा इन सूचनाओं के आधार पर नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों ने चौकसी बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान सतर्क जवानों ने दो घुसपैठियों को बालाकोट के हमीरपुर क्षेत्र में खराब मौसम, घने कोहरे और उबड़-खाबड़ जमीन का उपयोग करके नियंत्रण रेखा पार करने का प्रयास करते हुए देखा गया। जवानों ने घुसपैठियों को वापिस लौटने को कहा लेकिन वह नहीं माने और भारतीय सीमा में घुसने लगे। जिसके बाद जवानों ने गोलीबारी कर उन्हें मार गिराया। वहीं इसके बाद सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

कांवड़ लेकर जा रहे दो किशोर नदी में डूबे

धेमाजी (हिंस)। जिले के पासीघाट में आज तड़के कांवड़ लेकर जा रहे दो किशोर नदी में डूब गए। घटना सियांग नदी में हुई। सियांग नदी में नहाते समय दोनो किशोर लापता हो गए। उल्लेखनीय है कि आज सुबह कांवड़ उठाने से पहले नहाने और जल भरने गए दोनों एकाएक डूब गए। इसके बाद दोनों की तलाश शुरू की गई। दोनों लापता किशोरों की पहचान उदयपुर, जोनाई के पवन सहनी के पुत्र कन्हैया सहनी और राजेश सहनी के पुत्र गोलू सहनी के रूप में हुई है। दोनों किशोर अपने पिता और अन्य लोगों के साथ शिव मंदिर जाने के लिए जोनाई से पासीघाट गए थे।

महिला ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी की पान बाजार पुलिस ने एक महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि पान बाजार थाना क्षेत्र के 2 नंबर रेलवे गेट के लखटकिया इलाके से एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान रंगमोला बेगम के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित के पास से आठ प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भर कर रखी गई हेरोइन जब्त की गई। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार महिला तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

करीमगंज में नकदी और मोबाइल के साथ 5 चोर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस द्वारा चोरों के खिलाफ सफल अभियान चलाया गया। सोमवार तड़के करीमगंज पुलिस द्वारा एक खास सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर की गई छापेमारी में पांच चोर गिरफ्तार किए गए। करीमगंज थाना प्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में चोरों के पास से 18 मोबाइल फोन और 10 हजार रुपए जब्त किए गए। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार चोरों पर कई स्थानीय चोरियों का आरोप है।

तेजप्रताप ने अटल पार्क का नाम बदलकर किया कोकोनट पार्क

पटना। बिहार के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेजप्रताप यादव इन दिनों अपने विभाग के कामों के प्रति एक्टिव दिख रहे हैं। मंत्री तेजप्रताप यादव के द्वारा लगातार पटना के पार्कों का सौंदर्यकरण और लोकार्पण का काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में पटना के कई पार्कों के लोकार्पण का कार्यक्रम सोमवार को किया जाना था। इसके पहले विपक्ष ने यह आरोप लगाया है कि जिस कोकोनट पार्क का लोकार्पण होना है, उस पार्क का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर था। जिसका नाम अटल पार्क था, अब उसका नाम बदलकर कोकोनट पार्क रख दिया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार की पोल खुल गई है। नीतीश कुमार अटल बिहारी वाजपेयी का नाम हमेशा लेते रहते हैं लेकिन अब उनकी सरकार में पार्क का नाम बदला जा रहा है और नीतीश कुमार चुप बैठे हैं। विपक्ष के आरोप के बाद जदयू ने सफाई दी है। जदयू प्रवक्ता भारती मेहता का कहना है कि यह निर्णय बिहार सरकार का निर्णय नहीं है। इस पूरे मामले की जानकारी ली जा रही है, इसके बाद कोई प्रतिक्रिया दी जा सकती है। वहीं इस मामले पर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि पार्क का नाम शुरू से कोकोनट पार्क ही है। बाद में कुछ स्थानीय लोगों के द्वारा पार्क में अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा लगा दी गई और पार्क को अटल पार्क कहा जाने लगा लेकिन रिकॉर्ड में पार्क का नाम कोकोनट पार्क है। बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अक्सर अटल बिहारी बाजपेयी के किए कामों की तारीफ करते नहीं थकते हैं। वो उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने दिल्ली तक पहुंच गए। ऐसे में भाजपा के द्वारा सवाल उठाना लाजमी है।

कलाक्षेत्र में अगप की केंद्रीय आम बैठक संपन्न

गुवाहाटी (हि.स.)। असम गण परिषद की केंद्रीय साधारण परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आज गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र स्थित श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष और असम सरकार के मंत्री अतुल बोरा ने की। लगभग आठ सौ विभिन्न जिलों और विधानसभा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ इसके आनुषंगिक संगठनों की इस बैठक में पार्टी के संगठनात्मक स्तरों का पुनर्गठन करने और असम में निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन को अंतिम रूप देने के बाद आगामी चुनावों के लिए तत्परता बढ़ाने का निर्णय लिया गया। लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक सक्रियता लाकर पार्टी संगठन को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। लोकसभा में एजीपी का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां करने का निर्णय लिया गया। बैठक में असम गण परिषद के संविधान के कुछ प्रावधानों में संशोधन और परिवर्धन को मंजूरी दी गई। संशोधन जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को अधिक जनमुखी बनाने और सदस्यों को अधिक जिम्मेदार बनाने के लिए कई कदम उठाए गए। इसी तरह, जातीय समूहों के सेल बनाने के साथ-

साथ सामाजिक क्षेत्र को कवर करने वाले सेल बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में पार्टी की संगठनात्मक प्रणाली को और विस्तार देने और एकता, शांति और प्रगति के आदर्श वाक्य और प्रगतिशील राष्ट्रवाद के उद्देश्य से क्षेत्रीयताके साथ पार्टी को एक नए रूप में संगठित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पार्टी के संविधान के खंड (बी) के आधार पर मौजूदा केंद्रीय आम परिषद के कार्यकाल को छह महीने तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया, ताकि निर्वाचन क्षेत्र को अंतिम रूप दिए जाने के बाद और आगामी चुनावों के मद्देनजर पार्टी के संगठनात्मक स्तरों का पुनर्गठन किया जा सके। आम सभा में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केशव महंत, वरिष्ठ नेता फणीभूषण चौधरी, महासचिव बीरेंद्र प्रसाद बैश्य, रमेंद्र नारायण कलिता, डॉ कमलाकांत कलिता, प्रदीप हजारिका, भूपेन रॉय, नुरूल हुसैन, मनोज सैकिया, प्रवीण हजारिका, सत्यव्रत कलिता, पोनाकोन बरुवा, विधायक भबेंद्र नाथ भराली, पृथ्वीराज राभा आदि मौजूद रहे। आम सभा की बैठक से पहले पार्टी की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इसके अंत में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अतुल बोरा ने दोहराया कि राज्य के सभी जातीय समूहों और धर्मों को एकजुट करके असम गण परिषद के माध्यम से क्षेत्रवाद की नींव मजबूत की गई है। बोरा ने यह भी कहा कि राज्य के विकास और विकास के हित में असम गण परिषद अपने रुख पर कायम रहेगी और गठबंधन सरकार के माध्यम से असम के लोगों की सेवा करती रहेगी। 11 विपक्षी दलों की संयुक्त राजनीति को दिवास्वप्न और फर्जी करार देते हुए उन्होंने पार्टी सदस्यों से राज्य के हित में पार्टी के लिए अधिक सक्रियता से काम करने का आग्रह किया।

पृष्ठ एक का शेष

चांद पर विजय की...

की तारीख 27 अगस्त तक के लिए आगे बढ़ा दी जाएगी। फिलहाल हमारा सारा ध्यान 23 अगस्त को लैंडर को लैंड कराने पर है। चंद्रमा पर चांद की लैंडिंग का लाइन ब्रॉडकास्ट भी किया जाएगा। इसरो के अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल (ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब) पर लाइव ब्रॉडकास्टिंग देखने का मौका मिलेगा। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोग एक्सपर्ट की राय भी जान सकेंगे।

असम भाजपा से ...

नहीं है, मुख्यमंत्री तो क्या मंत्रियों तक भी पहुंचना आसान नहीं रह गया है? आरोप है कि पार्टी और सरकार में पुराने कार्यकर्ताओं को उपेक्षित कर उन्हें कुंठित किया जा रहा है ताकि वे या तो निष्क्रिय हो जाए या पार्टी छोड़ दें। जिन लोगों ने अपने खून पसीने से असम और पूर्वोत्तर में संगठन और पार्टी को खड़ा किया, आधार दिया आज वे उपेक्षित महसूस क्यों कर रहे हैं? बराक घाटी भाजपा के पुराने और वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि संगठन या सरकार में उन्हें महत्व देना तो दूर, सलाह परामर्श के लिए भी उपयुक्त नहीं समझा जाता। परिसीमन में यही देखने को मिला है। बहुत ही चालाकी से पार्टी और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की गणेश परिक्रमा करके आम कार्यकर्ताओं को उपेक्षित किया जा रहा है। सत्ता के नशे में वरिष्ठ पदाधिकारी भी जमीनी हकीकत से दूर होते जा रहे हैं। विभिन्न स्थानों पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ प्रशासन अत्याचार और उत्पीड़न भी कर रहा है लेकिन संगठन के आला अधिकारी मौन होकर देख रहे हैं। कछार, करीमगंज और हैलाकांदी में इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी है। सरकार हमेशा नहीं रहेगी, यदि संगठन के निष्ठावान और मिशन वाले कार्यकर्ता संगठन से निराश हो गए तो संगठन का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। आपातकाल के बाद जब जनता पार्टी की सरकार बनी तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं में अचानक संख्या बढ़ गई तब तत्कालीन सरसंघचालक ने कहा था यह सूजन है, सरकार जाते ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी। और वही हुआ जो अवसरवादी लोग सत्ता आते ही जुड़ गए थे, सत्ता फिसलते ही बदल गए। जो लोग आज कट्टर राष्ट्रवादी बन रहे हैं, उन्हें फिर से सेकुलर बनते देर नहीं लगेगी। लोकसभा चुनाव सामने हैं, ऐसे में भाजपा और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं में बढ़ता असंतोष भाजपा के लिए खतरे की घंटी है।

मालीगांव ओवरब्रिज का ...

अनावरण 30 अगस्त (राखी पूर्णिमा के दिन) को किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ओवरब्रिज का निर्माण कार्य काफी तेजी से चल रहा है। आज इस ओवर ब्रिज पर काम कर रहे दो मजदूर करंट की चपेट में आने से घायल भी हो गए थे। इससे पहले भी इस पुल के निर्माण के दौरान दुर्घटना हो चुकी है, जिस कारण निर्माण कार्य को दिन में बंद कराकर रात्रि के समय शुरू किया गया था। आखिरकार इस पुल के चालू हो जाने से गुवाहाटी के लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकेगी।

राजेन गोहाईं ने ...

पर मेरी चिंताओं और गहरे असंतोष से कोई बदलाव नहीं आया। गोहाईं ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को भी अपनी चिंताओं से अवगत कराया है और गृह मंत्री ने उनसे लिखित रूप में अपनी सिफारिशें देने को कहा है। उन्होंने कहा कि मैंने अगले ही दिन ऐसा किया, लेकिन दुर्भाग्य से इसका कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। जिसके कारण मैं ठगा हुआ और लगभग अपमानित महसूस कर रहा हूं। मेरे जैसे वरिष्ठ सदस्य की बात उनकी ही पार्टी के नेताओं ने पार्टी के लिए वास्तविक चिंता के बारे में नहीं सुनी। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने निगम के अध्यक्ष पद जो कैबिनेट स्तर का पद है से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं 25 वर्षों से अधिक समय से पार्टी का एक बहुत ही आज्ञाकारी सिपाही रहा हूं और मैंने लगातार चार बार नगांव लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया है, जो कि 20 वर्षों की अवधि है और मुझे लगता है कि इस मामले पर मेरे अनुभव और मेरी चिंताओं को गिना जाना चाहिए था। मेरे लोगों की सुरक्षा और पहचान का सम्मान किया जाना चाहिए था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि विधानसभा क्षेत्रों के संबंध में हालिया परिसीमन स्वदेशी आबादी के लिए सही और सुरक्षित था, लेकिन नगांव संसदीय क्षेत्र विपक्षी दलों के लिए एक उपहार रहा है।

असम में बहुविवाह...

पर कानून पारित कर सकते हैं। नोटिस में कहा गया कि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा प्राप्त करने के लिए धार्मिक प्रथाएं आवश्यक और धर्म का अभिन्न अंग होनी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया कि इस्लाम के संबंध में अदालतों ने माना है कि एक से अधिक पत्नियां रखना धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। नोटिस में बताया गया कि पत्नियों की संख्या सीमित करने वाला कानून धर्म का पालन करने के अधिकार में हस्तक्षेप नहीं करता है और यह सामाजिक कल्याण और सुधार के दायरे में आता है। इसलिए, एक विवाह का समर्थन करने वाले कानून अनुच्छेद 25 का उल्लंघन नहीं करता हैं। इन सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, असम राज्य के पास बहुविवाह को समाप्त करने के लिए राज्य विधानमंडल बनाने की विधायी क्षमता होगी। इससे पहले छह अगस्त को बहुविवाह को समाप्त करने को लेकर असम सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी थी। इसके बाद, सीएम ने एलान किया था कि इस वित्त वर्ष में इस विषय पर एक कानून पेश किया जाएगा। सीएम ने दावा किया था कि समिति ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की है कि राज्य बहुविवाह को समाप्त करने के लिए अपने स्वयं के कानून बना सकता है।

असम-मेघालय सीमा ...

अंतिम रूप देने से पहले हितधारकों, स्थानीय प्रतिनिधियों और निवासियों से मिलने के लिए मेघालय के पश्चिम खासी हिल्स जिले में लैंगपिह का दौरा करने पर सहमत हुई थीं। पॉल लिंग्दोह मेघालय की तीन क्षेत्रीय समितियों में से एक के प्रमुख हैं। वह मेघालय और असम दोनों लैंगपिह क्षेत्र पर अपना दावा करते हैं। बता दें कि 2010 में क्षेत्र में अंतर्राज्यीय विवाद इतना बढ़ गया था कि इसके कारण चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लिंग्दोह के अनुसार, असम की क्षेत्रीय समिति ने भी इस प्रस्ताव के प्रति अपनी *दृढ़ता* व्यक्त की थी कि जिन गांवों को समस्या मुक्त के रूप में पहचाना जाता है और जहां के निवासी मेघालय में रहने के इच्छुक हैं, उन्हें इसके साथ रहने की अनुमति दी जाएगी। आपको मालूम हो कि दोनों पड़ोसी राज्यों ने राज्यों के बीच मतभेद वाले छह क्षेत्रों में अंतर्राज्यीय विवादों को औपचारिक रूप से हल करने के लिए पिछले साल मार्च में दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। मतभेद वाले छह क्षेत्रों में पश्चिम खासी हिल्स जिले में लांगपिह और पश्चिम जैंतिया हिल्स के ब्लॉक टू में मुकरोह शामिल हैं, जहां पिछले साल हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई थी।

राष्ट्र की गरिमा ...

विशेष सराहना करती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि *अस्मिता* शब्द के प्रचलित अर्थ हैं: *अस्तित्व का बोध होना* तथा *आत्म-गौरव का भाव होना।* नारी समुदाय में आत्म-गौरव की भावना के आधार पर ही एक गौरवशाली समाज और राष्ट्र का निर्माण करना संभव होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी समाज और राष्ट्र की गरिमा महिलाओं के आत्मगौरव पर आधारित होती है। उन्होंने कुछ पुराने विचारों को छोड़कर नये विचारों को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुरानी कहावत *हर सफल आदमी के पीछे एक महिला होती है* का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नई कहावत यह होनी चाहिए कि हर सफल आदमी के साथ एक महिला भी होती है। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील विचारों को अपनाकर महिलाओं की पहचान और आत्मविश्वास को मजबूत किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जन्म देने की क्षमता केवल नारी में ही है। नारी में नेतृत्व देने की क्षमता भी है, यह विश्वास सभी बहनों में होना चाहिए। नारीत्व में नेतृत्व समाहित है। उन्होंने कहा कि मिसाइल से म्यूजिक तक, हमारी बहनों ने असाधारण सफलता के कीर्तिमान स्थापित किए हैं। सरल शब्दों में कहें तो नारी में अपार शक्ति है, नारी कुछ भी कर सकती है।

अरुणाचल में बनी...

यह भी दावा किया कि हमारे राज्य के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके केंद्र सरकार के समर्थन के बिना अरुणाचल प्रदेश अपने आप खड़ा हो सकता है, वास्तव में केंद्र अरुणाचल प्रदेश को मद नहीं दे रहा, बल्कि लूट रहा है। एडीपी अरुणाचल प्रदेश का एक नया संस्करण बनाने की दृष्टि से एक मजबूत और जीवंत क्षेत्रीय पार्टी होगी। उन्होंने पार्टी में शामिल होने वाले व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिनके पास राज्य और इसके लोगों के विकास के लिए काम करने का इरादा और इच्छा है उसका पार्टी में स्वागत है। एडीपी भारत की ईसी के तहत पंजीकृत होने वाली राज्य की दूसरी क्षेत्रीय पार्टी है। इसलिए, एडीपी आगामी 2024 के राज्य चुनाव में 60 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने राज्य की राजनीतिक जनसांख्यिकी और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए लोगों, विशेषकर युवाओं से पार्टी का समर्थन करने और इसमें शामिल होने की अपील की। थध्थ साथ ही उन्होंने केवल लोगों के लिए और राज्य के मुद्दों पर काम करके लोगों का मुखपत्र बनने का वादा किया, ताकि राज्य विधानसभा के साथ-साथ संसद में लोगों की समस्याओं पर बात की जा सके।

गर्भपात की अनुमति...

नहीं होती है। पीठ ने कहा कि उपरोक्त चर्चा और चिकित्सा रिपोर्ट के मद्देनजर हम याचिकाकर्ता को गर्भपात की अनुमति देते हैं। हम निर्देश देते हैं कि वह कल अस्पताल में उपस्थित रहे ताकि गर्भपात की प्रक्रिया को शुरू किया जा सके। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर भ्रूण जीवित पाया जाता है, तो अस्पताल यह सुनिश्चित करेगा कि भ्रूण को जीवित रखने के लिए हर आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। शिशु अगर जीवित रहता है तो राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगा कि बच्चे को कानून के अनुसार गोद लिया जाए। एक विशेष बैठक में शीर्ष अदालत ने शनिवार को गुजरात हाई कोर्ट द्वारा पीड़ित की चिकित्सकीय गर्भपात के लिए अनुरोध करने वाली याचिका को अनुमति नहीं देने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि मामले के लंबित रहने के दौरान *कीमती वक्त* बर्बाद हो गया। गर्भपात के लिए मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम के तहत गर्भपात की ऊपरी समय सीमा विवाहित महिलाओं, बलात्कार पीड़ितों और अन्य कमजोर महिलाओं जैसे कि दिव्यांग और नाबालिगों सहित विशेष श्रेणियों के लिए 24 सप्ताह की गर्भावस्था है।

अब कोई मोदी ...

करने में विफल रहे। पहले देश में *हर हर मोदी, घर-घर मोदी* जैसी जबरदस्त मोदी लहर थी। लेकिन इस बार मोदी लहर नहीं है। लोग पहले से ही पीएम मोदी के खिलाफ अपना फैसला बना चुके हैं। कीमतें बढ़ गई हैं, लगभग सभी संपत्तियां वे बेच रहे हैं और बहुत कुप्रबंधन हो रहा है। आम जनता अब बीजेपी पर विश्वास नहीं कर रही है। एआईयूडीएफ के नेता ने यह भी आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले असम, राजस्थान और मध्य प्रदेश में हरियाणा जैसी झड़पें हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के आम चुनाव या पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में लोगों से समर्थन पाने के लिए बीजेपी और आरएसएस कुछ भी कर सकते हैं। अमीनुल इस्लाम ने कहा कि असम, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी हरियाणा जैसी झड़प की संभावना है। लोगों को इसके बारे में जागरूक रहना चाहिए। एआईयूडीएफ विधायक ने कहा कि असम में, उन्होंने कई बार झड़पें भड़काई हैं और असम के लोगों को इसकी जानकारी नहीं है।

निर्माणाधीन फ्लाईओवर...

पर गिर गया। वहां कार्यरत दो मजदूर उसकी चपेट में आ गए। बताया जाता है कि दोनों मजदूर करंट से छटपटा रहे थे और लोग हर तरफ मोबाइल लेकर उनका वीडियो बनाने में लगे हुए थे। आखिरकार कुछ मजदूरों ने उसे उठाकर अस्पताल में भर्ती कराया जहां दोनों का इलाज चल रहा है।

कांग्रेस पार्टी ने बहुत...

पथ पर आज चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता का जो स्नेह उन्हें मिला है, उस पर खरा उतरेंगे और हमेशा ही जनता की सेवा करेंगे। पूर्वोत्तर के प्रतिनिधि के रूप में कांग्रेस में उन्हें जो स्थान मिला है, उससे भी गौरवान्वित हैं। उल्लेखनीय है कि गौरव गोगोई असम राज्य की कलियाबोर निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सांसद हैं और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता भी हैं। गौरव गोगोई असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे हैं। तरुण वर्ष 2001 से 2016 तक असम के मुख्यमंत्री रहे थे। वे राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे थे।

स्वर्वेद भाष्य

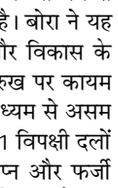

पंचम मंडल तृतीय अध्याय अध्याय

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(4)

निःअक्षर अस्कम्भ हैं, कह अरु अकह स पार।
अनुभव में अनुभव मिले, सो जीवन सुख सार॥ 09॥

शब्दार्थ : (निःअक्षर) निःशब्द, परमपुरुष (अनुभव) उपभोग, साक्षात्कार (कह) क्षर।

भाष्य : निःअक्षर, सारशब्द स्कंभ है, जो सर्व जगत के आधार क्षर-अक्षर से परे है, वही आत्म-साक्षात्कार के पश्चात आत्मा द्वारा प्रत्यक्ष प्राप्त होता है, जो जीवन के समस्त सुखों का मूल है।

(5)

पक्ष मास सम्बत्सरा, साथ मीलि जहँ जाय।
ऋतु भाग ऋतु संग में, सब अस्कम्भ समाय॥ 10॥

शब्दार्थ : (पक्ष) पखवाला (मास) महीना।

भाष्य : पक्ष, मास और संवत्सर के साथ मिलकर जहां जाना चाहते हैं एवं ऋतु और उसके भाग जहां जाना चाहते हैं, वह पदार्थ स्कंभ है। ये सभी उस स्कंभ में प्रवेश करने के लिए अर्थात उसकी प्राप्ति के लिए चले जा रहे हैं।

धनउगाही के आरोप में केएलओ के तीनों लिंकमैन गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। पुलिस ने आज बताया है कि कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना प्रभारी सुशील छेत्री के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने एक अभियान चलाकर धनउगाही के आरोप में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कामतापुर लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ) के तीन लिंकमैन को हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि पूछताछ के बाद आज तीनों को गिरफ्तार कर लिया किया। गिरफ्तार केएलओ लिंकमैनों की पहचान कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत चिथिला ग्राम बासबारी के निवासी प्रणब राय (21), फकीराग्राम थाना अंतर्गत कॉलेज पाड़ा पुरबाजार निवासी मनदीप राय (19) और फकीराग्राम थाना अंतर्गत मधुपुरी गांव के निवासी नबज्योति राय (22) के रूप में किया गया है। ज्ञात हो कि कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत काशीबाड़ी इलाके में

केएलओ के नाम से एक लेटर पैड पर कुछ लोगों से 50 लाख रुपए की मांग किया जाने की सूचना जब फकीराग्राम पुलिस को हुई तो पुलिस ने फकीराग्राम थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने अभियान चलाकर तीन लिंकमैनों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों से पूछताछ जारी है।

त्रिपुरा में 10 करोड़ की हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में व्यापक सफलता मिल रही है । राज्य में चल रहे विशेष अभियान के तहत त्रिपुरा पुलिस ने आज तड़के उत्तरी त्रिपुरा जिले के चुराईबारी से 1 किलो 300 ग्राम हेरोइन जब्त की। जब्त हेरोइन की कीमत 10 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस सिलसिले में नॉर्थ त्रिपुरा डिस्ट्रिक के पुलिस अधीक्षक द्वारा दी गई जानकारी में कहा गया है कि 19 अगस्त से लगाए गए नाका चेकिंग काफी कारगर साबित हुए हैं। चेकिंग के दौरान व्यापक पैमाने पर ड्रग्स आदि बरामद हो रहे हैं। इस सिलसिले में पुलिस की कार्रवाई जारी है।

मेघालय में मुख्यमंत्री ने छात्रों को टैबलेट किए वितरित

मसाला मिशन के तहत किसानों को बांटे दालचीनी के पौधे

विलियमनगर (हिंस)। मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को एम टेबलेट बांटे। मुख्यमंत्री ने पूर्वी गारो हिल्स जिले के किसानों को मसाला मिशन के तहत दालचीनी के पौधे भी वितरित किए। सोमवार को मुख्यमंत्री डिजिटल लर्निंग एड योजना के तहत विलियमनगर में मुख्यमंत्री संगमा ने छात्रों को डिजिटल लर्निंग एड (एम-टैब) का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री संगमा ने कहा कि अभिभावक छात्रों को सीखने और शिक्षा के लाभ के लिए बुद्धिमानी और प्रभावी ढंग से इसके उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाकाडोंग मिशन की सफलता को देखते हुए हम मेघालय में विभिन्न अन्य मसालों की खेती की खोज कर रहे हैं। मसाला मिशन के माध्यम से किसानों को उनकी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए मदद करेंगे। मुख्यमंत्री ने रोंगरेंगग्रे हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों के साथ वार्ता भी की। यह स्कूल विलियमनगर के सबसे पुराने स्कूलों में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वे स्कूल को अपग्रेड करेंगे ताकि यह स्कूल समुदाय की सेवा करना जारी रख सकें।

ड्रग्स के साथ 2 महिला समेत 3 तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले की कचुवा पुलिस की छापेमारी में 2 महिला समेत 3 तस्करों को आज गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आज गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान में ड्रग्स के साथ 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ड्रग्स तस्करों के पास से 10 साबुनदानी में मौजूद ड्रग्स को जब्त किया गया। अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए ड्रग्स तस्करों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने अब्दुल मालेक और उसकी पत्नी खुलसुमा खातून को गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य गिरफ्तार हुई महिला की पहचान जारनी बस्ती की साजिदा खातून के रूप में हुई है। पुलिस इस सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कर रही है।

महिला की मौत को लेकर कांग्रेस की राजनीति निंदनीय : अजंता नेउग

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य की वित्त आदि मामलों की मंत्री अजंता नेउग ने कहा है कि कांग्रेस द्वारा एक महिला की मृत्यु को लेकर की जा रही ओछी राजनीति निंदनीय है। उन्होंने आज मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में महिलाओं को हमेशा ही ऊंचा दर्जा दिया जाता है। यहां हर महिला सुरक्षित है। भाजपा महिलाओं को कितना ऊंचा स्थान देती है इसका उदाहरण केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और स्वयं मैं (अजंता) हूं। भाजपा की सरकार में वित्त मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं को बैठाया गया है। यह नारी और उसकी योग्यता का सम्मान है। मंत्री नेउग ने कहा कि भाजपा की नीति स्पष्ट है। महिला और पुरुष को समान रूप से अवसर देकर देश को आगे बढ़ाना भाजपा का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि किसी महिला की मृत्यु को लेकर कांग्रेस को इस प्रकार की राजनीति करने से बाज आना चाहिए। वह भी महिला हैं। उन्हें इस प्रकार के बातों से काफी दुख पहुंचता है।

रनदिया शतदल साहित्य सभा का पदभार ग्रहण एवं विशेष प्रोत्साहन कार्यक्रम संपन्न

डॉ. मृणाल भुइयां को हितैषी सदस्यता का प्रमाण पत्र

रंगिया (विभास)। रंगिया के रनदिया शतदल साहित्य सभा की नव मनोनीत समिति द्वारा 19 अगस्त को पदभार ग्रहण एवं विशेष प्रोत्साहन समारोह का आयोजन किया गया। रंगिया प्रेस क्लब के बैठक कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में पिछले कार्यकाल के संस्थापक सचिव हेमंत कलिता और नव मनोनीत सचिव उज्ज्वल डेका ने असम साहित्य सभा का ध्वज, संविधान, शाखा स्वीकृति पत्र, स्वर्ण शाखा, शतदल शाखा का स्वीकृति तथा विगत समय के सभी दस्तावेज, मोहर आदि अध्यक्ष जयंतजीत कलिता, पत्रिका संपादक पंकज पल्लव शर्मा, विषय शिक्षिका बिमला देवी, उपाध्यक्ष जतिन चंद्र डेका, अध्यक्ष जेसीमुद्दीन अहमेद, संवाददाता भास्कर कलिता, परहेद अली अहमेद, खाईरुल हुसैन, मोईनुल हक, इनामुल हक, पार्थप्रतिम शर्मा, अजन्म कलाकार अकन कलिता, लोकप्रिय गायक नियर परश सहित कई लोगों को आजीवन सदस्य का साक्षात्कार आधिकारिक तौर पर सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि स्थापना वर्ष में ही रनदिया साहित्य सभा को शतदल शाखा में उन्नत करने के अलावा असम साहित्य

सभा के प्रचार-प्रसार में योगदान के लिए कामरूप जिला साहित्य सभा के श्रेष्ठ संगठक पुरस्कार से सम्मानित हेमन्त कलिता को असम साहित्य सभा के मातृभाषा-राज्य भाषा प्रयोग समिति के संयोजक पद पर नामांकन करने के कारण दूसरे कार्यकाल के बचे हुये समय से सचिव हेमन्त कलिता पद से मुक्त होकर असम साहित्य सभा की केंद्रीय समिति में अपनी सेवाए दे रहे है। कार्यक्रम में रंगिया के कई पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र और कई साहित्य प्रेमियों को असम साहित्य सभा की आजीवन सदस्यता का प्रमाण पत्र दिया गया। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रतिष्ठित न्यूरोलॉजिस्ट तथा मुख्य अध्यापक डॉ. मृणाल भुइयां को असम साहित्य सभा हितैषी सदस्य का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि के रूप में रंगिया प्राथमिक शिक्षा खण्ड के अधिकारी तथा लेखक मोईनुल हक चौधुरी उपस्थित थे।

बीपीएफ की बंगाली से केदारनाथ और बद्रीनाथधाम पहुंचे कार्यकर्ता

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिला पीपीएफ बंगाली सेल से एक प्रतिनिधि दल ने पूजा-अर्चना के लिए केदारनाथ और बद्रीनाथ पहुंचे। जहां दल ने दर्शान के अलावा पूजा-अर्चना की। यह दल आगामी लोस चुनाव में जीत दर्ज के लिए बद्रनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। दल ने उम्मीद जताई है कि आगामी लोस चुनाव में बीटीआर में दोनों लोस चुनाव में जीत दर्ज करेंगे।

लायंस उमंग का नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर संपन्न

कई स्थानों पर फीड द हंगर कार्यक्रम भी आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा के कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रही लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग की ओर से नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत कुल सात स्थानो पर इन शिविरों का आयोजन किया गया। इनमें दीपाली हंसारिया की देखरेख में बोंदा अंचलिक महाविद्यालय, बोंदा अंचलिक हाई स्कूल, प्रगज्योतिष युवा संघ, नारंगी स्थित पारिजात मोमेंट्स, एमएस फर्नीचर, बिरकुची स्थित रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल व नूनमाटी स्थित एचडीएफसी बैंक शामिल है। इन सातों स्थान पर सैकड़ो की संख्या में लोगों का नि:शुल्क मधुमेह जांच करने के अलावा उन्हें उचित परामर्श दिया गया। वही रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल में रंजीता अग्रवाल की ओर से अपने पुत्र तरुण अग्रवाल की समिति में बोर्ड प्रधान किए गए। इसके अलावा लायंस जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में कुल आठ स्थानों पर फीड द हंगर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तृप्ति मोर की देखरेख में फैंसी बाजार व जीएमसीएच, सोनल अग्रवाल, संगीता अग्रवाल व माया दूधोरिया की देखरेख में बी बरुआ कैंसर अस्पताल, आशा मुरारका की देखरेख में आठगांव, शशि सरावगी की देखरेख में आर्य नगर स्थित शिव-सितला-हनुमान मंदिर व प्रीति भजनका की देखरेख में जीएमसीएच में लगाए गए शिविरों में हजारों की संख्या में जरूरतमंद लोगों को सात्विक भोजन कराया गया। इन सभी सेवा कार्यों को संपादित करने मैं अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, कुसुम जैन, तृप्ति मोर, प्रीति भजनका, रेनू अग्रवाल, सोनल अग्रवाल, आशा मुरारका, अंजू अग्रवाल, निभा सराफ, रेनू जैन, माया दूधोरिया, शशि सरावगी, रंजीता अग्रवाल आदि सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

विश्वनाथ में ब्रिटिश जमाने का हाथी बिजुली प्रसाद अब नहीं रहा

विश्वनाथ (विभास)। एक युग का अंत हो गया ब्रिटिश के अलिभार साहब द्वारा पुराने चाय के पेड़ों को उखाड़ने के लिए लाए गए हाथी बिजुली प्रसाद की आज सुबह मौत हो गई। विश्वनाथ के बिहाली चाय बागान के बेदेती में इस हाथी की उम्र लगभग 90 से 95 वर्ष थी। यह भारत का सबसे वरिष्ठ हाथी की सूची में शामिल था। हाथी की मौत की खबर से लोगों में दुख की लहर है। जोकि यह हाथी इलाके में कई भावनाओं से जुड़ा हुआ था। आज अंतिम संस्कार में बिहाली विधायक रंजीत दत्त, बरगांग वन अधिकारी चक्रपाणि रॉय, चाय बागान अधिकारी उदीप्त चरा के कार्यकर्ता और अन्य लोग शामिल हुए लोगों ने श्रद्धांजलि दी, वही लोगों के के अनुसार यह हाथी को एशिया का सबसे बूढ़ा हाथी माना जाता है।

वाईआई गुवाहाटी एमेजिंग रेस 4.0 आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। आशी अप्सरा से जब 70 कारों की भागीदारी के साथ वाईआई गुवाहाटी एमेजिंग रेस 4.0 शीर्षक विशिष्ट मोटर रेस शुरू हुई तो गुवाहाटी का दिल उत्साह से धड़क उठा। यंग इंडियंस (वाईआई) गुवाहाटी चैप्टर की पहल पर आयोजित यह रेस केवल रोमांच के लिए नहीं बल्कि आजाद भारत की एकता तथा भाईचारे की भी अनूठी मिसाल है। मोटर रेस की शुरुआत करते हुए यंग इंडियंस के अध्यक्ष नीतेश तोदी ने कहा कि 70 कारों की आश्चर्यजनक उपस्थिति के साथ, आयोजन की सफलता हमारी उम्मीदों से अधिक रही है। यह वास्तव में उत्साही प्रतिस्पर्धा और सामुदायिक सहभागिता का प्रतीक बन गया है। उल्लेखनीय है कि मोटर रेस को फ्लैग-ऑफ किए जाने से पहले यंग इंडियंस की ओर से गुवाहाटी विवि में एमए में अध्ययनरत व नेत्रहीन छात्र कृष्णा दास को एक लैपटॉप भेंट किया गया। आयोजकों ने बताया कि रेस के विजेताओं अरविंद चौधरी, शशांक अग्रवाल, आशीष खाखोलिया व अर्चना अग्रवाल पर धन की भारी बारिश की गई।

कामरूप के 273 मेधावी छात्रों ने अग्रणी संस्थानों का किया दौरा

कड़ी मेहनत के बिना सफलता असंभव है : कीर्ति जल्ली

रंगिया (विभास)। जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने कामरूप जिले के प्रतिभाशाली छात्रों से अपना और राज्य का नाम रोशन करने के लिए कड़ी मेहनत और गहन संयम के साथ अध्ययन करने का आग्रह किया है। उन्होंने आज आईआईटी गुवाहाटी में असम सरकार की *आरोहण* योजना के तहत जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों से चयनित 273 छात्रों के साथ विचारों के आदान-प्रदान में यह बात कही। आप असम का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि असम को आगे बढ़ाने के लिए आपको अभी से अपने लक्ष्य निर्धारित करने होंगे और उच्च आदर्शों से प्रेरित होकर आगे बढ़ना होगा। आप ऐसे काम करें जिससे हमें आप पर गर्व हो। उन्होंने छात्रों को उदाहरण देकर भी प्रेरित किया कि कैसे उन्होंने खुद कंप्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक किया और भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी के रूप में अपना करियर बनाया। जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों के सरल उत्तर भी दिये। इससे पहले, सेवानिवृत्त भारतीय

प्रशासनिक सेवा अधिकारी और प्रख्यात लेखक थानेश्वर मालाकार ने अपने जीवन के अनुभवों और महान उद्धरणों के साथ छात्र जीवन के कर्तव्यों पर एक सार्थक भाषण दिया। उल्लेखनीय है कि कामरूप जिले के हाजो क्षेत्र के मूल वासी मालाकार ने माध्यमिक स्तर तक गाँव के स्कूलों में पढ़ाई की। कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के संचालक परमेश्वर अय्यर ने स्वागत भाषण दिया। संस्थान के डीन एएस अंचलकुमार ने भी विद्यार्थियों की विभिन्न जिज्ञासाओं का उत्तर दिया। कार्यक्रम के अंत में जिला विद्यालय निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. जीवन कृष्ण गोस्वामी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा, प्रमुख लेखक परेश वैश्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। जिला जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि असम सरकार की आरोहण योजना के तहत जिले के प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय से नौवीं कक्षा के एक-एक चयनित छात्र-छात्रा को आज जिले के अग्रणी संस्थानों में ले जाया गया। वे सबसे पहले सुबह 9.30 बजे अमिनगांव में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और ज्यूडिशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूट पहुंचे। इसकी विभिन्न शाखाओं, पुस्तकालयों आदि का दौरा करने के बाद, छात्रों को चांसारी स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया गया। वहां कुछ डॉक्टरों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करने के बाद उन्हें आईआईटी भी लाया गया। उन्होंने जिला आयुक्त, निदेशक और आईआईटी के डीन के साथ भी चर्चा की और देश के अग्रणी संस्थान की लाइब्रेरी सहित विभिन्न स्थानों का दौरा किया। अंत में, छात्रों को जिला आयुक्त कार्यालय लाया गया। इस मौके पर बताया गया कि सरकार की ओर से इन छात्रों को किताबें खरीदने के लिए 1,000 रुपए प्रदान किया जाएगा।

भाजपा की 80 सीटों पर जीत कल्याण सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी : अमित शाह

अलीगढ़, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अलीगढ़ के नुमाइश मैदान पहुंचकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटों पर कमल खिलाइये, मोदी को प्रधानमंत्री बनाइए। बाबू कल्याण सिंह को यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बाबू कल्याण सिंह वैचारिक कर्मठता, प्रशासनिक कुशलता, पिछड़ों और गरीबों के प्रति असीम संवेदना के प्रतीक थे। जब कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने तीन चीजों पर ध्यान दिया था। राम जन्मभूमि को गति देना।

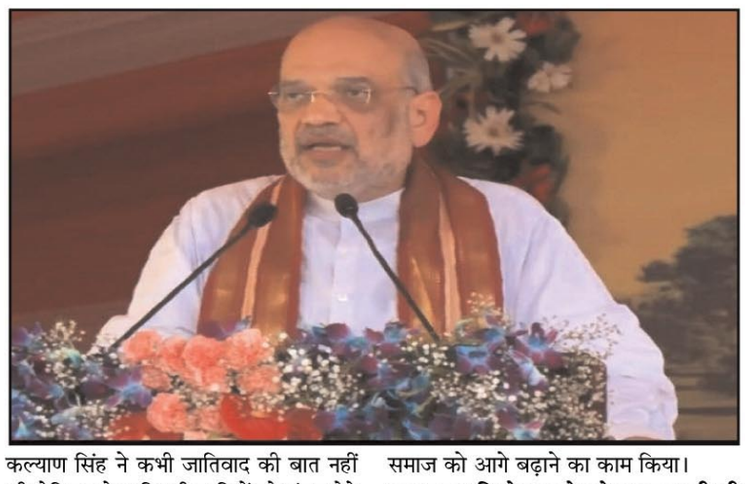

गरीब कल्याण के भाजपा के विचार को जमीन पर उतारना और सामाजिक सदभाव बिगाड़े बगैर करोड़ों करोड़ पिछड़े लोगों का कल्याण किया था। इन तीनों कामों को आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे ले जा रहे हैं। नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण के क्षेत्र में करोड़ों गरीबों के घर में गैस का चूल्हा, बिजली, शौचालय, पीने का पानी, स्वास्थ्य की सुविधाएं और सारे गरीबों को पांच किलो अनाज और ढ़ेर सारी सुविधाएं देकर गरीब कल्याण के संकल्प को पूरा करने का काम किया। शाह ने कहा कि कल्याण सिंह ने कभी जातिवाद की बात नहीं की लेकिन हमेशा पिछड़ी जातियों को संबल देने का काम किया।

मोदी के कार्यकाल में भी पिछडी जातियों को सबसे ज्यादा सुविधाएं मिलीं। इसके अलावा मोदी के कार्यकाल में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला, नीट की परीक्षा में ओबीसी को आरक्षण दिया, नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूलों में पिछड़े समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। केन्द्र सरकार ने नौ साल के अंदर ढेर सारे काम किए। पिछड़े समाज को आगे बढ़ाने का काम किया।

राम जन्मभूमि के मसले को अटका रही थी कांग्रेस - अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आजादी के बाद से राम जन्मभूमि के मसले को अटका रही थी, लटका रही थी और भटका रही थी। नरेन्द्र मोदी ने कोर्ट का निर्णय लाकर खून का कतरा बहाये बिना राम मंदिर के भूमिपूजन का कार्य किया। गृहमंत्री ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन में कल्याण सिंह के अद्वितीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। जब नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर का शिलान्यास किया था, उस दिन मैंने बाबू जी को फोन किया था तो उन्होंने कहा था कि मेरा जीवन धन्य हो गया। मेरे जीवन का लक्ष्य आज समाप्त हो गया।

कल्याण सिंह की छत्रछाया में भाजपा जन-जन तक पहुँची - शाह ने कहा कि हर वर्ग के बीच बाबू जी का जनाधार था। कल्याण सिंह ने पहली बार उत्तर प्रदेश में भयमुक्त व भ्रष्टाचार विहीन शासन की शुरूआत की। बाबूजी ऐसे विराट वटवृक्ष थे जिनकी छत्रछाया में उत्तर प्रदेश के अंदर संगठन पनपा और भाजपा जन-जन तक पहुँची। उन्होंने बताया कि मुझे उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया तो मुझे उत्तर प्रदेश की जरा सी भी जानकारी नहीं थी।

बाबू जी ने मुझे बैठाकर उत्तर प्रदेश की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने हमेशा मार्गदर्शन करने का काम किया। जिसका परिणाम यह हुआ कि मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सारे रिकार्ड तोड़ दिये। उत्तर प्रदेश की 80 में से 73 सीटों पर भाजपा की विजय हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, सांसद राजवीर सिंह समेत कई केन्द्रीय व प्रदेश सरकार के मंत्री प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश हुए जगदीश टाइटलर, अगली सुनवाई 29 अगस्त को

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सिख विरोधी दंगों से जुड़े पुलबंगश गुरुद्वारा हिंसा के मामले में जगदीश टाइटलर दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश हुए। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद ने मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले से जुड़े जरूरी दस्तावेज टाइटलर के वकीलों को दिया जाए। इसके पहले 10 अगस्त को कोर्ट ने जगदीश टाइटलर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश होने की इजाजत दे दी थी। जगदीश टाइटलर ने सुरक्षा का हवाला देते हुए वर्चुअली कोर्ट में पेश

होने की इजाजत मांगी थी। जगदीश टाइटलर 5 अगस्त को कोर्ट में पेश हुए थे और अपना बेल बांड भरा था। 5 अगस्त को कोर्ट के बाहर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत देने के कोर्ट के आदेश पर विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया था। 4 अगस्त को राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत दी थी। स्पेशल जज विकास ढल ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर अग्रिम जमानत देने का आदेश दिया था। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद ने 26 जुलाई को जगदीश टाइटलर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने टाइटलर को आज कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया था। सीबीआई ने इस मामले में टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 109 और 302 के तहत लगाया है। सीबीआई के मुताबिक टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था, जिसके बाद भीड़ ने पुलबंगश के गुरुद्वारे में आग लगा दी थी।

भाजपा ने कर्नाटक में किसानों की स्थिति पर राज्य सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में किसानों की खराब होती स्थिति पर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कर्नाटक में कृषि क्षेत्र पूरी तरह बर्बाद हो गया है। यह स्थिति किसानों के लिए चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कई जिले सूखे की मार झेल रहे हैं और मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तथा राज्य के कृषि मंत्री बेंगलुरु से बाहर नहीं निकले हैं। उनकी यात्रा केवल बेंगलुरु और दिल्ली के बीच सीमित है। मंत्रियों को किसानों की समस्याओं से कोई स-

रोकार नहीं है। उन्हें किसानों के दर्द से भी कोई मतलब नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के किसानों की दयनीय स्थिति के बावजूद राजनीतिक दबाव के आगे झुक कर तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने अपने सहयोगी मंत्रियों से बिना परामर्श किए 10 टीएमसी कावेरी जल छोड़ने की घोषणा की है। यूपीए के अहंकारी गठबंधन के तहत डीएमके के दबाव के कारण मंत्री झुक रहे हैं। इस तरह की राजनीति का खमियाजा कर्नाटक के किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में हुआ बड़ा काम : प्रधानमंत्री

- मध्य प्रदेश के रोजगार मेले को किया संबोधित

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मध्य प्रदेश के रोजगार मेले को वर्चुअली संबोधित किया। लाभार्थियों को शुभकानाएं देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में काफी बेहतर काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार मेले में साढ़े पांच हजार शिक्षकों को रोजगार दिया गया है। पिछले तीन वर्षों में राज्य में 50 हजार नए शिक्षकों की भर्ती की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबी कम हुई है और लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में देश में 13.5 करोड़ लोग

गरीबी की रेखा से ऊपर आए हैं। इसी तरह आयकर के आंकड़े दिखाते हैं कि लोगों की आय में वृद्धि हुई है और उनका सरकार पर भरोसा बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकारी आवंटन में लीकेज में आई कमी से अब गरीब कल्याण पर अधिक खर्च हो पा रहा है। गरीब को उसका हक मिल रहा है। सरकार ने हाल ही में 18 हुनर को 21वीं सदी के अनुरूप बनाने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की है। उन्होंने नवनिर्वाचित शिक्षकों से सरकार के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर अपने कौशल को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

चंद्रमा पर चंद्रयान-2 ने चंद्रयान-3 का किया स्वागत, दोनों के बीच संचार स्थापित

नई दिल्ली, (हि.स.)। चंद्रयान-3 इतिहास रचने के महज कुछ ही घंटों की दूरी पर है। चांद पर लैंडिंग की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। 23 अगस्त शाम 5.45 मिनट पर चंद्रयान-3 चांद पर कदम रखेगा। इस बीच सोमवार को चंद्रयान-2 ने चंद्रयान -3 का औपचारिक स्वागत किया। दोनों के बीच दोतरफा संचार स्थापित हो गया है। इससे पहले इसरो ने यान द्वारा ली गई चंद्रमा की कुछ तस्वीरें भी साझा की। सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ट्वीट करके कहा कि चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल का स्वागत किया। दोनों के बीच द्विपक्षीय संपर्क स्थापित किया गया है। उल्लेखनीय है कि साल

2019 में भारत ने अपना मिशन चंद्रयान-2 लॉन्च किया था लेकिन सॉफ्ट लैंडिंग में गड़बड़ी हो गई थी। चंद्रयान-2 क्रैश हुआ लेकिन इसने अपना काम किया था। चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर पिछले 4 साल से चांद के इर्द-गिर्द चक्कर लगा रहा है और अपना काम कर रहा है। अब चार साल के बाद जब विक्रम लैंडर फिर से चांद के पास पहुंचा है तब चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर एक्टिव हुआ है।

वित्त मंत्रालय का चिंतन शिविर केवड़िया के स्टेच्यू ऑफ यूनिटी में शुरू

नई दिल्ली, (हि.स.)। वित्त मंत्रालय का चिंतन शिविर सोमवार को गुजरात के केवडिया स्थित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी में शुरू हुआ। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ दो दिवसीय इस चिंतन शिविर की शुरूआत की। सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ अमृतकाल के दौरान वित्त मंत्रालय की भूमिका पर आयोजित चर्चा में भागीदारी की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार पंच प्रण को अपनाकर अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कैसे पुनः उन्मुख हुआ जाए, इस पर चर्चा की गई। दो दिनों तक चलने वाले इस

चिंतन शिविर में भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की रूपरेखा सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड एवं वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और कारपोरेट कार्य मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय के विभिन्न विभागों के 100 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी और सचिव अमृतकाल के दौरान वित्त मंत्रालय की भूमिका पर इस शिविर में भागीदारी कर रहे हैं।

सरकारी अधिकारियों को कोर्ट में तलब करने के लिए दिशा-निर्देश तय करेगा सुप्रीम कोर्ट

- पेश होने के दौरान अधिकारी की वेशभूषा पर भी निर्देश जारी कर सकती है कोर्ट

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सरकारी अधिकारियों को कोर्ट में तलब किए जाने को लेकर दिशा-निर्देश तय करेगा। केंद्र ने सुझाव दिया था कि जरूरी हो तभी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहना चाहिए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वह कोर्ट में पेश होने के दौरान अधिकारी की वेशभूषा पर भी निर्देश जारी कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने 16 अगस्त को अदालती कार्यवाहियों में सरकारी अधिकारियों की पेशी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक ड्राफ्ट स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) सौंपा था। केंद्र सरकार ने कहा है कि कोर्ट को अधिकारियों को अपवाद स्वरूप ही समन करना चाहिए। ये कोई रूटीन प्रकिया नहीं

होनी चाहिए। केंद्र सरकार ने एसओपी कोर्ट के सामने रखते हुए कहा है कि इसका लक्ष्य न्यायपालिका और सरकार संबंधों में सुधार लाना है। केंद्र सरकार के ड्राफ्ट एसओपी में कहा गया है कि पेशी के लिए उचित वक्त मिले और पेशी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हो, तो ज्यादा बेहतर है। एसओपी के मुताबिक कोर्ट पेशी के दौरान सरकारी अधिकारियों की ड्रेस, उनकी सामाजिक, शैक्षणिक पृष्ठभूमि पर टिप्पणी न करे। सरकार के रुख से अलग कोर्ट में दिये बयान के लिए सरकारी वकील पर अवमानना की कार्रवाई न हो। एसओपी में कहा गया है कि सरकार को अमल के लिए वाजिब वक्त मिले। केंद्र सरकार ने कहा है कि नीतिगत मामलों को सरकार को ही भेजें।

जल का कुशल प्रबंधन जल सुरक्षा और आर्थिक विकास की कुंजी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय जल इंजीनियरिंग सेवाओं के अधिकारियों ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस मौके पर राष्ट्रपति ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि पानी जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। जल संसाधन प्रबंधन हमेशा सभी पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करके जल बुनियादी ढांचे के विकास में केंद्रीय जल इंजीनियरिंग सेवाओं के अधिकारियों का योगदान देश को प्राकृतिक और मानव निर्मित जल संकट के खिलाफ अधिक लचीला बना देगा। राष्ट्रपति ने कहा कि अधिक आर्थिक विकास और बढ़ते शहरीकरण और विकास

के साथ, उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम उपयोग की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि जलवायु की बदलती प्रवृत्ति ने पहले ही जल क्षेत्र को प्रभावित करना शुरू कर दिया है और हमारे देश में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग भौगोलिक और जलवायु पैटर्न हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्रीय जल इंजीनियरिंग सेवा अधिकारियों से मौजूदा और आगामी चुनौतियों से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। उन्होंने उन्हें टिकाऊ तरीके से जल संसाधनों के विकास और प्रबंधन पर जोर देने की सलाह दी।

पुलवामा में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया

पुलवामा, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के लैरो-परिगाम इलाके में सोमवार सुबह मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। यहां अभी अन्य आतंकवादियों के छुपे होने की आशंका है। सुरक्षाबलों का आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी है। सुरक्षाबलों को रविवार रात यहां आतंकवादियों के छुपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने रात को क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षाबल देररात आतंकवादियों के करीब पहुंच गए।

इससे बौखलाए दहशतगर्दों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने तत्काल मोर्चा संभाला। अंततः सुबह दो दहशतगर्द ढेर हो गए। फिलहाल पुलिस व सेना ने आतंकियों के मारे जाने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

दिल्ली यातायात पुलिस ने प्रगति मैदान जाने वाले मार्गों पर किया रिहर्सल

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर दिल्ली यातायात पुलिस ने सोमवार सुबह आठ बजे से लेकर 11 बजे तक ट्रैफिक रूट मैनेजमेंट की रिहर्सल की। पुलिस ने उन सभी मार्गों पर रिहर्सल किया, जिन मार्गों से होकर जी-20 के मेहमानों को उनके होटल से कार्यक्रम स्थल यानी प्रगति मैदान तक लाया जाएगा और वापस ले जाया जाएगा। यातायात पुलिस ने कार्यक्रम स्थल तक आने जाने वाले दर्जन भर मार्गों पर रिहर्सल किया। इसके कारण सलीमगढ़ बाईपास, महात्मा गांधी मार्ग, भैरव मार्ग, मथुरा रोड, सी हेक्सागन सरदार पटेल मार्ग, गुरुग्राम रोड, रिंग रोड और आउटर रिंग रोड आदि पर यातायात प्रभावित हुआ। यह रिहर्सल इसलिए भी किया गया, क्योंकि विदेशी मेहमानों के काफिले में करीब 20 गाड़ियां ऐसी भी होंगी, जिन्हें लेफ्ट हैंड ड्राइविंग करना होगा। उसके अनुसार सड़क पर चलने वाले उन वाहनों को भी मैनेज करना होगा, जो यहां के पारंपरिक तरीके से चलते हैं।

दिल्ली के 14 होटल के साथ ही गुरुग्राम के होटलों में भी जी-20 में शामिल होने वाले राष्ट्राध्यक्ष और अन्य मेहमान रहेंगे। मुख्य कार्यक्रम प्रगति मैदान में होना है। दिल्ली एनसीआर के विभिन्न होटलों में ठहरे मेहमानों को वहां से प्रगति मैदान तक लाना और कार्यक्रम के बाद उन्हें वहां से वापस ले जाना पुलिस और यातायात पुलिस के लिए भी एक बड़ी चुनौती होगी। कार्यक्रम शुरू होने से पहले सभी राष्ट्राध्यक्ष राजघाट भी जाएंगे। विभिन्न होटलों से राजघाट और प्रगति मैदान तक आने और जाने के दौरान विदेशी मेहमानों की सुरक्षा में कोई चूक ना हो, काफिले के बीच में कोई अन्य वाहन ना आ जाए, इसे देखते हुए रिहर्सल में तैयारियां पूरी की गई हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिन मार्गों से मेहमानों को लाया और ले जाया जाना है, उन मार्गों पर बने कट को बैरिकेड लगाकर अस्थाई रूप से बंद किया जाएगा, ताकि मेहमानों के काफिले में कोई अन्य वाहन प्रवेश न कर सके। रूट के दौरान चौराहों को सिग्नल फ्री रखा जाएगा। यातायात पुलिस यह भी देख रही है कि मुख्य मार्गों पर कितने कट हैं, जिन्हें बंद किए जाने की जरूरत है। जिन कट पर यातायात पुलिस तैनात किए जाने की जरूरत होगी, वहां कर्मियों को तैनात भी किया जाएगा।

सड़क हादसे में बलिदान हुए नौ सैनिकों के पार्थिव शरीर पैतृक गांव भेजे गए

लेह, (हि.स.)। लेह जिले के कियारी क्षेत्र में शनिवार को सड़क हादसे में बलिदान हुए सैनिकों को लेह में सेना ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। लेह में कियारी के पास सेना का ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिरने से सेना के एक अधिकारी सहित नौ सैनिकों की मौत हो थी। श्रद्धांजलि समारोह के बाद सभी सैनिकों के पार्थिव शरीर पूरे सैनिक सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव भेज दिए गए। सेना ने ट्वीटर के माध्यम से जानकारी दी कि श्रद्धांजलि समारोह के दौरान फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स कमांडर और सभी रैंकों ने 19 अगस्त को लद्दाख में कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को पूरे सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सभी रैंकों की ओर से दुखद दुर्घटना में जवानों के बलिदान पर दुख व्यक्त किया है। भारतीय सेना के आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा गया कि जनरल मनोज पांडे और भारतीय सेना के सभी रैंक लद्दाख में एक दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में नौ बहादुरों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हैं। श्रद्धांजलि समारोह के बाद सभी सैनिकों के पार्थिव शरीर पूरे सैनिक सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव भेज दिए गए। वीरगति को प्राप्त होने वाले 9 में से चार सैनिक हरियाणा के हैं, जबकि हिमाचल, पंजाब, मध्य प्रदेश, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र के एक-एक सैनिक हैं। लद्दाख में कियारी के पास शनिवार देर शाम सेना के काफिले का एक वाहन खाई में गिर गया, जिससे भारतीय सेना के नौ जवान बलिदान हो गए थे, जबकि एक घायल हो गया था। दुर्घटनाग्रस्त सेना के ट्रक में 10 जवान सवार थे।

दिल्ली बार काउंसिल ने एनरॉलमेंट के लिए आधार और वोटर आई कार्ड को अनिवार्य करने की अधिसूचना वापस ली

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली बार काउंसिल (बीसीडी) ने दिल्ली हाई कोर्ट में कहा है कि उसने अपने 13 अप्रैल के उस नोटिफिकेशन को वापस ले लिया है, जिसके जरिए एनरॉलमेंट के लिए दिल्ली-एनसीआर के आधार कार्ड और वोटर आई कार्ड को अनिवार्य किया गया था। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने संबंधित नोटिफिकेशन को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा कर दिया। हाई कोर्ट ने बीसीडी से कहा कि चार हफ्ते के अंदर इस नोटिफिकेशन को वापस

लेने संबंधी सूचना अपने पोर्टल पर अपलोड करें। याचिका वकील रजनी कुमारी ने दायर की थी। रजनी कुमारी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के लॉ की डिग्री ली है। याचिका में कहा गया था कि बीसीडी ने 13 अप्रैल को एक नोटिस के जरिये ये घोषणा की कि जो वकील एनरॉलमेंट कराना चाहते हैं उन्हें दिल्ली-एनसीआर का आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र पेश करना अनिवार्य है। याचिका में कहा गया था कि बीसीडी की शर्तें मनमानी और भेदभावपूर्ण हैं। जो छात्र दिल्ली से लॉ की डिग्री ले रहे हैं और बीसीडी में एनरॉलमेंट कराना चाहते हैं, उन्हें दिल्ली-एनसीआर का आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र पेश करना होगा। ऐसे में उनका एनरॉलमेंट नहीं होगा। याचिका में कहा गया था कि बीसीडी की ये शर्त उन लॉ डिग्रीधारकों के लिए बाधा बनेंगी, जो दिल्ली से बाहर के हैं और दिल्ली में आकर प्रैक्टिस करना चाहते हैं।

देश की शिक्षा व्यवस्था में बहुत बड़े बदलाव का आधार बनेगी मातृभाषा में पढ़ाई : प्रधानमंत्री मोदी

भोपाल, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश में 'मातृभाषा में पढ़ाई को लेकर बहुत बड़ा काम हुआ है। अंग्रेजी न जानने वाले छात्रों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाई न कराकर, एक तरह से उनके साथ अन्याय किया गया था। यह सामाजिक न्याय के विरुद्ध था। हमारी सरकार ने इस अन्याय को दूर कर दिया है। अब सिलेबस में क्षेत्रीय भाषाओं की पुस्तकों पर बल दिया गया है। देश की शिक्षा व्यवस्था में यह बहुत बड़े बदलाव का आधार बनेगा।' प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित नवनियुक्त शिक्षकों के नवनियुक्त पत्र वितरण कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। भेल स्थित सीएम राइज शासकीय महात्मा गांधी उमावि में आयोजित प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सत्र 2023-24 में प्रदेश में नवनियुक्त पांच हजार 580 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 'मैं मध्य प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्त होने वाले साढ़े पांच हजार से ज्यादा शिक्षकों को

बधाई देता हूं। मुझे बताया गया कि पिछले तीन साल में मध्य प्रदेश में 50 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई है। इसके लिए राज्य सरकार बधाई की पात्र है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट है कि पांच साल के अंदर भारत में 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। इस साल फाइल होने वाली इनकम टैक्स रिटर्न संख्या भी दूसरा महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। पिछले नौ साल में लोगों की औसत आय में बढ़त हुई है। आयकर विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 2014 में औसत आय चार लाख रुपये थी, जो 2023 में बढ़कर 13 लाख रुपये हो गई है। लोअर इनकम ग्रुप से अपर इनकम ग्रुप में जाने वालों की संख्या भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जो अर्थव्यवस्था दुनिया में 10वें नंबर पर थी, वह आज पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। देश का नागरिक वो दिन भूल नहीं सकता, जब 2014 से पहले घोटालों और भ्रष्टाचार का दौर था। गरीब का हक लूट लिया जाता था। आज गरीब के हक का पूरा पैसा सीधे उसके खाते में पहुंच रहा है।

अयोध्या :आर्थिक समृद्धि की राह पर तेजी से दौड़ रही राम नगरी

अयोध्या, (हि. स.)। अर्थव्यवस्था के लिहाज से मजबूत होती प्रदेश की तस्वीर में राम नगरी अयोध्या की भी बेहतर भागीदारी है। जिला सकल घरेलू उत्पाद में शानदार वृद्धि और उद्योग क्षेत्र में सतत हो रहे पूंजी निवेश और तद्नुरूप बढ़ रहे रोजगार से जनपद अयोध्या की आर्थिक समृद्धि लगातार मजबूत हो रही है। आरबीआई व अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों की रिपोर्ट से यह जनकारी सामने आई है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में शीर्ष पर है। सकल घरेलू उत्पाद, उद्योग जगत में निवेश से लेकर रोजगार तक यूपी का प्रदर्शन सकारात्मक बदलाव की तस्वीर पेश करने वाला है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद अयोध्या में विकास की जो रेल चली है उसके साथ यहां आने वाले भविष्य को देखते हुए निवेशक भारी मात्रा में निवेश कर रहे हैं। विकास यहां इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्र में ही नहीं दिखता बल्कि समग्र रूप में "लोकल इकोनॉमी" में भी परिलक्षित होता है। इसे बदलते लाइफ स्टाइल, उद्योग क्षेत्र में बढ़ी चहल पहल में भी महसूस किया जा सकता है। बहरहाल, बात जब अर्थव्यवस्था से जुड़ी होती है तो इसे स्पष्ट करने के लिए फैक्ट फिगर की जरूरत होती है। जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में जबरदस्त प्रदर्शन करने वाले उत्तर प्रदेश में वर्ष 2021-22 में अयोध्या का जिला सकल घरेलू उत्पाद 18937.98 करोड़ रुपये रहा। जबकि एक ही साल पूर्व वर्ष 2020-21 में यह 17061.75 करोड़ रुपये था। मतलब यह कि एक साल में ही जिला सकल घरेलू उत्पाद में 1876.23 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। तुलनात्मक रूप से देखें तो यह वृद्धी लगभग चार फीसद की है। उपायुक्त उद्योग अमरेश कुमार पांडेय कहते हैं कि जिला सकल घरेलू उत्पाद आने वाले सालों में और तेजी से बढ़ेगा। कारण, यहां ट्रेड, इंडस्ट्री और सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ा है। निवेश का माहौल बनाना सरकार का काम होता है और निश्चित तौर पर योगी सरकार ने यह किया भी है। एक वर्ष में अयोध्या में 141000 करोड़ का पूंजी निवेश हुआ है। इससे हजारों नए लोगों को रोजगार मिला है। अयोध्या की अर्थव्यवस्था की मजबूत होती स्थिति को लेकर सबसे बड़ी बात यह भी है कि फरवरी 2023 में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अयोध्या जिले में 353 लोगों ने निवेश के लिए प्रस्ताव दिए। अब तक 141000 करोड़ का पूंजी निवेश हुआ है। जब ये प्रस्ताव धरातल पर आएंगे तो जिले की आर्थिकी व रोजगार से लोगों के जीवन में आने वाले बदलाव का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। उपायुक्त उद्योग कहते हैं कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एमओयू करने वाले निवेशकों को उनकी जरूरत व पसंद के अनुरूप भूखंड समेत सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए काम शुरू भी कर दिया गया है। एमओयू धरातल पर उतरने शुरू हो गए हैं। इंडस्ट्री से रोजगार तो बढ़ेगा ही, असर पूरी अर्थव्यवस्था पर नजर आएगा। अयोध्या में तेजी से बनते जा रहे होटल व पर्यटन स्थल यहां की अर्थ व्यवस्था को और मजबूत बना रहे हैं।

श्रीराम मंदिर आन्दोलन के अग्रदूत थे कल्याण सिंह : योगी आदित्यनाथ

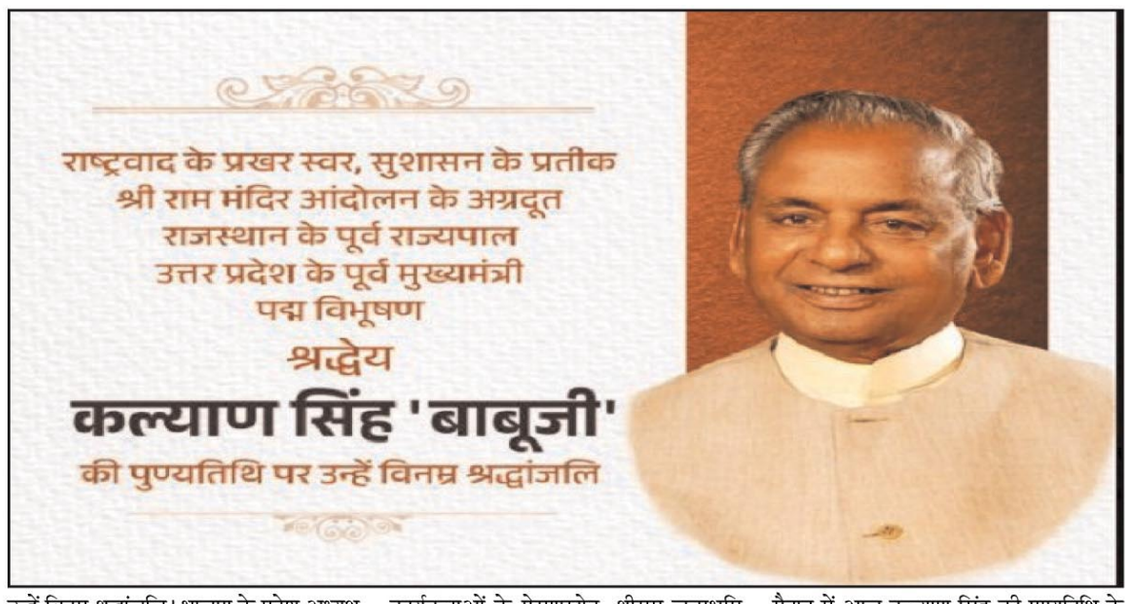

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को ट्वीट कर अपने संदेश में कहा है कि स्व.कल्याण सिंह सुशासन के प्रतीक और श्रीराम मंदिर आन्दोलन के अग्रदूत थे। सेवा, सुशासन और सामाजिक न्याय के प्रतीक, राष्ट्रवाद के प्रखर स्वर, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री 'पद्म विभूषण' श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि बाबू जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए ऊर्जा का अक्षय स्रोत है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गरीबों, वंचितों एवं पिछड़ों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनका उत्थान करने के लिए कल्याण सिंह को सदैव स्मरण किया जाएगा। केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि गरीबों, पिछड़ों व वंचितों के अधिकारों के प्रबल संरक्षक, असंख्य कार्यकताओं के प्रेरणा स्रोत, उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं पद्म विभूषण से सम्मानित श्रद्धेय कल्याण सिंह बाबूजी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने ट्वीट किया कि कल्याण सिंह का राष्ट्र एवं समाज सेवा के किये किये गए अद्वितीय कार्य हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। जननेता, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, करोड़ो कार्यकताओं के प्रेरणास्रोत, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी नायक एवं सुशासन के संवाहक उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में आज कल्याण सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई नेता शामिल होंगे।

सपा महासचिव के साथ हुए मामले में भी भाजपा का हाथ : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। स्वामी प्रसाद मौर्य पर जूता फेंके जाने के मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जितने भी इस तरह के मसले हो रहे हैं, उसमें बीजेपी शामिल है। अभी आपने घोसी का देखा था जिसमें इंक लगा दी गई। जब जानकारी मिली तो पता चला कि उसमें भी भाजपा के लोग शामिल थे। लोग जागरूक हो गए हैं और अपने हक के लिए खड़े हो गए हैं। इसलिए भाजपा के लोग ध्यान भटका रहे हैं। सपा अध्यक्ष इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य पर फेंका गया जूता मामले पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा क्या करेगी, चुनाव से पहले किसको पता, कुछ भी होगा। यह सरकार एक कंपनी को हायर करके अपने झूठ को सच बनाना चाहती है। वह नंबर 01 सिर्फ इसलिए हैं क्योंकि वह मीडिया को नंबर एक दे रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि मऊ में जो कार्यकर्ता था, वह भाजपा का था। यहां भी कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी का ही कार्यकर्ता है। इसीलिए भाजपा बौखला गई है। घबराई हुई है कि जनसमर्थन अब उनसे हट रहा है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पिछड़े समाज में जन्मे महापुरुषों के विचार एवं वर्तमान राजनीतिक परिवेश में उनकी प्रासंगिकता के विषय पर समाजवादी पार्टी के एक दिवसीय महासम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें स्वामी प्रसाद मौर्य सुबह पहुंचे थे। इस दौरान एक युवक ने उन पर जूता फेंक दिया था। इस मामले में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर काफी तल्खी व्यक्त की है। उन्होंने इसके पीछे भाजपा का पड़यंत्र होने का आरोप लगाया है।

भाजपा नेता प्रिंस के कहने पर दारा पर फेंका स्याही, आरोपी का समर्पण

मऊ, (हि.स.)। घोसी विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी दारा सिंह चौहान के ऊपर रविवार को फेंकी गई काली स्याही के मामले में घटना में शामिल युवक ने सोमवार की सुबह बड़े ही नाटकीय ढंग से कोपागंज थाने में समर्पण कर दिया। थाने में आत्मसमर्पण करने जाते समय आरोपी डायमंड यादव ने बेबाकी से कहा कि यह सब बीजेपी वालों की चाल है। भाजपा नेता प्रिंस यादव ने कहा था कि तुम स्याही फेंक दो हम लोगों का चुनाव फंस रहा है, हम लोग तुमको बचा लेंगे और ऐसा उसने प्रिंस यादव के कहने पर किया। उक्त युवक की सोमवार की सुबह यह टिप्पणी और भाजपा नेताओं का सपा नेता पर रविवार को पलटवार आरोप मामले को पेंचिदा बना दिया है। इस मामले में नगर के क्षेत्राधिकारी धनंजय मिश्रा ने बताया कि मोनू उर्फ डायमंड जो दारा सिंह चौहान पर स्याही फेंका था वह खुद आकर थाने में आत्मसमर्पण किया है। वे 2019 में समाजवादी छात्र सभा की ओर से चुनाव लड़ना चाहता था, लेकिन उसे सिंबल नहीं मिला तो ड-ीसीएसके से छात्र संघ का चुनाव लड़ा था। अदरी मोड़ पर एक जगह बैठता है, जहां समाजवादी पार्टी के लिए काम करने वाले लड़के भी बैठते हैं। दारा सिंह चौहान पिछली बार सपा से विधायक हुए थे। इस बार दूसरे दल से लड़ रहे हैं तो इसको लेकर कहीं न कहीं मन में टीस है कि इस तरह से हुआ। आरोपी के मुताबिक सीओ ने बताया कि डायमंड यादव ने प्रिंस यादव को फोन किया कि तोहार मंत्री हम लोग के गांव में नहीं आएंगे क्या। तो प्रिंस ने कहा क्यों नहीं आएंगे, तुम्हारे घर तक चले जाएंगे। तो वे कहां हम स्याही फेंक देंगे। तो प्रिंस ने कहा कि दम है तो फेंक कर दिखा दो।

इसको लेकर जो भी प्रिंस से उसकी हाट टाक हुई। फिर वे साथ में ग्रुप वाले लड़कों से बात किया कि हम स्याही फेंक देंगे तो नेता बन जाएंगे। इसलिए उसने यह मूर्खतापूर्ण आपराधिक कृत्य किया। जब पत्रकारों ने सीओ से पूछा कि इसमें भाजपा नेता प्रिंस यादव का हाथ है तो सीओ धनंजय मिश्रा ने कहा कि इसमें भाजपा का कोई रोल नहीं है। आरोपी ने कहा कि मैं स्याही फेंक दूंगा और फेंक कर घटना को अंजाम दिया। चूंकि आरोपी समाजवादी पार्टी से जुड़ा है इसलिए अभी प्रथम दृष्टया यही मामला है। आगे जांच जारी है जो भी घटना में शामिल होगा बख्शा नहीं जाएगा।

स्याही कांड : भाजपा प्रवक्ता ने अखिलेश यादव को घेरा

लखनऊ, (हि.स.)। घोसी में भाजपा उम्मीदवार दारा सिंह चौहान पर स्याही फेंकने वाला आरोपी अभिमन्यु यादव ने खुद थाने में जाकर सरेंडर कर दिया। इस मामले में सोमवार सुबह तक भाजपा को घेरने वाले अखिलेश यादव दोपहर बाद खुद ही घिरते हुए नजर आये। पुलिस की तफ्तीश में वह समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता निकला। वहीं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने आरोपी के फेसबुक वाल पर अखिलेश यादव से हाथ मिलाते एक फोटो ट्वीट कर सवालिया निशान उठाया है। अभी सुबह ही एक चैनल का वीडियो ट्वीट करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने स्याही फेंकने की घटना को भाजपा का स्टंट बताया था। उन्होंने लिखा था कि यह भाजपा द्वारा सहानुभूति लेने के लिए रची गयी साजिश है। उस वीडियो में आरोपी कह रहा था कि भाजपा वालों की चाल है। इसके बाद थाने में सरेंडर कर दिया। उसी वीडियो को अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए इसे भाजपा की साजिश बताया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सहानुभूति पाकर घोसी उपचुनाव को जीतना चाहती है। घोसी की जनता साइकिल को ही चुनेगी। इसके बाद भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने उसके फेसबुक वाल पर अखिलेश यादव से हाथ मिलाते हुए एक फोटो ट्वीट किया। उस पर समाजवादी नेता लिखा भी है। साथ में सुबह का अखिलेश यादव द्वारा भेजे गये वीडियो का भी स्क्रीन शॉट था। मनीष शुक्ला ने लिखा, क्या अखिलेश यादव के ट्वीट में (दारा सिंह के ऊपर स्याही डालने वाला) और समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में अखिलेश यादव के साथ खड़ा अभिमन्यु यादव डायमंड एक ही व्यक्ति है? इसके साथ अखिलेश यादव से पूछा, जरा इस पर प्रकाश डालिए। इस मामले में पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से ही घृणित राजनीति का सहारा लेती आयी है। इसमें समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओं का भी हाथ हो सकता है। पुलिस को इस-ाकी तफ्तीश करनी चाहिए। इस घटना और पुलिस की तफ्तीश ने समाजवादी पार्टी की घटिया राजनीति की पोल खोल दी है। वहीं पूर्व मंत्री और भाजपा नेता उत्पल राय का कहना है कि समाजवादी पार्टी चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडे अपना रही है, लेकिन उसकी विजय नहीं होने वाली है। यहां भाजपा का परचम लहराएगा। जनता समाजवादी पार्टी के दोहरे चरित्र को समझ चुकी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के चचेरे भाई पर पत्नी ने लगाया मारपीट का आरोप

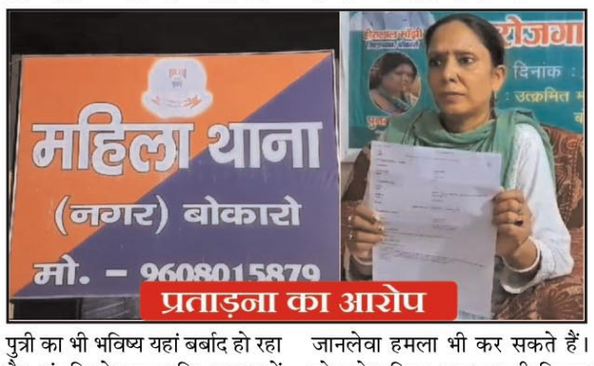

बोकारो, (हि.स.)। झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के छोटे भाई स्वर्गीय लालू सोरेन की बड़ी बहू अंजलि सोरेन ने पति नित्यानंद सोरेन, सास और दो देवर पर मानसिक प्रताड़ना और मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस मामले में अंजली सोरेन ने बोकारो महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। अंजलि सोरेन की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अंजली के पति को नोटिस भेजा है। सोमवार को इस बाबत अंजली सोरेन ने कहा कि पांच से छह महीना पूर्व सेक्टर 6 थाने में भी ऑनलाइन मामला दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस ने इस पर कुछ भी नहीं किया। पति मारपीट करते हैं। हालांकि अंजलि सोरेन ने राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन से किसी तरह का गिला शिकवा नहीं होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बड़े भाई और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा दो बच्चों की पढ़ाई लिखाई और परवरिश के लिए प्रत्येक महीने 10000 हजार खाते में भेजा जाता है लेकिन इस परिवार से मैं इतनी तंग आ चुकी हूं कि मेरा यहां दम घुट रहा है। मेरे पुत्र और पुत्री का भी भविष्य यहां बर्बाद हो रहा है। अंजलि ने बताया कि 2007 में नित्यानंद सोरेन से उसको प्यार हुआ और उनसे शादी कर ली। वह मूल रूप से रांची की रहने वाली है और उसका पुराना नाम अंजलि साहू है। ससुर लालू सोरेन के मरने के बाद यह प्रताड़ना काफी तेज हो गई। विगत दो वर्षों से वह अकेली रह रही है। पति से कोई संबंध नहीं है। अंजली ने बताया कि मैं अपने पति से अलग रहती हूं, उनसे मेरा कोई संबंध भी नहीं है। उसके बाद भी वे मेरे कमरे में आकर मारपीट व गाली देते हैं। अंजलि ने बताया कि मेरे ऊपर जानलेवा हमला भी कर सकते हैं। बोकारो महिला थाना प्रभारी शिल्पा कुजूर ने बताया कि अंजली सोरेन द्वारा एक आवेदन दिया गया है जिसमें उन्होंने अपनी पति और देवर पर मारपीट का आरोप लगाया है। आवेदन के आलोक में अंजली के पति को नोटिस भेजकर थाने बुलाया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि अंजली का यह कहना है उसका पारिवारिक संबंध सोरेन परिवार से है लेकिन इसका कोई साक्ष्य नहीं मिला है, जो आवेदन मिला है उसे लेकर कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पिता योगेंद्र साव के साथ विधायक अंबा ने प्राचीन शिव मंदिर में किया रुद्राभिषेक

-शिव के रंग में रंगी विधायक अंबा, बाबा धाम के बाद पहुंची प्राचीन शिव मंदिर

रामगढ़, (हि.स.)। सावन के महीने में शिव भक्तों का उत्साह चरम सीमा पर रहता है। बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद भी शिव के रंग में रंगी हुई नजर आ रही हैं। तीन दिन पहले 18 अगस्त को उन्होंने अपने पिता पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का जन्मदिन बाबा नगरी देवघर में मनाया। इसके बाद सोमवार को वह अपने पिता के साथ रामगढ़ के कैथा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में रुद्राभिषेक किया। इस दौरान विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि यह रुद्राभिषेक झारखंड वासियों के सुख समृद्धि की कामना से की गई है। इसी वजह से इस विराट रुद्राभिषेक में हजारों लोग शामिल हुए हैं।

प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ करते हैं सबकी कामनाएं पूरी - विधायक अंबा प्रसाद अपने पिता पूर्व मंत्री योगेंद्र साव समेत पूरे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों के साथ कैथा स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुंची। जनता के संग विद्वान साधु संतों की उपस्थिति में पूरे विधि विधान के साथ प्राचीन शिव मंदिर में का रुद्राभिषेक किया। राज्य वासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए भोलेनाथ से मंगल कामना की।

हाई कोर्ट ने आईएएस मंजूनाथ भजंत्री को पद से हटाने के मामले में चुनाव आयोग से मांगा जवाब

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में देवघर के उपायुक्त रहते मंजूनाथ भजंत्री को पद से हटाने के मामले में चुनाव आयोग को तीन सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 20 सितंबर निर्धारित की है। मंजूनाथ भजंत्री को पद से हटाने के मामले में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। ईसीआई की ओर से अधिवक्ता एके सिंह एवं शिवम कुमार ने पैरवी की। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता मनोज कुमार ने पक्ष रखा। डीसी देवघर मंजूनाथ ने याचिका में कहा है कि चुनाव आयोग ने उन्हें पद से हटाने का आदेश राज्य के मुख्य सचिव को भेजा है, जबकि किसी भी अधिकारी की पदस्थापन एवं तबादले का अधिकार राज्य सरकार के पास है। चुनाव आयोग को सरकार के अधिकारी को इस तरह के आदेश देने का अधिकार नहीं है। दरअसल, चुनाव आयोग ने छह दिसंबर, 2021 को झारखंड के मुख्य सचिव को एक पत्र लिखा था, जिसमें मंजूनाथ को पद से हटाने एवं उन्हें चुनावी कार्य में नहीं लगाने का आदेश किया था। मुख्य सचिव को मंजूनाथ के खिलाफ आरोप पत्र गठित करते हुए कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया था। साथ ही संसद के खिलाफ छह माह में विलंब से आदर्श आचार संहिता का मामला दर्ज करने पर जवाब मांगा था, संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को मंजूनाथ को डीसी के पद से हटाने का आदेश दिया था।

बिहार के जाति सर्वे आंकड़ों के प्रकाशन पर सुप्रीम कोर्ट में 28 अगस्त को सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के जाति सर्वे के आंकड़ों के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगाने की मांग पर सुनवाई टाल दी है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान बिहार सरकार की तरफ से कहा गया था कि जाति आधारित जनगणना पूरी कर कर ली गई है। आज केंद्र सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। 18 अगस्त को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ऐसा नहीं लगता है कि सर्वे से किसी की निजता का हनन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पहले याचिकाकर्ता इस बात पर दलील दें कि मामला सुनवाई योग्य है। याचिकाकताओं ने इस सर्वे का आंकड़ा सार्वजनिक करने पर रोक लगाने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा था कि हम अभी रोक नहीं लगाएंगे। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा था कि दो-तीन कानूनी पहलू हैं। हम नोटिस जारी करने से पहले दोनों पक्षों की दलील सुनेंगे, फिर निर्णय करेंगे। हालांकि कोर्ट ने कहा कि निजी आंकड़े कभी सार्वजनिक नहीं होते। आंकड़ों का विश्लेषण ही जारी किया जाता है। इस पर बिहार सरकार ने कहा था कि आंकड़े दो तरह के हैं। एक व्यक्तिगत आंकड़ा जो सार्वजनिक नहीं किया जा सकता क्योंकि निजता का सवाल है जबकि दूसरा आंकड़ों का विश्लेषण, जिसका एनालिसिस किया जा सकता है, जिससे बड़ी पिक्चर सामने आती है। पटना हाई कोर्ट ने 2 अगस्त को बिहार सरकार की ओर से जाति आधारित सर्वे कराने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। पटना हाई कोर्ट का आदेश आने के बाद बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर की है।

राजद के सत्ता में आने से अपराधियों का दुस्साहस चरम पर : सुशील मोदी

पटना, (हि.स.)। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के राजद से मिलाने के कारण राज्य में अपराधियों और माफिया तत्वों का दुस्साहस चरम पर है । यह सरकार गवाहों की भी रक्षा नहीं कर पा रही है। उन्होंने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि जो सरकार शराब-बालू माफिया की पोलिटिकल फंडिंग से चल रही हो, वह उन पर कार्रवाई कर भी नहीं सकती। सुशील मोदी ने कहा कि पिछले तीन दिनों के भीतर राज्य में रानीगंज (अररिया) के पत्रकार विमल यादव और बेगूसराय के रिटायर्ड टीचर जवाहर चौधरी सहित आधा दर्जन गवाहों की हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि पूर्णिया में जमीन के विवाद में गवाही देने जा रहे आदिवासियों के वाहन को टक्कर मारी गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई।गया में बालू माफिया के लोगों ने पुलिस पर हमला किया, जिससे एसएचओ सहित चार जवान जख्मी हुए। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण वाली सरकार में पशु तस्करों का मन इतना बढ़ गया है कि इन लोगों ने समस्तीपुर में दरोगा की गोली मार कर हत्या कर दी। पूर्वी चम्पारण में ठेकेदार को गोलियों से भून दिया गया। बिहार की कानून-व्यवस्था चौपट हो रही है, लेकिन सरकार के प्रवक्ता दुनिया भर के मनमाने आंकड़े पेश कर थथरोलॉजी कर रहे हैं।

राजद नेता अविनाश आनंद नई दिल्ली में राजीव गांधी समरसता अवार्ड से सम्मानित

अररिया (हि.स.)। नई दिल्ली में सदभावना दिवस के मौके पर समाजिक कार्यकर्त्ता व राजद नेता अविनाश आनन्द को राजीव गांधी समरसता अवार्ड से सम्मानित किया गया।नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं समरसता इंटरनेशनल कांग्रेस के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कला, संस्कृति, समाजसेवा व साहित्य के क्षेत्र में कार्य करने वाले पूरे देश से 51 लोगों को राजीव गाँधी समरसता अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर अपनी भूमिका निभाने वाले, प्राकृतिक आपदा में लोगों की मदद, जनजागरूकता के लिये कई अभियान और जनहित व स्वास्थ हित में कार्य करनेवाले समाजसेवी अविनाश आनन्द को उनके बेहतर समाजिक कार्यों के लिये इस सम्मान हेतु चयन समिति द्वारा चयन किया गया था। संचार क्रांति के द्योतक भारतरत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जन्म दिवस 20अगस्त को भारत -नेपाल मैत्री संघ व इंटरनेशनल समरसता कांग्रेस द्वारा नई दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट स्थित दी इण्डियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ भवन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राजीव गाँधी समरसता अवार्ड अविनाश आनन्द को नेपाल लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष दमन नाथ ढुगाना, उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच के संयोजक महावीर प्रसाद टोरडी व सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ए.पी.सिंह के हाथों शॉल, मेडल, प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल समरसता कांग्रेस व अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा आयोजित सम्मान समारोह और रात्रि भोज में 22 देश के प्रतिनिधि शामिल रहे। आनन्द ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कई देश में समाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच का कार्य सराहनीय है।

सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय व वसुधैव कुटुम्बकम की सिद्धांत पर समतमूलक समाज के निर्माण में हमसबों को आगे आना चाहिये तब ही हम राष्ट्रीय एकता के सपने को फलीभूत कर सकते हैं। सम्मान मिलने पर कई लोगों ने बधाई दी है।

संपादकीय

आठ फीसदी विकास दर

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अर्थशास्त्रियों का आकलन है कि मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी की विकास दर 8 फीसदी हो सकती है। यह वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के आंकड़ों से ही स्पष्ट है। हालांकि देश पर कुल कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है, क्योंकि राज्यों का यह बोझ 76 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। करीब 60 फीसदी कर्ज बढ़ा है। खुदरा महंगाई दर 8 फीसदी से कम दिखाई दे रही है, लेकिन सब्जियों, दालों, दूध, चावल, आटा आदि की कीमतें बढ़ने के कारण महंगाई का सूचकांक 38 फीसदी तक उछला था। अब तो प्रधानमंत्री मोदी ने भी चिंता और सरोकार जताए हैं और महंगाई को लगातार कम करने की कोशिशों के प्रति देश को आश्वस्त किया है। जब 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' जीडीपी और आर्थिक विकास दर के आंकड़े जारी करेगा, तब अर्थव्यवस्था के विकास का यथार्थ और भी स्पष्ट होगा, लेकिन जिस तरह कोर सेक्टर की गतिविधियां दिख रही हैं, उनकी मांग और खपत में बढ़ोतरी जारी है और खासकर बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में निवेश के संकेत मिल रहे हैं, उनसे साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर विश्व में सर्वाधिक हो सकती है। आरबीआई का अध्ययन स्पष्ट करता है कि भारत की आर्थिक गति स्थिर और निरंतर बनी रहेगी, जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति धीमी है। भारत की विकास दर अमरीका, चीन और यूरोपीय देशों से भी अधिक होगी। ये वाकई सुखद संकेत हैं, लेकिन देश में अमीर व्यक्ति ज्यादा अमीर हो रहा है, गरीब मध्य श्रेणी में परिणत हो रहा है, लेकिन गरीब की आय नहीं बढ़ पा रही है। क्या अर्थव्यवस्था का विकास दर अमीरों की आर्थिक बढ़ोतरी की ही संकेतक है? बेशक निर्यात का कारोबार जुलाई में करीब 16 फीसदी कम हुआ है और इस सिकुड़न के आसार लगातार बने रहे हैं, उसके बावजूद निजी मांग, निजी खपत और निजी निवेश में बढ़ोतरी जारी रही है। ये अर्थव्यवस्था के उत्साहवर्धक संकेत हैं, लेकिन बेरोजगारी लगातार बढ़ी है, तो मांग, खपत और निवेश के आंकड़े सवालिया लगते हैं। यदि निजी निवेश में भी उद्योगपति वर्ग शामिल है, तो यह विकास दर 'राष्ट्रीय' नहीं कही जा सकती। गिनवाया जा रहा है कि बंदरगाहों पर कार्गो और रेलवे मालभाड़ा आदि के आंकड़े जुलाई में बढ़े हैं। बेशक इस्पात, सीमेंट सरीखे कोर क्षेत्रों की खपत में स्वस्थ बढ़ोतरी दिखाई दे रही है, लेकिन ऑटोमोबाइल्स की बिक्री, तिपहिया के अपवाद के बावजूद, कमजोर रही है। गैर-तेल का आयात भी बीते साल की तुलना में कम किया गया है। ये संकेतक साफ करते हैं कि अर्थव्यवस्था में कमियां भी व्याप्त हैं। क्या इन कमजोरियों और आम आदमी की भूमिका के बिना विकास दर 8 फीसदी की बुलंदी को छू सकती है? भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय करीब 1.75 लाख रुपए सालाना है। यह भी देश की स्थिति है कि करोड़ों लोग आज भी 375 रुपए रोजाना कमाने में असमर्थ हैं, तो सकल विकास दर 8 फीसदी तक कैसे पहुंच सकती है? यह भी आरबीआई की रपट में सामने आया है कि मनरेगा के तहत काम की मांग पिछले साल की तुलना में ज्यादा सामने आई है, लिहाजा स्पष्ट है कि भारतीय आबादी में आज भी ऐसे लोग मौजूद हैं, जिनके पास मनरेगा सरीखा भी रोजगार नहीं है, लिहाजा वे मनरेगा में मजदूरी की मांग कर रहे हैं। बहरहाल एक तस्वीर यह भी है कि जिन 982 परियोजनाओं में निवेश की योजनाएं तैयार की गई थीं, उनमें करीब 60 फीसदी ऐसी हैं, जो बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों की हैं। इन परियोजनाओं को ज्यादातर बैंक और वित्तीय संस्थान ही पूंजी मुहैया कराते हैं। क्या इसी को निजी निवेश कहा जा रहा है? इस क्षेत्र में ऊर्जा, सड़कें, पुल, विशेष आर्थिक क्षेत्र, औद्योगिक बॉयोटेक और सूचना प्रौद्योगिकी पार्क आदि की परियोजनाएं ही आती हैं। उप्र, गुजरात, ओडिशा, महाराष्ट्र और कर्नाटक ऐसे पांच राज्य हैं, जहां 50 फीसदी से अधिक का निवेश किया जा रहा है। बहरहाल ये आर्थिक गतिविधियां और निवेश बेहतर संकेत हो सकते हैं, लेकिन मंजिल अभी दूर है।

> प्रधानमंत्री मोदी ने भी चिंता और सरोकार जताए हैं और महंगाई को लगातार कम करने की कोशिशों के प्रति देश को आश्वस्त किया है। जब 'राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय' जीडीपी और आर्थिक विकास दर के आंकड़े जारी करेगा, तब अर्थव्यवस्था के विकास का यथार्थ और भी स्पष्ट होगा, लेकिन जिस तरह कोर सेक्टर की गतिविधियां दिख रही हैं, उनकी मांग और खपत में बढ़ोतरी जारी है और खासकर बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में निवेश के संकेत मिल रहे हैं, उनसे साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर विश्व में सर्वाधिक हो सकती है। आरबीआई का अध्ययन स्पष्ट करता है कि भारत की आर्थिक गति स्थिर और निरंतर बनी रहेगी, जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति धीमी है। भारत की विकास दर अमरीका, चीन और यूरोपीय देशों से भी अधिक होगी। ये वाकई सुखद संकेत हैं, लेकिन देश में अमीर व्यक्ति ज्यादा अमीर हो रहा है, गरीब मध्य श्रेणी में परिणत हो रहा है, लेकिन गरीब की आय नहीं बढ़ पा रही है। क्या अर्थव्यवस्था की विकास दर अमीरों की आर्थिक बढ़ोतरी की ही संकेतक है? बेशक निर्यात का कारोबार जुलाई में करीब 16 फीसदी कम हुआ है और इस सिकुड़न के आसार लगातार बने रहे हैं, उसके बावजूद निजी मांग, निजी खपत और निजी निवेश में बढ़ोतरी जारी रही है।

भारत ने आर्थिक क्षेत्र के विभिन्न मोर्चों पर कदम-कदम आगे बढ़कर विकास के इतिहास रच दिए

अब विकसित देश बनाने का लक्ष्य

जयंतीलाल भंडारी

> आगामी 5 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। देश में पिछले पांच वर्षों में 13 .5 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली है। देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर है और कई देशों को खाद्यान्न का निर्यात भी कर रहा है। भारत के वैश्विक व्यापार में वृद्धि हो रही है। डिजिटलीकरण के लिए भारत का नाम दुनिया में रेखांकित हो रहा है। साथ ही भारत 2047 में विकसित देश बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यकीनन देश की अर्थव्यवस्था छलांगे लगाकर आगे बढ़ रही है। 15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ तब देश का आर्थिक परिदृश्य निराशाजनक स्थिति में था। अंग्रेजों द्वारा किए गए आर्थिक शोषण से देश बुरी तरह से आर्थिक रूप से ध्वस्त हो गया था।

15 अगस्त को 77वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जिन आर्थिक उपलब्धियों और देश के लिए जिन नए लक्ष्यों पर फोकस किया है, वे सभी देश ही दुनियाभर में रेखांकित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इस समय यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आगामी 5 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। देश में पिछले पांच वर्षों में 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली है। देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर है और कई देशों को खाद्यान्न का निर्यात भी कर रहा है। भारत के वैश्विक व्यापार में वृद्धि हो रही है। डिजिटलीकरण के लिए भारत का नाम दुनिया में रेखांकित हो रहा है। साथ ही भारत 2047 में विकसित देश बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यकीनन देश की अर्थव्यवस्था छलांगे लगाकर आगे बढ़ रही है। 15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ तब देश का आर्थिक परिदृश्य निराशाजनक स्थिति में था। अंग्रेजों द्वारा किए गए आर्थिक शोषण से देश बुरी तरह से आर्थिक रूप से ध्वस्त हो गया था। जहां 76 वर्ष पहले आजादी के समय दुनिया में भारत को सांप-सपेरों के देश की पिछड़ी हुई अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना जाता था, वहीं आजादी के बाद 76 वर्षों में भारत ने आर्थिक क्षेत्र के विभिन्न मोर्चों पर कदम-कदम आगे बढ़कर विकास के इतिहास रच दिए हैं। आज दुनिया के विकसित और विकासशील देशों का कोई भी समूह हो, चाहे वह समूह जी-7 हो, जी-20 हो या अन्य कोई भी हो, उन सभी वैश्विक संगठनों का मंच भारत के बिना अधूरा माना जाता है। साथ ही स्थिति यह भी है कि आजादी के समय जिस भारत की अर्थव्यवस्था दयनीय स्थिति में थी, वहीं भारत इस समय दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का मुकुट पहनकर अब 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। निःसंदेह देश में गरीबों की संख्या में भारी कमी आई है। जब देश आजाद हुआ था उस समय देश की करीब 70 प्रतिशत जनसंख्या बेहद गरीबी में जी रही थी। गौरतलब है कि नीति आयोग के द्वारा जारी राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बहुआयामी गरीब लोगों की हिस्सेदारी वर्ष 2015-16 के 24.85 फीसदी से घटकर वर्ष 2019-21 में 14.96 फीसदी हो गई है। उल्लेखनीय है कि यूएनडीपी की रिपोर्ट 2023 में कहा गया कि भारत में पिछले 15 वर्षों में गरीबी में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है। भारत में 2005-2006 से 2019-2021 के दौरान कुल 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर

निकले हैं। 2005-2006 में जहां गरीबों की आबादी 55.1 प्रतिशत थी वह 2019-2021 में घटकर 16.4 प्रतिशत हो गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2005-2006 में भारत में लगभग 64.5 करोड़ लोग गरीबी की सूची में शामिल थे, यह संख्या 2015-2016 में घटकर लगभग 37 करोड़ और 2019-2021 में कम होकर 23 करोड़ हो गई। ज्ञातव्य है कि आजादी के समय खाद्यान्न की कमी का सामना करने वाला भारत अब खाद्यान्न में न केवल आत्मनिर्भर भारत बन गया है, वरन कई देशों को खाद्यान्न निर्यात भी कर रहा है। देश में वर्ष 1950-51 में जो कृषि उत्पादन 5.08 करोड़ टन था, वह कृषि उत्पादन वर्ष 2022-23 में करीब 30.86 करोड़ टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर दिखाई दे रहा है। एक ऐसे समय में जब दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी बनी हुई है, तब भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। भारत दुनिया के 10 सबसे बड़े कृषि निर्यातक देशों में अपना स्थान बनाकर चमकते हुए दिखाई दे रहा है। जहां वर्ष 1947 में भारत के आम आदमी तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली से रियायती मूल्यों पर खाद्यान्न की आपूर्ति की कोई व्यवस्था नहीं थी, वहीं कोरोनाकाल में 80 करोड़ लोगों को डिजिटल राशन प्रणाली से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्यान्न निशुल्क दिया गया। साथ ही एक जनवरी 2023 से 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को हर महीने खाद्यान्न निशुल्क प्रदान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत वैश्विक व्यापार में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1950-51 में भारत ने 1.27 अरब डॉलर का आयात और 1.26 अरब डॉलर का निर्यात किया था। 1990-91 में आर्थिक सुधारों के बाद विदेश व्यापार तेजी से बढ़ा। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत का विदेश व्यापार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए 1.6 लाख करोड़ डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर रहा है। गौरतलब है कि भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो एक साल पहले 442 अरब डॉलर था। आजादी के समय 1947 में भारत में जो डिजिटलीकरण नगण्य था, आज भारत दुनिया में सबसे अधिक डिजिटलीकरण वाले देश के रूप में दिखाई दे रहा है तथा डिजिटलीकरण के कारण सरकार की योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ आम आदमी तक पहुंच रहा है। जिस तरह आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है, डिजिटल पेमेंट के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और भारत में अमेरिका, यूके और जर्मनी जैसे बड़े देशों को पीछे कर दिया है, ये सब सेवाएं भारत में डिजिटल गवर्नेंस के एक नए युग की प्रतीक हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 1947 में भारत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में दयनीय हालत में था। छोटी-छोटी जरूरत की चीजें भी देश में नहीं बनती थी। वर्ष 2023 में देश के जीडीपी में करीब 17 फीसदी योगदान देने वाला मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर करीब 2.73 करोड़ से अधिक श्रमबल के साथ अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माता है और तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। भारत का फार्मा उद्योग उत्पादित मात्रा के आधार पर दुनिया में तीसरे क्रम पर है। साथ ही भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य है। इलेक्ट्रानिक्स और रक्षा क्षेत्र में लगातार आयात पर निर्भर रहने वाला भारत अब बड़े पैमाने पर इनका निर्यात करने लगा है। देश में ऑटोमोबाइल, फार्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल सेक्टर जैसे मैन्युफैक्चरिंग के विभिन्न सेक्टरों में एफडीआई का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा है। कोरोना की चुनौतियों के बीच भारत के आईटी सेक्टर के द्वारा समय पर दी गई गुणवत्तापूर्ण सेवाओं से वैश्विक उद्योग-कारोबार इकाइयों का भारत की आईटी कंपनियों पर भरोसा बढ़ा है। आजादी से अब तक के 76 वर्षों में भारत में एक के बाद एक, लगातार आर्थिक सुधार लागू किए गए हैं। वर्ष 2014 से वर्ष 2023 तक 1500 से अधिक अप्रचलित और अनुपयोगी कानूनों को हटाया गया है। कारोबार सुधार के कई रणनीतिक कदम आगे बढ़ाए गए हैं। ऐसे में हम उम्मीद करें कि 77वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का जो सपना संजोया है, उसके लिए अब वर्ष 2047 तक 7 से 7.5 फीसदी विकास दर के साथ देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती हुई दिखाई देगी। ऐसे में हम उम्मीद करें कि तेजी से आर्थिक डगर पर आगे बढ़ता हुआ सामर्थ्यवान भारत 15 अगस्त 2047 को दुनिया के विकसित देश के रूप में चमकते हुए दिखाई दे सकेगा।

डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' कर रही आशंकित, सीमा की वास्तविकता के बारे में देश को अवगत कराए सरकार

> वास्तविकता यह है कि भारतीय बलों ने अपने गश्त वाले क्षेत्र खो दिए हैं, दूसरी ओर, चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक घुस आए हैं। देपसांग का मैदानी इलाका और डेमचोक जैसे विरासती मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' की रणनीति जहां आशंकित करती है, जिसके तहत छोटे-छोटे सैन्य ऑपरेशन चलाकर धीरे-धीरे किसी बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया जाता है, वहीं देपसांग रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चीनी सेना ने वहां स्थायी संरचनाएं बनाई हैं, जहां उनके सैनिक रहते हैं। बात सिर्फ इतनी नहीं है कि चीनी सेना ने भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया है, जैसा कि व्यापक रूप से भारतीय टिप्पणीकारों ने दावा किया है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ा नापाक मंसूबा भी दिखाई दे रहा है। इसलिए इन इलाकों को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है।

भारत और चीन के बीच सीमा मुद्दों के समाधान के लिए 19वें दौर की सैन्य वार्ता हुई। उनके पास वास्तव में समाधान के लिए कुछ भी नहीं था। नतीजतन 'एक-दूसरे के प्रति भरोसा जताने और सैन्य झड़पों से बचने' पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा इस वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। ध्यान देने की बात है कि पिछले कुछ दौर की सैन्य वार्ता में यही हो रहा है। वास्तविकता यह है कि भारतीय बलों ने अपने गश्त वाले क्षेत्र खो दिए हैं, दूसरी ओर, चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक घुस आए हैं। देपसांग का मैदानी इलाका और डेमचोक जैसे विरासती मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' की रणनीति जहां आशंकित करती है, जिसके तहत छोटे-छोटे सैन्य ऑपरेशन चलाकर धीरे-धीरे किसी बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया जाता है, वहीं देपसांग रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चीनी सेना ने वहां स्थायी संरचनाएं बनाई हैं, जहां उनके सैनिक रहते हैं। बात सिर्फ इतनी नहीं है कि चीनी सेना ने भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया है, जैसा कि व्यापक रूप से भारतीय टिप्पणीकारों ने दावा किया है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ा नापाक मंसूबा भी दिखाई दे रहा है। इसलिए इन इलाकों को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। देपसांग मैदान भारत की सबसे ऊंची हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) के करीब है। काराकोरम दर्रा डीबीओ के उत्तर पश्चिम में लगभग 17 से 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह क्षेत्र पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सटा हुआ है, और पीओके के उस हिस्से से सटा हुआ है, जिसमें शक्सगाम घाटी शामिल है, जिसे वर्ष 1963 में एक सीमा समझौते के जरिये पाकिस्तान ने गैरकानूनी तरीके से चीन को सौंप दिया था। पाकिस्तान और चीन के बीच मिलीभगत की शुरुआत दरअसल यहीं से हुई। वर्ष 1959 में जब चीनी नक्शों में पाकिस्तान के इलाकों को चीन में दिखाया गया, तब पाकिस्तान इस बात से चिंतित हो उठा था। वर्ष 1961 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस संबंध में चीन को एक औपचारिक पत्र भी लिखा, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया। फिर पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में चीन को सदस्य बनाए जाने के पक्ष में मतदान किया और बदले में चीन ने अपने विवादित नक्शे को जनवरी, 1962 में वापस लेने के साथ मार्च, 1962 में सीमा वार्ता में शामिल होने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच 13 अक्तूबर, 1962 से वार्ता शुरू हुई, जिसके फलस्वरूप दो मार्च, 1963 को दोनों देशों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जब यह सब हो रहा था, तब भारत चीन द्वारा भारतीय सीमा पर छेड़े गए युद्ध में उलझा हुआ था। तब समझौते के तहत पाकिस्तान ने करीब 5,300 किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंप दिया, जिस पर उसका कोई अधिकार नहीं था। ये भारतीय क्षेत्र थे। बदले में पाकिस्तान को वह क्षेत्र मिला, जिसे अब गिलगित-बाल्टिस्तान कहा जाता है। गिलगित-बाल्टिस्तान जम्मू और कश्मीर की पूर्व रियासत का एक हिस्सा है, जो 'भारत का अभिन्न अंग' है। इस प्रकार एक दोहरी साजिश रचकर उसे अंजाम दिया गया। द अमेरिकन टाइम ने 1963 में इस मुद्दे पर रिपोर्टिंग करते हुए स्पष्ट लिखा था कि कश्मीर मुद्दे के समाधान की पाकिस्तान की उम्मीद धूमिल हो गई है, क्योंकि पाकिस्तान-चीन समझौते के तहत उत्तरी कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान के नियंत्रण को चीन ने मंजूरी दे दी है। इस विस्तारवादी साजिश की असलियत तब सामने आई थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में 27 जुलाई, 1949 को भारत-पाक सैन्य कमांडरों द्वारा हस्ताक्षरित कराची फैसले से एक नापाक निष्कर्ष निकालते हुए सियाचिन ग्लेशियर के लिए विदेशी पर्वतारोहण अभियानों को मंजूरी दी। समझौते के अनुसार, इस संघर्ष विराम रेखा पर सबसे उत्तरी सीमांकित बिंदु एनजे 9842 है, जहां से इसे उत्तर की ओर ग्लेशियरों की ओर जाना था। पाकिस्तान ने अंतिम बिंदु के रूप में इसकी अविश्वसनीय ढंग से व्याख्या की, जहां से वह कथित तौर पर काराकोरम दर्रे में शामिल हो रहा था और इससे जुड़े सभी क्षेत्र को अपना बता रहा था। जब यह धोखाधड़ी सामने आई, तब इंदिरा गांधी की सरकार ने सैन्य अभियान चलाया और चीन-पाकिस्तान की साजिश को नाकाम कर दिया। लेकिन भारत एक विस्तारवादी शत्रु के खिलाफ अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकता है, जो देपसांग मैदानों से 30 किलोमीटर की दूरी पर दौलत बेग ओल्डी में भारतीय बेस पर नजर गड़ाए हुए है। यह एक रणनीतिक बढ़त है, जो उन्हें सीपीईसी के तहत बनाई जा रही सड़क तक पहुंच प्रदान करेगा, और जो पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए, मगर भारत के दावे वाले क्षेत्रों से होकर गुजरती है। यही मुख्य वजह है कि भारत चीन की 'वन बेल्ट वन रोड' योजना में शामिल नहीं हुआ।

देश दुनीया से

भारत फिर लौट रहा गठबंधन राजनीति की ओर, ये सकारात्मक सोच नहीं

> एक ओर विपक्ष द्वारा 26 दलों का गठबंधन (इंडिया) बनाने और प्रत्युत्तर में भाजपा द्वारा 38 दलों को साथ लेने के बाद दूसरा निष्कर्ष आ भी नहीं सकता। यहां दो प्रश्न उत्पन्न होते हैं। पहला, क्या वाकई वर्तमान राजनीति में गठबंधन फिर से अपरिहार्य हो गया है या इसके कारण दूसरे हैं? दूसरा, क्या वाकई देश का मानस गठबंधन सरकार स्वीकार करने का संकेत दे चुका है? पहले देश की राजनीति की कुछ सच्चाई। एक, 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अकेले लोकसभा में बहुमत हासिल किया, जिसकी संभावना बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषक भी नहीं व्यक्त कर रहे थे। दूसरे, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 303 का बहुमत मिलना इस बात का परिचायक था कि लोगों ने एक दल के बहुमत वाली सरकार की नीतियों के प्रति संतोष व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय राजनीति की वर्तमान गतिविधियों का पहला निष्कर्ष यही आता है कि भारत फिर से गठबंधन सरकारों और राजनीति के दौर में वापस लौट रहा है। एक ओर विपक्ष द्वारा 26 दलों का गठबंधन (इंडिया) बनाने और प्रत्युत्तर में भाजपा द्वारा 38 दलों को साथ लेने के बाद दूसरा निष्कर्ष आ भी नहीं सकता। यहां दो प्रश्न उत्पन्न होते हैं। पहला, क्या वाकई वर्तमान राजनीति में गठबंधन फिर से अपरिहार्य हो गया है या इसके कारण दूसरे हैं? दूसरा, क्या वाकई देश का मानस गठबंधन सरकार स्वीकार करने का संकेत दे चुका है? पहले देश की राजनीति की कुछ सच्चाई। एक, 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अकेले लोकसभा में बहुमत हासिल किया, जिसकी संभावना बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषक भी नहीं व्यक्त कर रहे थे। दूसरे, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 303 का बहुमत मिलना इस बात का परिचायक था कि लोगों ने एक दल के बहुमत वाली सरकार की नीतियों के प्रति संतोष व्यक्त किया है। तीसरे, वैसे तो कई राज्यों में कुछ दलों की अकेले बहुमत वाली सरकारें चलती रहीं, किंतु नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीति में आविर्भाव के साथ भाजपा को 2013 में तीन राज्यों में अपार बहुमत मिला। फिर 2017 में सबसे जबर्दस्त परिणाम उत्तर प्रदेश विधानसभा का आया और 2022 में भाजपा दोबारा सत्ता में लौटी। ये तीन पहलू और इस तरह की और भी घटनाएं बता रही हैं कि देश किसी एक दल के गैर-बहुमत वाली गठबंधन सरकार को स्वीकार करने की मानसिकता में नहीं था। देश का यह मानस अचानक नहीं बना। दरअसल, वर्ष 1989 से देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ था। 1990 व 2000 के दशक में राज्यों में कई सरकारों का समय पूर्व पतन हुआ। इससे राजनीति का पूरा परिदृश्य विकृत होता गया। चुनाव का चक्रीय क्रम अस्त-व्यस्त हो गया। केंद्र की 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार 11 महीने भी नहीं चली और उसके बाद चंद्रशेखर की सरकार तो चार महीने भी नहीं चल सकी। फिर प्रधानमंत्री नरसिंह राव को अपनी सरकार बचाने के लिए जो कुछ करना पड़ा, उसका परिणाम देश के समक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड के रूप में आया। संयुक्त मोर्चा की सरकार पहले एचडी देवेगौड़ा, फिर इंद्र कुमार गुजराल जैसे प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व में भी डेढ़ साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राजग की सरकार बनी, जो एक साल में ही गिर गई। इस बीच राज्यों में तो आया राम गया राम की ऐसी स्थिति पैदा हुई कि अनेक मामलों में न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा। 2010 के बाद से भारी मतदान की प्रवृतियां बढ़ीं और धीरे-धीरे राज्यों में पूर्ण बहुमत की सरकारें बनने लगीं। और अंततः 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मतदाताओं ने गठबंधन वाली सरकारों का दौर खत्म कर दिया। प्रश्न है कि आखिर केंद्र में लगातार दो बार बहुमत मिलने तथा देश की प्रवृतियां समझने के बावजूद भाजपा को गठबंधन की प्रतिस्पर्धा में शामिल होने की आवश्यकता क्यों हुई। महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना को पूर्ण बहुमत मिलने के बावजूद देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार बनाने से इन्कार करने के बाद स्थिति बदली और कांग्रेस एवं राकांपा की मदद से उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाया गया। वहीं बिहार में कम सीटें पाने के बावजूद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया गया। अंततः उन्होंने भी पाला बदल लिया। ऐसा लगता है कि इससे राज्यों को लेकर भाजपा का मानस बदला। साफ है कि गठबंधन की ओर फिर से लौटने के पीछे सकारात्मक सोच या कारण नहीं है। इसलिए इसे स्वाभाविक नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस यह मान चुकी है कि अब उसका प्रभावी राष्ट्रीय विस्तार संभव नहीं, इसलिए सत्ता पाने व भाजपा को हराने के लिए छोटे क्षेत्रीय दलों के साथ जाना जरूरी है।

कुछ अलग

प्रजा नहीं, नागरिक बनें

हिमाचल में हर नागरिक का प्रजा बनने से द्वंद्व बढ़ता जा रहा है, जबकि प्रदेश का गठन और फिर विस्तार इस आधार पर हुआ कि हम बतौर नागरिक अपने दायित्व की प्रमुख भूमिका में यहां के इतिहास, संस्कृति, सामाजिक उत्थान और विकास के समान हकदार बनें। आरंभिक दौर में सरकारों ने इसी मूल आधार पर कानून बनाए और पर्वतीय विशिष्टता में नागरिक आधार को स्वतंत्र किया। पंद्रह अप्रैल 1948 को तीस पहाड़ी रियासतों को समाहित करके हम हिमाचल इसलिए बने ताकि लोकतंत्र में न राजा संस्कृति रहे और न ही नागरिक का अस्तित्व प्रजा की प्रजाति में गुम रहे। नागरिक और प्रजा के बीच अंतर कर्मठता और दायित्व के प्रति जिम्मेदार समाज बनाने के लिए हर व्यक्ति को एक पहचान भर का है। प्रजा बनकर समाज नागरिक अवधारणा को भूल सकता है, लेकिन सदियां बदलने के लिए आत्मानुशासन, मनुष्यता का बोध, भविष्य की परिकल्पना में मानव उत्थान तथा सामुदायिक संवेग के लिए नागरिक समाज का गठन अनिवार्य है। हिमाचल में नागरिक खुद में मनुष्यता के अर्थ में शारीरिक, आर्थिक व आधुनिक सुविधाओं से जुड़ी आवश्यकताएं तो समझ रहा है, लेकिन बतौर नागरिक समाज पर्वतीय मूल्य प्रणाली का विकास नहीं कर रहा। यह राज्य के प्रभुत्व को सर्वाधिकार नहीं देता, बल्कि परिवार और राज्य के बीच मध्यस्थ होते हुए भी जनमत बनाता है। बेशक राजनीतिक शक्ति के रूप में हिमाचल में एक नागरिक समाज बनता हुआ दिखाई देता है, लेकिन यह नैतिक जिम्मेदारी से विमुख खड़ा होना भी चाहता है। कभी गांधी जी ने कहा था कि हमारे अधिकारों का सही स्रोत हमारे कत्र्तव्य होते हैं और यदि हम अपने कत्र्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करेंगे, तो हमें अधिकार मांगने की आवश्यकता नहीं होगी। गांधी जी का यह सिद्धांत सामाजिक आचरण की बुनियाद में ऐसा नागरिक समाज खड़ा करना चाहता है, जो राज्य के प्रति अपने कर्म को सदैव आगे रखे। हिमाचल में समाज अपनी ऐच्छिक सुविधाओं में एकल स्वरूप से बहुत कुछ पाना चाहता है, लेकिन सामूहिक गतिविधियों में एकमत या सहमत नहीं होना चाहता है। वह प्रजा बनकर हर चुनाव से ऐसी गारंटी, सुविधा या वादा चुनता है, जो अगले चुनाव तक उसे स्वतंत्र बनाए रखे। प्रजा बनकर वह हर तरह का विकास सरकारी खजाने से चाहता है, लेकिन एक नागरिक के रूप में कर अदा नहीं करना चाहता। प्रदेश की प्रजा ने गांव को कस्बा और कस्बे को शहर बना दिया, लेकिन बतौर नागरिक हिमाचल का हर शहरी मांग कर दिखेगा कि गृहकर न लगाया जाए। हम प्रजा के स्वरूप में अपनी जाति को इतना विस्तार दे सकते हैं कि चुनावी टिकट आबंटन की प्रक्रिया में उम्मीदवार की सबसे बड़ी योग्यता-उपयोगिता उसकी विशिष्ट जाति से आती है। इसलिए भाईचारे का दोगलापन अब ऐसी नियमावली का शिष्टाचार है, जो हमें घर में सभ्य-संपन्न बनाता है, लेकिन बाहर मोहल्ले या सार्वजनिक व्यवहार में अति दरिद्र घोषित करता है। यही वजह है कि सियासी चरित्र अब जनता के मुद्दों पर चर्चा न करके एक-दूसरे दल की छीछालेदर करता है या प्रजा के भिखारी स्वरूप को जिंदा रखने के लिए प्रलोभन बांटता है।

दृष्टिकोण

पहरेदारी से ज्यादा जरूरी है समाज का नज़रिया बदले

सुप्रीम कोर्ट ने एक गाइडलाइन जारी की, जिसमें ऐसे शब्दों को अदालतों की कार्यवाही में इस्तेमाल करने की मनाही की गई है, जिनके जरिए औरतों के प्रति अशिष्ट नजरिया बनता रहा है। सुप्रीम कोर्ट की इस पहल की जितनी भी सराहना की जाए वह कम है क्योंकि समाज में औरतों को लेकर बहुत जल्दी कोई भी धारणा बना ली जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस तरफ इशारा भी किया है, 'किसी औरत का लिबास ये नहीं बताता है कि वो किसी को शारीरिक संबंध बनाने के लिए इशारा कर रही है।' लेकिन सुप्रीम कोर्ट की इस पहल के बीच जो सवाल खड़ा हुआ है, वह यह है कि शब्दों पर पहरेदारी से क्या समाज के नजरिये में भी कोई बदलाव आएगा क्योंकि बात सिर्फ कानूनी शब्दावली तक सीमित नहीं है? अड़ोस-पड़ोस से लेकर सार्वजनिक और कार्यस्थल तक में महिलाओं के लिए बहुत कुछ सामान्य नहीं होता है। कार्यालयों में यौन उत्पीड़न की शिकायत सुनने के लिए गठित कमेटियों के समक्ष शिकायतों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। कुछ महीने पहले जिस एनजीओ के जरिए यह रिपोर्ट आई थी, उसका विश्लेषण 'नजरिये' की तरफ ही इंगित करता था। जैसे एक महिलाकर्मी को किसी पार्टी में उसके कुछ सहयोगियों ने पॉर्न मूवीज पर चर्चा करते हुए पाया तो कुछ सहयोगी अगली सुबह से ही उसके

मोबाइल पर पॉर्न वीडियो भेजने लगे थे। एक शिक्षिका की शिकायत थी, उसने एक दिन अपने सहयोगी से घर तक छोड़ देने की बात कही तो वह उसे लेकर पहले अपने घर पर चला गया। उस समय उसके घर में कोई भी नहीं था। सहकर्मी की घर छोड़ देने की बात में उसके कुछ 'ऑफर' नजर आ गया था। वर्ष 2020 में आरटीआई के जरिए यह जानकारी भी पब्लिक डॉमिन में आई थी कि देश की राजधानी दिल्ली में पिछले पांच सालों के दरम्यान दिल्ली पुलिस की 28 महिला पुलिसकर्मी अपने ही विभाग में यौन उत्पीड़न का शिकार हुईं। एक मोटीवैशनल वर्कशॉप में सुनाया गया किस्सा याद आ गया। एक शख्स ने तोता पाल रखा था। पड़ोस में रहने में एक शख्स से न जाने उसका क्या बैर था, जब भी वह उसके सामने पड़ता तो उसके लिए वह एक अपमानजनक शब्द बोल देता। पड़ोसी हैरान और परेशान रहा करता था। उसने एक रोज तोता के मालिक से शिकायत की कि तोता का आचरण ठीक नहीं है। उसकी भाषा पर अंकुश लगाओ। तोता मालिक को शिकायत जायज लगी। उसने तोता को समझाया कि किसी के प्रति अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल उचित नहीं है। तुम्हें यह आदत छोड़नी होगी। अगर नहीं छोड़ी तो तुम्हें दंडित करूंगा। तोता ने अपने मालिक से वादा किया कि पड़ोसी के प्रति अब वह दोबारा ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेगा। अगले रोज पड़ोसी जब फिर तोता के सामने से गुजरा तो तोता एक शब्द भी नहीं बोला। पड़ोसी को बड़ा ताज्जुब हुआ कि रातोंरात तोते के व्यवहार में कैसे इतना बड़ा बदलाव आ गया! उसने तोते की तरफ मुड़कर देखा। दोनों की नजरें चार हुईं, तोता बोला, 'समझ तो गए ही होंगे कि हम क्या कहना चाह रहे थे?' दरअसल यहां यह संदर्भ इसलिए कि तोता के शब्दों पर उसके मालिक ने पहरा तो बिठा दिया था लेकिन उसकी मानसिकता नहीं बदली थी। जरूरत पहरा बिठाने से कहीं ज्यादा मानसिकता बदलने की है। मानसिकता बदल जाए तो फिर शब्दों पर पहरा बिठाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। श्लोक है- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यानी जहां स्त्रियों का आदर होता है, वहां देवता रमण करते हैं।

पाकिस्तान के 21 चर्च में आग लगाने वाले 160 गिरफ्तार : पुलिस बोली- किसी को बख्शा नहीं जाएगा; कुरान का अपमान करने पर हिंसा हुई

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने चर्च में आग लगाने के मामले में 170 में से 160 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना कि घटना के लिए जिम्मेदार किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना के बाद से इलाके में 6500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पंजाब प्रांत के जरानवाला में 16 अगस्त को कट्टरपंथियों ने 21 चर्च आग के हवाले कर दिए। ईसाइयों के घरों में पहले लूटपाट की गई, इसके बाद उनमें भी आग लगा दी गई। कट्टरपंथी समूहों का आरोप है ये चर्च ईशनिंदा को बढ़ावा दे रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर ईशनिंदा से जुड़ा कंटेंट पोस्ट किया। इसमें कुरान के पन्नों का अपमान किया गया। इसके बाद जरानवाला इलाके में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू हो गई। मामले में पुलिस ने भड़काऊ पोस्ट करने वाले व्यक्ति को अरेस्ट कर लिया है। उसके खिलाफ आतंकवाद अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस मौजूद थी, लेकिन एक्शन नहीं लिया गया

रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार सुबह फैसलाबाद में अफवाह फैली कि यहां के चर्च में ईशनिंदा की गई है। ये भी कहा गया कि यह सिलसिला कई दिन से जारी है और इलाके में रहने वाले ईसाई इसे बढ़ावा दे रहे हैं। बातचीत में ईसाई समुदाय के नेता इमरान भाटी ने कहा- हमारे पांच चर्च निशाना बने हैं। इनमें तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी गई। यहां रहने वाले ईसाइयों के घर लूट लिए गए। इसके बाद वहां भी आग लगा दी गई। देखते ही देखते सैकड़ों कट्टरपंथी जरानवाला इलाके में मौजूद चर्च और ईसाई बस्ती में पहुंच गए। इन सभी के हाथों में धारदार हथियार, डंडे और पेट्रोल था। सबसे पहले ये लोग चर्च में घुसे। वहां तोड़फोड़ की। इसके बाद चर्च की छत पर पहुंचे और क्रॉस को गिरा दिया। थोड़ी देर बाद चर्च में पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। ये भीड़ इतने पर ही नहीं रुकी। उसने इलाके में रहने वाले ईसाई लोगों के घरों को निशाना बनाया। इनसे नाम पूछे गए और इसके बाद उन्हें सड़क पर पीटा गया। इन घटनाओं को पुलिस के सामने अंजाम दिया गया, लेकिन पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया।

केस दर्ज होने पर भी सवालिया निशान

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो वायरल होने के कई घंटे बाद भी पुलिस की तरफ से कोई एक्शन नहीं लिया गया। कोई जिम्मेदार अफसर भी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस अब तक यह बताने को भी तैयार नहीं है कि इस मामले में कोई केस दर्ज किया गया है या नहीं। हालांकि, बाद में पुलिस ने कहा कि इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान में हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी: पिछले साल 16 सितंबर को हुई थी महसा अमिनी की मौत, सरकार को फिर हिंसा का खतरा

तेहरान। ईरान में एक बार फिर हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी शुरू हो गई है। यहां 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों को नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा बताया गया है। पिछले साल महसा अमिनी नाम की एक स्टूडेंट की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई थी। उस पर हिजाब न पहनने का आरोप था। इसके बाद कई महीनों तक देश में जबरदस्त हिंसा और सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक- गिलान राज्य से सिर्फ एक हिस्से से 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी को नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा बताया गया है। खास बात ये है कि इस मामले में सरकार ने किसी भी गिरफ्तार शख्स का नाम उजागर नहीं किया है। इनकी फैमिलीज को भी यह पता नहीं है कि उनका फैमिली मेंबर्स कहां और किस हाल में हैं। एक पुलिस अफसर ने सिर्फ इतना कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों से प्रोपेगेंडा टूल्स और कुछ डॉक्यूमेंट्स बरामद किए गए हैं। इसके अलावा ये लोग ड्रेस कोड भी फॉलो नहीं कर रहे थे। गिलान प्रांत के तीन शहरों में पुलिस और मॉरल पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रही है।

अमेरिका में भारतीय परिवार के तीन लोगों की मौत: पुलिस को शक- युवक ने पत्नी और बेटे को मारने के बाद की आत्महत्या

वॉशिंगटन । अमेरिका के मैरीलैंड स्टेट में एक भारतीय परिवार के तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई। मरने वालों में पति-पत्नी और एक 6 साल का बेटा शामिल है। अमेरिकी पुलिस के मुताबिक मामला डबल मर्डर और सुसाइड का है। तीनों लोग मूल रूप से भारत के कर्नाटक राज्य के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक तीनों लोग शुक्रवार को बाल्टीमोर काउंटी में अपने घर में मृत पाए गए। मृतकों की पहचान 37 वर्षीय योगेश एच नागाराजप्पा, प्रतिभा वाई अमरनाथ (37) और यश होनाल (6) के रूप में हुई है। बाल्टीमोर काउंटी पुलिस के हवाले से लिखा कि शुरूआती जांच के मुताबिक यह मामला डबल मर्डर सुसाइड का लग रहा है। इस घटना को अंजाम देने का शक योगेश पर है। पुलिस के मुताबिक योगेश ने पहले पत्नी और बेटे को गाली मारी होगी इसके बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या की। तीनों लोगों को गोली मारने का निशान है। पुलिस के मुताबिक परिवार को आखिरी बार मंगलवार शाम को जिंदा देखा गया था। पुलिस ने बताया कि मौत की वजह और तरीके को जानने के लिए शवों का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। बाल्टीमोर काउंटी के एग्जीक्यूटिव ने अपने बयान में कहा कि इस घटना में मारे गए लोगों के लिए वह बेहद दुखी हैं। पुलिस ने कहा कि आसपास रहने वाले लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। खबर के मुताबिक योगेश की मां ने बताया कि उन्हें बाल्टीमोर पुलिस का फोन आया था पुलिस ने कहा कि तीनों की मौत आत्महत्या से हुई। वे मौत की वजह की जांच कर रहे हैं।

बर्नार्डो अरेवालो होंगे ग्वाटेमाला के अगले राष्ट्रपति, पूर्व प्रथम महिला को दी शिकस्त

ग्वाटेमाला । बर्नार्डो अरेवालो ने ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज की है। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति चुनाव के 95 प्रतिशत वोटों की गिनती हो चुकी थी, जिसमें से 59.1 प्रतिशत वोट बर्नार्डो अरेवालो को मिले हैं। बर्नार्डो अरेवालो ने पूर्व प्रथम महिला सांड्रा टोरेस को हराया, जिन्हें 36.1 प्रतिशत वोट मिले। प्रोग्रेसिव मुवीमेंटो सेमिला पार्टी के उम्मीदवार बर्नार्डो अरेवालो एक पूर्व डिप्लोमैट रहे हैं। ग्वाटेमाला के इलेक्टोरल ट्रिब्युनल के अध्यक्ष इरमा पालेंसिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि आज, लोगों की आवाज बोली और यह साफ हो गया है कि अरेवालो बड़े अंतर से चुनाव जीत रहे हैं। अपनी जीत पर बर्नार्डो अरेवालो ने खुशी जाहिर की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि लॉन्ग लिव ग्वाटेमाला (जुग जुग जिए ग्वाटेमाला) ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति एलेजांद्रो जियामातेई ने बर्नार्डो अलेवारो को जीत की बधाई दी। एक सोशल मीडिया पर पोस्ट पर कर एलेजांद्रो ने बताया कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दे दिया है। उल्लेखनीय है कि वोटों की गिनती के पहले राउंड में अरेवालो टोरेस से पीछे चल रहे थे लेकिन बाद में अलेवारो ने बढ़त बना ली।

किमजोंग की मौजूदगी में क्रूज मिसाइल का परीक्षण

ये परमाणु हमला करने में सक्षम; तानाशाह ने अमेरिका-साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास को हमले की तैयारी बताया

प्योंगयांग।

तानाशाह किम जोंग उन की मौजूदगी में नॉर्थ कोरिया ने क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है। इसकी जानकारी नॉर्थ कोरिया के स्टेट मीडिया ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक नेवी शिप से क्रूज मिसाइल को टेस्ट फायर किया गया। माना जा रहा है कि ये मिसाइल न्यूक्लियर वॉरहेड को ले जाने में सक्षम है। नॉर्थ कोरिया के क्रूज मिसाइल परीक्षण की जानकारी उस समय आई है, जब अमेरिका और साउथ कोरिया अपना सालाना युद्धाभ्यास कर रहे हैं। इस युद्धाभ्यास को नॉर्थ कोरिया हमले की तैयारी के तौर पर देख रहा है। इसके अलावा किम ने एक पेट्रोल शिप पर सवार होकर नौसेना के हथियारों और लड़ाई की तैयारियों का जायजा भी लिया।

कैंप डेविड में मिले अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया

3 दिन पहले ही अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया के नेताओं की कैंप डेविड समिट के दौरान मुलाकात हुई है। इस मुलाकात में तीनों देशों के बीच नॉर्थ कोरिया की ओर से लगातार बढ़ रहे मिसाइल और परमाणु खतरे को लेकर बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस पर आपसी सहयोग को लेकर सहमति बनी है। रिपोर्ट के मुताबिक ने मिसाइल ने अपने टारगेट को हिट किया। जो शिप की तैयारी और हमले की क्षमता को दिखाता है। एजेंसी की तरफ से जारी की गई फोटोज में किम को एक पेट्रोल शिप के ऊपर खड़े होकर मिसाइल टेस्ट को देखते हुए देखा जा सकता है।

नौसैनिकों को मानसिक रूप से मजबूत रहने को कहा

किम ने कहा कि वह नेवी के लिए पॉवरफुल वॉरशिप बनाने के साथ ही शिपबोर्ड और अंडरवाटर वेपन सिस्टम को मॉडर्न बनाने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाएंगे। किम ने नौसैनिकों को मानसिक और वैचारिक रूप से मजबूत रहने को कहा है। नॉर्थ कोरिया की तरफ से मिसाइल टेस्ट को लेकर जारी की गई रिपोर्ट पर साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि मिसाइल टेस्ट की रिपोर्ट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और फैक्ट की कमी है। उन्होंने आगे कहा कि साउथ कोरिया की सेना, नॉर्थ कोरिया की तरफ से किसी भी प्रकार की उकसावे की कार्रवाई से निपटने के लिए तैयारी को बरकरार रखेगी।

नॉर्थ कोरिया की क्रूज मिसाइल टेक्नोलॉजी पिछड़ी फिर भी खतरनाक

सियोल की ईवा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर लीइफ एरिक एसले के मुताबिक नार्थ कोरिया की क्रूज मिसाइल टेक्नोलॉजी में भले ही पीछे हो पर फिर भी ये एक खतरा साबित हो सकती है। हाल ही में किया गया परीक्षण, किम के शासन को किसी भी प्रकार का खतरा होने पर साउथ कोरिया पर अलग-अलग ओर से हमले के इरादों को दिखाता है। नार्थ कोरिया के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण पर यूएन ने प्रतिबंध लगा रखा है पर इसके क्रूज मिसाइल परीक्षण पर किसी तरह का बैन नहीं है। फिर भी इनसे खतरा बना हुआ है क्योंकि ये मिसाइल रडार से बचने के लिए कम ऊंचाई पर उड़ते है।

अमेरिका के खिलाफ इस्तेमाल हो सकती हैं क्रूज मिसाइलें

एक्सपर्ट्स के मुताबिक नॉर्थ कोरिया इन क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल किसी तनाव की स्थिति में अमेरिका के खिलाफ उसके वॉरशिप और एयरक्राफ्ट कैरियर को निशाना बनाने के लिए कर सकता है।

अमेरिका और साउथ कोरिया की 11 दिन तक चलने वाली एक्सरसाइज के जवाब में नॉर्थ कोरिया हथियारों का परीक्षण शुरू कर सकता है। नॉर्थ कोरिया ने पिछले सालों में अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच हुई मिलिट्री ड्रिल्स की लगातार निंदा की है। उसने इन्हें हमले के अभ्यास के रूप में बताकर इनका जवाब मिसाइल टेस्ट से दिया है।

साउथ चाइना सी में जॉइंट मिलिट्री ड्रिल करेगा अमेरिका

इस इलाके पर चीन का दावा; सबसे बड़ा युद्धपोत भेजेगा जापान

बीजिंग।

अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने साउथ चाइना सी में जॉइंट मिलिट्री ड्रिल करने की घोषणा की है। ये वो इलाका है जिसे चीन अपना हिस्सा बताता है और दूसरे देश के जहाजों को आने से रोकता है। 5 अगस्त को चीन ने इस इलाके से गुजर रहे फिलिपींस के जहाज पर वॉटर कैनन से वार कर दिया था। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मिलिट्री ड्रिल की जानकारी फिलिपींस के सिक्योरिटी ऑफिशियल्स ने ही दी है। फिलिपींस ने बताया है कि इसमें 3 एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर शामिल होंगे। इनके कमांडर जल्द मनिला में बैठक के लिए मिलेंगे।

साउथ चाइना सी में अमेरिका का दावा नहीं

साउथ चाइना सी के किसी भी इलाके पर अमेरिका का कोई दावा नहीं है। इसके बावजूद अमेरिका इस इलाके में ड्रिल करता रहा है। अमेरिका का कहना है कि वो ऐसा कर दूसरे देशों खासकर जापान और फिलिपींस की मदद कर रहा है। जॉइंट मिलिट्री ड्रिल में अमेरिका की तरफ से एयरक्राफ्ट कैरियर स्स अमेरिका तैनात किया जाएगा। जापान अपने सबसे बड़े युद्धपोतों में से एक छ्स्इजुमो तैनात करेगा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कैनबेरा को तैनात किया जाएगा। ड्रिल की तैयारी 2 महीने पहले ही कर ली गई थी। साउथ चाइना सी के कई इलाकों पर दावे के बावजूद फिलिपींस इस मिलिट्री ड्रिल में शामिल नहीं हो रहा है। 5 अगस्त को फिलीपींस की जहाज पर चीन के वॉटर कैनन से किए हमले की अमेरिका ने आलोचना की थी। अमेरिका ने कहा था कि चीन की तरफ से लगातार की जा रही ऐसी हरकतों से इलाके की सिक्योरिटी को खतरा है। अगर फिलीपींस के जहाजों, एयरक्राफ्ट या आर्म्ड फोर्सेस पर कोई हमला हुआ तो अमेरिका 1951 में हुई फिलीपींस डिफेंस ट्रीटी को लागू कर देगा।

कभी अफगान सैनिक थे, आज खदानों में मजदूर

इनमें हादसों का खतरा पर तालिबान से जान बची; रोटी के लिए जान जोखिम में डाल रहे

काबुल।

अफगानिस्तान में जो लोग कभी देश के लिए सैनिक थे, तालिबान के कब्जे के बाद अब वे पेट पालने के लिए खदानों में काम कर रहे हैं। उन्हें न तो खदानों में काम करने का अनुभव है, न सुरक्षा उपकरण खरीदने के लिए पैसा, लेकिन खुद के और परिवार के लिए रोटी के बदले अंधेरी गुफा सरीखी खदानों में गैंती-फावड़े लेकर जूझ रहे हैं। नूरिस्तान प्रांत में तालिबान के कब्जे के बाद अपनी नौकरी खोने वाले अब्दुल कादर आबिद (30) भी ऐसे ही पूर्व सैनिकों में शामिल हैं। वह अपने अनेक पूर्व सैनिक साथियों के साथ नूरिस्तान की राजधानी पारुन से कुछ किलोमीटर दूर पेड़ों से घिरी घाटी में बतौर खदान कारीगर काम कर रहे हैं।

पारुन की घाटी में हैं बेशकीमती पत्थर

यहां सुरंग के प्रवेश द्वार के एक तरफ आबिद को आश्रय दिया गया है। यहां अंधेरे में विस्फोट के बीच छर्रे उछलते हैं। धूल-धुआं उड़ता है। आबिद कहते हैं, ये चमकीले पत्थर- माणिक, नीलम, टूमलाइन, लापीस लाजुली और पुखराज हैं। ये बेशकीमती हैं, जिनकी दुनिया में बहुत मांग है। हमें ज्यादा कुछ नहीं मिलता, सुरक्षा उपकरण नहीं होने से हादसों का खतरा भी रहता है, लेकिन कम से कम तालिबान से तो सुरक्षित हैं। तालिबान के कब्जे के बाद हमारी नौकरी रातोंरात चली गई थी। फिर 2022 की शुरुआत में मैंने और मेरे साथियों ने खदान के लिए जमीन का एक टुकड़ा पट्टे पर लिया था। छह महीने से यहां काम कर रहे हैं। हम टैक्स भी देते हैं। पहले देश के लिए काम करते थे, अब दुनिया के लिए माणिक-हीरा निकालते हैं। दसवीं शताब्दी तक उत्तरी, पूर्वी अफगानिस्तान की रत्न खदानें अपने रत्नों के लिए काफी प्रसिद्ध थीं।

सत्ता में आए तो लगाएंगे टैक्स: ट्रंप की भारत को धमकी, यूएस में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारी पेश करते ही कहा ये

वॉशिंगटन ।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ अमेरिकी उत्पादों पर भारत द्वारा उच्च कर (टैक्स) का मुद्दा उठाया है। उन्होंने अगले साल सत्ता में वापस आने पर भारत को कर लगाने की धमकी दी है। गौरतलब है, अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने भारत को टैरिफ किंग बताया था। साल 2019 की मई में भारत की सामान्यीकृत प्राथमिकता प्रणाली (जीएसपी) को यह कहते हुए समाप्त कर दिया गया था कि भारत ने संयुक्त राज्य मेरिका को अपने बाजारों तक न्यायसंगत और उचित पहुंच नहीं दी।

भारत लगाता है बहुत ज्यादा कर

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत में कर दरों में भारी कटौती की है, जबकि भारत यहां काफी ज्यादा कर लगाता है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि एक समान कर लगे। भारत कर के मामले में बहुत आगे है। इसका हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर लगने वाले कर को देखने से साफ पता चलता है। उन्होंने आगे कहा कि मैं बस यह पूछना चाहता हूं कि भारत जैसी जगह पर कैसे यह किया जा सकता है उन्होंने कहा कि ओहहह.. अच्छा सर। क्यों इसलिए क्योंकि भारत के पास 100 प्रतिशत और 150 प्रतिशत और 200 प्रतिशत टैरिफ है।

वह बिना किसी टैरिफ के बेच...

उन्होंने कहा जैसा मैंने कहा, ताकि वे अपनी भारतीय मोटरसाइकिल बेच सकें। वे एक भारतीय बाइक बनाते हैं, जिसे हमारे देश में बिना किसी कर, बिना टैरिफ के बेच सकते हैं, लेकिन जब आप हार्ले बनाते हैं और आप इसे वहां भेजते हैं तो उच्च कर लगाया जाता है, क्योंकि वे कोई व्यवसाय नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि आप भारत के साथ व्यापार कैसे नहीं करते

भारत बहुत बड़ा

उन्होंने कहा कि टैरिफ इतना अधिक है कि कोई भी इसे नहीं चाहता। लेकिन वे चाहते हैं कि हम ऐसा करें। वे चाहते हैं कि हम वहां जाएं और एक संयंत्र बनाएं और फिर आपके पास कोई टैरिफ नहीं है। ट्रंप ने आगे कहा कि उनका कहना था कि यह अच्छा नहीं है। यह हमारा सौदा नहीं है। इस पर मैंने कहा ठीक है यह हमारा सौदा नहीं है। इसके बाद मैंने उन पर बहुत सख्ती की, लेकिन भारत बहुत बड़ा है। ब्राजील टैरिफ के मामले में बहुत बड़ा है, मेरा मतलब है, बहुत, बहुत बड़ा। हमारे पास कुछ लोग थे, जैसे पेनसिल्वेनिया नामक जगह का सीनेटर, जो मुझे बहुत पसंद है। लेकिन यह आदमी बहुत ही खतरनाक था।

ट्रंप ने पूछे सवाल

उन्होंने बताया कि मैंने कहा मैं आपसे एक प्रश्न पूछता हूं। यदि भारत हमसे 200 प्रतिशत शुल्क ले रहा है और हम उनसे उत्पादों के लिए कुछ भी शुल्क नहीं ले रहे हैं, तो क्या हम उनसे 100 प्रतिशत शुल्क ले सकते हैं इस पर उसने कहा, नहीं सर, यह मुक्त व्यापार नहीं है। ट्रंप ने कहा कि मैंने आगे पूछा कि क्या हम उनसे 50 प्रतिशत शुल्क ले सकते हैं इस पर भी कहा गया नहीं साहब। फिर मैंने कहा पच्चीस, 10 या कुछ भी इस पर भी एक ही जवाब मिला, नहीं।

पाकिस्तान में अजीब संवैधानिक संकट

प्रेसिडेंट अल्वी बोले- मैंने 2 बिल पर सिग्नेचर ही नहीं किए, स्टाफ ने धोखाधड़ी की; अब क्या होगा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में प्रेसिडेंट आरिफ अल्वी के एक ट्वीट से अजीब तरह का संवैधानिक संकट खड़ा हो गया है और यह इस मुल्क के इतिहास में पहली बार हुआ। अल्वी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मैंने ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट और आर्मी अमेंडमेंट बिल को मंजूरी नहीं दी है। मेरे स्टाफ ने मेरे साथ धोखाधड़ी की है। इमरान खान के करीबी दोस्त अल्वी की पोस्ट से सियाली बवाल मच गया। इससे कई सियासी और संवैधानिक सवाल भी पैदा हो गए। मसलन, अब इन दो बिलों का क्या होगा क्या प्रेसिडेंट हाउस का स्टाफ उनका हुक्म टाल सकता है क्या प्रेसिडेंट झूठ बोल रहे हैं इस हरकत का फायदा किसको होगा और सबसे बड़ी बात- क्या अल्वी ने यह चाल इमरान को बचाने के लिए चली है चलिए इन सवालों के सिलसिलेवार जवाब तलाशते हैं।

सबसे पहले मामले पर नजर

पाकिस्तान की संसद के निचले सदन (नेशनल असेंबली) ने इस महीने की शुरुआत में ये दोनों बिल पास किए। बाद में इन्हें ऊपरी सदन यानी सीनेट के पास भेजा गया। वहां कुछ सवाल उठे और बदलाव को कहा गया। स्पीकर ने दोनों बिल स्टैंडिंग कमेटी के पास भेज दिए। बदलाव के बाद बिल पास हो गए। 8 अगस्त को इन्हें प्रेसिडेंट आरिफ अल्वी के पास भेजा गया। कानूनी तौर पर प्रेसिडेंट किसी भी बिल को 10 दिन ही अपने पास रख सकता है। इन दौरान या तो वो बिल संसद को वापस भेज सकता है या फिर उन्हें मंजूर कर सकता है। वो कुछ बदलाव के सुझाव भी दे सकता है। अब यहां दो बातें समझनी होंगी। पहली- संसद चाहे तो प्रेसिडेंट के सुझाव मंजूर कर सकती है और चाहे तो ठुकरा भी सकती है। दूसरी- अगर प्रेसिडेंट 10 दिन में बिल वापस नहीं करता तो यह ऑटोमैटिकली लॉ यानी कानून बन जाते हैं। हालांकि, कुछ लोग ये भी कह रहे हैं कि यह कानून अब रद्द हो जाएगा। इसकी कोई कानूनी या संवैधानिक हैसियत नहीं होगी। केयरटेकर सरकार की लॉ मिनिस्ट्री इस विवाद पर बयान जारी किया। कहा- प्रेसिडेंट ने 19 अगस्त को दोनों बिल मंजूर किए। दिनभर मीडिया पर चर्चा हुई। 28 घंटे बाद वो दस्तखत करने से इनकार कर रहे हैं। इन हालात के लिए वो खुद जिम्मेदार हैं।

तो दिक्कत कहां हुई

प्रेसिडेंट अल्वी के पास बिल 8 अगस्त को गया। उन्हें 18 अगस्त तक या तो बिल को मंजूरी देनी थी, या फिर इसे वापस करना था। उन्होंने दोनों ही काम नहीं किए और अब ठीकरा स्टाफ के सिर फोड़ दिया। अल्वी कह रहे हैं कि उन्होंने स्टाफ से बिल वापस करने को कहा था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। दूसरी बात, वो ये शक भी जता रहे हैं कि गुरुवार को जो मीडिया में इन बिलों को मंजूरी दिए जाने की खबर आई थी, वो फर्जी थी। हो सकता है उनके जाली सिग्नेचर किए गए हों। उन्होंने इसके लिए ईश्वर से माफी भी मांगी है। सवाल ये उठ रहा है कि क्या वाकई प्रेसिडेंट ने स्टाफ से बिल वापस भेजने को कहा था अगर ये सही है तो फिर स्टाफ ने उनकी बात क्यों नहीं मानी। एक बात ये भी है कि क्या स्टाफ ने प्रेसिडेंट के जाली दस्तखत किए क्योंकि, पूरे मीडिया में यह खबर चली कि प्रेसिडेंट अल्वी ने दोनों बिल मंजूर कर लिए हैं। इसके लिए कई लोगों ने उनका शुक्रिया भी अदा किया। मजे की बात ये है कि पिछले साल अप्रैल में शाहबाज शरीफ के सत्ता में आने के बाद अल्वी ने 13 बिल पहले भी लौटाए थे। वो तय वक्त पर संसद के पास पहुंचे तो इस बार ऐसा क्यों नहीं हुआ ये स्टाफ की साजिश है या फिर प्रेसिडेंट अल्वी खुद झूठ बोल रहे हैं इसे आसान भाषा में समझें। अल्वी ने न तो बिल मंजूरी किए और न ही ये संसद को वापस भेजे। लिहाजा, कानूनी तौर पर तो ये दोनों ही बिल कानून बन चुके हैं। दूसरी बात- इस बात संसद भंग है और मुल्क में केयरटेकर गवर्नमेंट है।

सीपीए का मुख्य उद्देश्य प्रजातंत्र को सुदृढ़ बनाना : डॉ. सीपी जोशी

उदयपुर (हिंस)। झीलों के शहर उदयपुर में सोमवार से शुरू हुए राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के 9वें भारत क्षेत्र सम्मेलन में मेजबान राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि सीपीए का मुख्य उद्देश्य प्रजातंत्र को सुदृढ़ बनाना है। इसके माध्यम से संसद प्रमुख तथा विभिन्न राज्यों की विधायिका के प्रमुख, जनप्रतिनिधिगण आदि मिलकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए मंथन करते हैं। आम (कॉमन) नीति बनाकर उस पर अमल करते हैं, इससे लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलती है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया, भैरोंसिंह शेखावत आदि ने पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी के लिए जो कार्य किए हैं, वे अनुकरणीय हैं। इस कांफ्रेंस के लिए उदयपुर का चयन होना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र के माध्यम से हमने देश को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सदन पूरा चले और सदन प्रभावशाली होगा तो नीतियां बनेगी और राष्ट्रहित में उपयोगी साबित होगी। सदन पूरा नहीं चलता तो इससे देश और लोकतंत्र दोनों को नुकसान होता है। सीपीए के माध्यम से उन नीतियों पर मंथन होगा कि सदन को कैसे सुगमतापूर्वक चलाया जाए, ताकि आमजन के हितों के मुताबिक नीति-नियमों का निर्धारित किया जा सके। उद्घाटन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि आज के युग में टेक्नोलॉजी का रोल बड़ा है। आज की दुनिया तकनीक से संचालित है। भारत के पास तेज गति से बढ़ने का अवसर है। तकनीक से ट्रांसपरेंट प्रशासन बना है और भ्रष्टाचार कम हुआ है। आज देश में रेवेन्यू रिकॉर्ड ऑनलाइन हो रहे हैं। आईटीआर रिटर्न में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में जी-20 सम्मेलन में भी डिजिटल इकोनोमी पर चर्चा हुई है। हम सभी को चाहिए कि एक दूसरे के प्रयोगों से सीखें। हम सभी को एक दूसरे की क्षमता संवर्धन में कार्य करना है। सीपीए मुख्यालय के चेयरपर्सन इयान लिडेल ग्रेंजर ने कहा कि राजस्थान की धरती पर आना एक अच्छा अवसर है। हम सभी एक परिवार हैं। सीपीए सम्मेलन के दौरान हम सभी को एक दूसरे के विचारों को साझा करते हुए सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज विश्व के सामने आतंकवाद, सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां विद्यमान है। उन्होंने कहा कि उन्हें यहां का आथित्य सत्कार बहुत पसंद आया। विचारों को साझा करना निरंतर जरूरी है, यही आपकी सफलताएं तय करता है और इसी से समस्याओं का समाधान मिलता है। समारोह को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान विविधता में एकता का संदेश देता है। देश का लोकतंत्र गत वर्षा में मजबूत हुआ है। देश की भलाई के लिए राज्यों के मध्य समन्वय जरूरी है। सीपीए राजस्थान के सचिव संयम लोढ़ा ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया और राजस्थान चैप्टर के द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा सहित देश की विभिन्न विधानसभाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, विधान परिषदों के सभापति, उपसभापति, सचिव, राजस्थान सरकार के मंत्रीगण और विधायकों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, जनप्रतिनिधियों को अधिक उत्तरदायी बनाने, डिजिटल सशक्तीकरण से गुड गवर्नेंस जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मंथन हो रहा है। समारोह में अतिथियों ने राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा आयोजित किए गए विविध कार्यक्रमों और कार्यशालाओं पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के कार्यक्रमों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया।

पंजाब पुलिस ने 20 दिन में 142 किलो हेरोइन की बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस बार्डर सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर राज्य में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। सोमवार को भी नशा तस्करी के आरोप में दो पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार कर तस्करों को बड़ा झटका दिया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से हेरोइन के 26 पैकेट बरामद किए, जिनका वजन 29.2 किलोग्राम है। पुलिस पिछले 20 दिन में 142 किलो हेरोइन बरामद कर चुकी है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को यहां पत्रकारों को बताया कि पंजाब पुलिस ने कई बार बीएसएफ के साथ मिलकर नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ संयुक्त आप्रेशन चलाया है। डीजीपी यादव ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए काउन्टर इंटेलिजेंस (सीआई) लुधियाना और सीआई फिरोजपुर ने बीएसएफ के साथ मिलकर फिरोजपुर के गांव गजनी वाला के क्षेत्र में सोमवार सुबह एक साझा आपरेशन चलाया। यहां सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद दो पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। डीजीपी यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मुहम्मद अजमल रियान निवासी गांव कंगणपुर जिला कसूर, पंजाब, पाकिस्तान और सिवना निवासी गांव अलीपुर, जिला कसूर, पंजाब, पाकिस्तान के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के साथ हुई गोलीबारी में एक पाकिस्तानी नागरिक के दाहिनी बाजू में गोली लगी है। उसे इलाज के लिए ममदोट बीएसएफ अस्पताल लाया गया। एआईजी सीआई लुधियाना सिमरतपाल सिंह ढींडसा ने बताया कि भरोसेमंद सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों पाकिस्तान के नागरिकों के कब्जे में से 29.2 किलो हेरोइन बरामद की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अन्य गिरफ्तारियां होने की उम्मीद जताई है। पिछले 20 दिन में हेरोइन की आठ बड़ी खेपों की बरामदगी हुई है। पंजाब पुलिस पिछले 20 दिन में 142 किलो हेरोइन बरामद कर चुकी है। स्पेशल डीजीपी अंदरूनी सुरक्षा आरएन ढोके ने बताया कि अंदरूनी सुरक्षा विंग ने 1 जनवरी से अब तक 193 किलोग्राम हेरोइन बरामद कर चुकी है।

खेडां वतन पंजाब दीयां सीजन-टू की मशाल मार्च आज से होगा शुरू

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब को खेलों में देश का अग्रणी राज्य बनाने और खेल सभ्याचार पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों पर शुरू की गई *खेडां वतन पंजाब दीयां* के पहले साल की सफलता के बाद इस साल सीजन-2 से शुरुआत से पहले खेलों के बारे जागरूकता पैदा करने के लिए पहली बार मशाल मार्च शुरू करने का फैसला किया है। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि खेल की रिवायत के मुताबिक इस बार *खेडां वतन पंजाब दीयां* के सीजन-2 के उद्घाटन समारोह के मौके पर जलायी जाने वाली मशाल को एक हफ्ता तक पूरे पंजाब के हर जिला हेडक्वार्टर ले जाया जाएगा, जिसकी शुरुआत मंगलवार 22 अगस्त को लुधियाना से होगी। उन्होंने बताया कि पिछले साल *खेडां वतन पंजाब दीयां* के पहले सीजन की लुधियाना में समाप्ति हुई थी, जिस कारण मशाल मार्च का दूसरा सीजन से पहले मशाल लुधियाना से ही शुरू की जाएगी और यह मशाल पूरे पंजाब में मार्च करने के बाद बठिंडा में 29 अगस्त को पहुंचेगी, जहां खेल के दूसरे सीजन का उद्घाटन होगा। हर जिला हेडक्वाटर पर मशाल मार्च में स्थानीय प्रसिद्ध खिलाफी, खेल विभाग के कर्मचारी, स्थानीय नुमायंदे और जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे। मशाल मार्च का विवरण बताते हुए खेल मंत्री ने बताया कि मसाल 22 अगस्त को लुधियाना से मोगा जाएगी।

हरियाणा में चल रही है झूठ, फूट और लूट की सरकार : हुड्डा

रोहतक (हिंस)। हरियाणा में चल रही बीजेपी-जेजेपी की झूठ, फूट और लूट वाली सरकार को जनता सत्ता से बेदखल करने का मन बना चुकी है। प्रदेश में इस बार कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी, जो कि गठबंधन की जनविरोधी नीतियों का खात्मा करेगी। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा सोमवार को रोहतक में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिसार में हुए कांग्रेस के नौवें *विपक्ष आपके समक्ष* कार्यक्रम ने भीषण गर्मी और उमस भरे मौसम के बावजूद भीड़ के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। लोगों के जन सैलाब, जज्बे और जोश ने *विपक्ष आपके समक्ष* कार्यक्रम को *विकल्प आपके समक्ष* में तबदील कर दिया। हुड्डा ने कार्यक्रम में पहुंची जनता का धन्यवाद किया और इस सफल आयोजन के लिए बारंबार बधाई दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बुजुर्गों को छह हजार पेंशन, कर्मचारियों को ओपीएस, तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली, सौ-सौ गज के प्लाट

बांटने और ओबीसी क्रीमी लेयर लिमिट को दस लाख करने के साथ शिल्पकारों के लिए *विश्वकर्मा कारीगर योजना* का भी एलान किया गया है। इसके तहत केश कला और माटी कला बोर्ड की तर्ज पर बीसी (ए) समाज के शिल्पकारों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। हाथ के कारीगरों द्वारा लिए गए ऋण पर पांच प्रतिशत ब्याज से ज्यादा नहीं लिया जाएगा। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आगे बताया कि अब वह प्रदेश अध्यक्ष चैधरी उदयभान के साथ हरियाणा में जिला स्तरीय और उसके बाद 90 विधानसभा स्तरीय कार्यक्रम करेंगे। इसके अलावा सभी जिलों में *जन मिलन* कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहेगा। अगला कार्यक्रम 11 सितंबर को करनाल में होने जा रहा है। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के कार्यक्रमों में लोगों की हाजरी प्रदेश में बदलाव के साफ संकेत दे रही है। जनता कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बन चुकी है। हुड्डा ने कहा कि रोहतक समेत पूरे हरियाणा में सड़कों की हालत खस्ताहाल है। सीवरेज व्यवस्था ठप पड़ी है। यहां तक कि पीने के लिए लोगों को स्वच्छ पानी भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। लद्दाख-लेह में एक सैन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते 9 जवानों की शहादत पर हुड्डा ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

राजस्थान में 350 कार्मिक अब बनेंगे डाटा एंट्री असिस्टेंट

जयपुर (हिंस)। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत 350 कंप्यूटर ऑपरेटर मय मशीन को राजस्थान कांट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स-2022 के तहत लाया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। अब इन कार्मिकों का पदनाम डाटा एंट्री सहायक होगा। नियमानुसार सेवा अवधि पूर्ण करने पर इन्हें उच्चतर पारिश्रमिक एवं पदनाम दिया जाना भी प्रस्तावित है। गहलोत की स्वीकृति के अनुसार डाटा एंट्री असिस्टेंट का मासिक पारिश्रमिक 10 हजार 400 रुपए निर्धारित होगा। साथ ही, वर्तमान में इससे अधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले कार्मिकों के पारिश्रमिक को संरक्षित रखा जाएगा।

दलित छात्र के शिक्षक का पानी पी लेने पर जातीय उत्पीड़न

हिसार (हिंस)। उकलाना मंडी के सरकारी स्कूल में एक शिक्षक ने अपनी बोतल से पानी पी लेने पर दलित समाज के छात्र का जातीय उत्पीड़न कर दिया। शिक्षक ने छात्र के साथ मारपीट की और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। इस घटनाक्रम की जानकारी प्राप्त होते ही दलित समाज के लोग सोमवार को थाना उकलाना पंहुचे और थाना प्रभारी अशोक कुमार को लिखित में शिकायत दी। पुलिस स्टेशन में नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष समीर इंदोरा, पूर्व जिला पार्षद सज्जन गैबीपुर, नगर पार्षद सुनील वर्मा, सुशील कंटिवाल, विशु इंदोरा, संदीप मुगलपुरा, बलबीर चौहान, कुलदीप सिंह, राजेश सिंहमार, मनजीत माथुर, गगन कालड़ा, विनोद इंदोरा, पवन कंटिवाल, मनदीप इंदोरा, भजनलाल आदि ने दलित उत्पीड़न की इस वारदात को लेकर पुलिस से आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। सज्जन गैबीपुर ने पुलिस को चेतावनी दी है कि अगर आरोपी शिक्षक के विरुद्ध कारवाई में लीपापोती की गई तो इसे सहन नहीं किया जाएगा। थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया है कि प्राथमिक जांच में अपराध के होने की पुष्टि हुई है।

मांगे नहीं मानी तो आज से राजस्थान में रोडवेज बसों का चक्काजाम

बीकानेर (हिंस)। समय पर वेतन नहीं। पेंशन की तिथि भी निर्धारित नहीं है। बकाया परिलाभ कब मिलेगा, पता नहीं। ऐसे हालात में काम करना मुश्किल होता है। यह दर्द है राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में कार्यरत और सेवानिवृत कार्मिकों का। अपने हक के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, इसके बावजूद सरकार इन्हें गंभीर नहीं मान रही है। इस बार इनका गुस्सा उफान मार रहा है, यही वजह है कि आने वाले आंदोलन के बाद यदि सरकार ने इनकी बात नहीं सुनी तो। पूरे प्रदेश में रोडवेज बसों का चक्का जाम हो जाएगा। राजस्थान रोडवेज

के श्रमिक संगठनों का संयुक्त मोर्चा के प्रदेश संयोजक एमएल यादव सहित अक्रोशित श्रमिक नेताओं ने साफतौर पर कह दिया है कि समय रहते सरकार चेत जाए, नहीं तो पांच सितंबर को 24 घंटे के लिए रोडवेज के पहिए थम जाएंगे। इसकी पूरी जिम्मेवारी राज्य सरकार की ही होगी। राज्य सरकार के खिलाफ बीकानेर के रोडवेज के श्रमिक नेताओं में भी आक्रोश है। बार-बार विरोध करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे सभी सेवानिवृत कर्मचारी खफा है। संगठन ने श्रमिक नेता गिरधारी लाल ने रोष जताते हुए कहा कि विरोध की अगली कड़ी में मंगलवार को केंद्रीय बस स्टैंड पर दोपहर में अर्द्धनग्न प्रदर्शन किया जाएगा। इसको लेकर रणनीति तय की गई है।

कांग्रेसी उतरे सड़कों पर, जनसमस्याओं के विरोध में किया प्रदर्शन

भिवानी (हिंस)। भिवानी जिला में प्रोपर्टी आईडी और परिवार पहचान पत्र की आड़ में जनता के साथ बेदर्दी से लूट के खिलाफ पूर्व सीएलपी नेता किरण चौधरी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव व छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी शैलजा ने सोमवार को श्रुति चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने के उपरांत रोष प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भिवानी के किरोड़ीमल पार्क से लघु सचिवालय तक पैदल मार्च करते हुए सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। हरियाणा सरकार के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कुमारी शैलजा ने कहा कि आज पूरा हरियाणा गठबंधन सरकार की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त है। प्रोपर्टी आईडी और परिवार पहचान पत्र ठीक करवाने के लिए भटक रहे लाखों लोगों के साथ कर्मचारी व किसानों के चल रहे दर्जनों जगह के धरने इस बात का सबूत है कि ये सरकार लोगों का विश्वास खो चुकी है। उन्होंने कहा कि आमजन मानस जान चुका है कि गठबंधन सरकार का ध्यान महज अपने चहेतों को मालामाल करना है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट है। इस मौके पर पूर्व मंत्री किरण चौधरी ने कहा कि सरकार ने प्रोपर्टी आईडी के नाम पर लूट का ठेका अपने चहेते लोगों को दिया हुआ है और वे बेदर्दी से लोगों को ठग रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार का चरम सीमा पर है। हरियाणा प्रदेश के 88 शहरों में एक करोड़ से अधिक हरियाणवी अपनी प्रोपर्टी आईडी सही कराने के लिए महीनों से दलालों के हाथ लुट-पिट रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बनाना हाईकमान का काम है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में नहीं पहुंचने के पीछे उन्होंने कहा कि वे भिवानी के हक की लड़ाई लड़ रही है। किरण चौधरी ने कहा कि परिवार पहचान पत्र परिवार परेशान पत्र बनकर रह गया है। बढ़ती महंगाई ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। सरकार का ध्यान लोगों को राहत देने की बजाए उनकी जेब खाली करने पर है। उन्होंने कहा कि सरकार को इलाके में बर्बाद हुई बाजरे और कपास की फसलों की तुरंत गिरदावरी करवाने के साथ अत्याधिक बारिश से पीड़ित किसानों व शहरी दुकानदारों को यथा संभव मुआवजा देना चाहिए।

महिला खिलाड़ी का यौन शोषण करने वाला कोच गिरफ्तार

कैथल (हिंस)। महिला खिलाड़ी के साथ यौन शोषण मामले में महिला थाना पुलिस ने कोच दीपक को कमेटी चौक से गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को मामले की जांच अधिकारी एएसआई मनीता ने कोच को गिरफ्तार किया है। आज ही उसे अदालत में पेश किया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत रासत में भेजा है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कैथल निवासी 19 वर्षीय वुशु महिला खिलाड़ी की शिकायत के अनुसार 3 मई को कैथल वुशु एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी दीपक ने मुझे अपने घर बुलाया। उसने मेरे को कोल्ड ड्रिंक में कुछ नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया जिससे मुझे नशा सा हो गया। उसको बाद दीपक उपरोक्त मेरे साथ छेड़खानी करते हुए अश्लील हरकते करने लगा। इसके बाद मेरे दोस्त वहा आ गए। दीपक ने उसको कहा कि इस घटना बारे किसी को बताया तो वह उसे खेल से बाहर करवा देगा और किसी भी गेम में हिस्सा नहीं लेने देगा। इस बारे महिला थाना में मामला दर्ज किया गया था।

परेशानी का सबब बने पोर्टल समाप्त करना जरूरी : वजीर पूनिया

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की उस घोषणा का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने सत्ता में आने पर परिवार पहचान पत्र, मेरी फसल मेरा ब्यौरा व फैमिली आईडी जैसे पोर्टल समाप्त करने का एलान किया है। कांग्रेस नेता ने हिसार में हुए विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इसमें जुटी हजारों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि प्रदेश का हर वर्ग भाजपा-जजपा सरकार से दुखी है और चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार देखना चाहता है। वजीर सिंह पूनिया ने सोमवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पोर्टल समाप्त करने की घोषणा जनता की इच्छा के अनुरूप की है। ये पोर्टल जनता की परेशानी का सबब व भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए हैं। हर नागरिक इन पोर्टलों से परेशान है और खास बात यह है कि इन पोर्टलों से किसी की समस्या का समाधान नहीं हुआ बल्कि परेशानियां बढ़ी है। हजारों पात्रों की पेंशन बंद हो गई, हजारों विद्यार्थियों का वजीफा बंद हो गया, प्रदेश का किसान वर्ग इससे परेशान है और सरकार केवल अपनी पीठ थपथपाने में व्यस्त है, जिसका खामियाजा इस सरकार को आने वाले चुनाव में भुगतना पड़ेगा। वजीर सिंह पूनिया ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कर्मचारियों को पुरानी पैंशन का लाभ देने सहित गैस सिलेंडर व बिजली से संबंधित जो घोषणाएं की है, उससे जनता में नए उत्साह का संचार हुआ है और जनता ने अब अपनी सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि हिसार में हुआ कांग्रेस का विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से सफल रहा है और इस कार्यक्रम की सफलता ने भाजपा-जजपा सरकार की नींद उड़ाकर रख दी है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद भारी बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनना व भूपेंद्र सिंह हुड्डा का मुख्यमंत्री बनना तय है।

बागवानी जमीनों का रिकार्ड ऑनलाइन करेगी पंजाब सरकार : जौड़ामाजरा

मंत्री ने जिलेवार सूचियां सौंपने का दिया निर्देश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के बागवानी मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने राज्य में बागवानी विभाग से संबंधित जमीनों का सारा रिकॉर्ड जल्द से जल्द ऑनलाइन करने के निर्देश दिया है। सोमवार को अपने दफ्तर में विभाग के मुख्य दफ्तर और जिलों के अधिकारियों की बैठक में मंत्री जौड़ामाजरा ने कहा कि अधिकारी 15 दिन के अंदर-अंदर विभाग की जमीनों की जिलेवार सूचियां और तस्वीरें सौंप दें ताकि रिकॉर्ड ऑनलाइन करने के लिए मुकम्मल डाटा अपलोड किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे जहां विभाग की मल्कीयत वाली जमीनों पर कब्जे की संभावना शून्य हो जाएगी, वहीं विभाग खाली स्थानों पर पौधे लगाकर आमदन के और ज्यादा स्रोत पैदा कर सकेगा। उन्होंने कहा कि विभाग का डाटा ऑनलाइन करने का मकसद सरकारी कामकाज में और ज्यादा पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। कैबिनेट मंत्री जौड़ामाजरा ने विभाग के प्रमुख सचिव केएपी सिन्हा को हिदायत की कि वह जिला बागवानी अफसरों को तुरंत पत्र जारी करके कार्यवाही अमल में लाएं। राज्य की प्राइवेट नर्सरियों को विभाग के साथ रजिस्टर्ड करने संबंधी अधिकारियों को हिदायत करते हुए जौड़ामाजरा ने कहा कि इसके साथ-साथ ही बागवानी अधिकारी यह भी यकीनी बनाएं कि कमर्शियल प्रयोग के लिए राज्य के वातावरण के अनुकूल पौधे ही लगाए जाएं। विभाग में काम करते एनएचएम

मुलाजिमों की मांगों संबंधी विचार-विमर्श करते हुए कैबिनेट मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि यह मुलाजिम विभाग का अभिन्न अंग हैं। इसलिए उनकी मांगों पर हमदर्दी से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार राज्य में अधिक से अधिक रोजगार पैदा करने के लिए वचनबद्ध है और किसी का रोजगार छीनने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीमार बेटी के लिए दवाई लेने कार से आ रहा था परिवार हादसे में तीन की मौत

जोधपुर (हिंस)। जिले के खेड़ापा पुलिस थाना क्षेत्र चटालिया गांव की सरहद में सोमवार की सुबह भीषण सड़क हादसे में परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि परिवार की बेटी और कार का चालक बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल रैफर किया गया है। हादसा नेशनल हाइवे 62 पर हुआ। खेड़ापा थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि नागौर जिले के गिगालिया स्थित बुगालियों की ढाणी के रहने वाले 55 साल के रामकरण पुत्र पूनाराम जाट सोमवार की अलसुबह नागौर से अपनी बेटी मोनिका के लिए दवाई लेने के लिए कार से जोधपुर के लिए निकले थे। कार में बेटी मोनिका के साथ पत्नी 52 साल की चंदूडी, बेटा 27 साल का रामनिवास भी साथ थे। कार चालक कमल किशोर कार लेकर जब नेशनल हाइवे 62 पर चटालिया गांव की सरहद में पहुंचा तब एक स्लीपर बस से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में रामकरण, उनकी पत्नी चंदूड़ी, बेटा रामनिवास की मौत हो गई। जबकि बीमार मोनिका और कार का चालक कमल किशोर हादसे में बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तत्काल जोधपुर के एमडीएम अस्पताल भेजा गया। थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि मृतक रामकरण की पुत्री मोनिका के बीमारी के चलते जोधपुर दवाई लेने आ रहे थे। हादसे के बाद दोनों वाहनों को जब्त कर थाने भिजवाया गया। इस बारे में अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। बस जोधपुर से नागौर की तरफ जा रही थी, जबकि कार में सवार लोग जोधपुर की तरफ आ रहे थे।

शिवमंदिरों में सावन के सोमवार के साथ ही मनाया नाग पंचमी का पर्व

जोधपुर (हिंस)। सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी पर सोमवार को नाग पंचमी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। आज सावन का सातवां सोमवार व नाग पंचमी का संयोग होने पर श्रद्धालुओं ने कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान कर पूजा अर्चना की। शहर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने दूध से शिवलिंग का अभिषेक किया। वहीं कुछ लोगों ने इस पावन पर्व पर रुद्राभिषेक का भी आयोजन किया। सावन का सोमवार व नाग पंचमी के पर्व पर श्रद्धालुओं ने शिव मंदिरों व शिवालयों में पूजा-पाठ व जलाभिषेक किया। नाग देवता को लोगों ने दूध और उससे बनी मिठाइयों का प्रसाद चढ़ाया। भगवान शिव के साथ ही नाग देवता की पूजा की गई। इस पर्व पर नाग को दूध पिलाने की भी परंपरा है। ऐसे में लोगों ने दूध से बनी मिठाइयां नाग देवता को अर्पित की और प्रसाद वितरण किया। मान्यता है कि नागपंचमी पर सर्प पूजा करने से सर्पदंश का भय खत्म होता है। नाग पूजन से उनकी कृपा प्राप्त होती है जिससे धन धान्य भी मिलता है। हमारे देश में नाग पूजा का व्यवहारिक महत्व भी है। नागपंचमी के आसपास सर्प बहुत निकलते हैं क्योंकि बरसात का पानी गिरने से वह उनके बिलों में भर जाता है। ये सांप घरों में भी पहुंच जाते है। इनसे सुरक्षा की भावना लिए लोग सांपों-नागों की पूजा करते हैं। खास बात यह है कि सर्प चूहों को खा जाते हैं जिसके कारण खेतों में फसल की रक्षा होती है। इसलिए भी लोग नागों की पूजा करते हैं। आज के दिन मुख्यतरू वासुकी नाग, शेषनाग और तक्षक नाग की प्रमुख रूप से पूजा की गई।

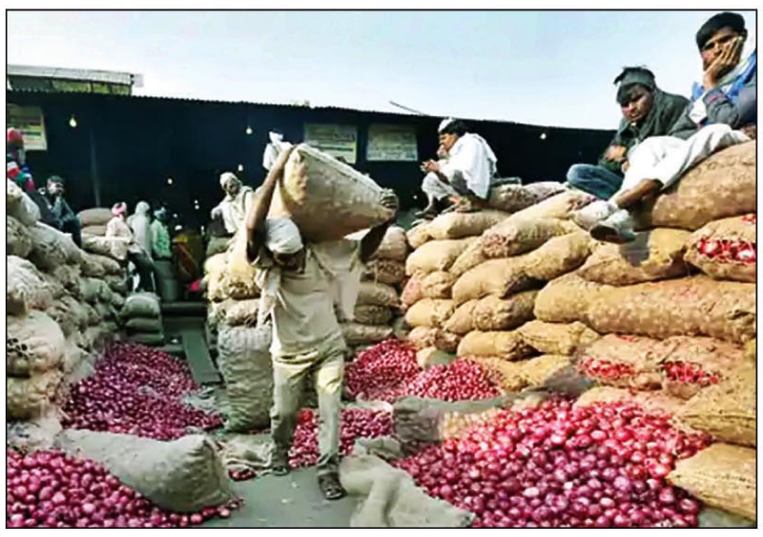

दिल्ली में सब्सिडाइज्ड रेट्स पर मिलेगी प्याज: एनसीसीएफ 25/केजी में प्याज बेचेगी, सरकार इस साल बफर स्टॉक बढ़ाकर कुल 5 लाख टन करेगी

नई दिल्ली।

दिल्ली में 25 रुपए प्रति किलोग्राम के सब्सिडाइज्ड रेट्स यानी रियायती कीमतों पर सरकारी बफर स्टॉक से प्याज की रिटेल सेल शुरू करेगा। कंज्यूमर्स को प्याज की ऊंची कीमतों से राहत देने के लिए नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया ने यह फैसला किया। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी। एनसीसीएफ पहले से ही केंद्र सरकार की ओर से रियायती दर पर टमाटर बेच रहा है और अब उसे रिटेल बफर प्याज का काम सौंपा गया है। सरकार ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए 3 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाया है। इस साल बफर स्टॉक के लिए 2 लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदने का भी फैसला लिया गया है। दिल्ली में लगभग 10 मोबाइल वैन भेजी जाएंगी और धीरे-धीरे ज्यादा से ज्यादा एरियाज को कवर किया जाएगा। एनसीसीएफ दिल्ली में नेहरू प्लेस और ओखला में स्थित अपने दो रिटेल स्टोर्स से भी प्याज बेचेगा। इसके अलावा एनसीसीएफ ने (डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क) प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन प्याज बेचने का भी प्लान बनाया है। अभी वह इसके तौर-तरीकों पर काम कर रहा है। सरकार ने अभी दिल्ली, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और असम में रियायती दरों पर प्याज बेचने का फैसला किया है। इन पांच राज्यों में थोक और रिटेल दोनों बाजारों में बफर प्याज का निपटान करके अवेलेबिलिटी बढ़ाई जा रही है। थोक बाजारों में बफर प्याज मंडी रेट्स पर बेची जा रही है, जबकि रिटेल बाजारों में 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेची जा रही है। दिल्ली में रिटेल सेल शुरू होगी, जबकि अन्य चार राज्यों में यह 2 दिन बाद शुरू होगी। ऑफिशियल डेटा के अनुसार, प्याज की ऑल-इंडिया एवरेज रिटेल प्राइस 19प्रतिशत बढ़कर 29.73 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 25 रुपए प्रति किलोग्राम थी। दिल्ली में इसी अवधि में प्याज की रिटेल कीमत 28 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 37 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

एनसीसीएफ पिछले एक महीने से दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में रियायती दरों पर टमाटर बेच रहा है। शुरुआत में इसकी बिक्री 90 रुपए प्रति किलोग्राम पर शुरू हुई, जब रिटेल बाजार में कीमतें 250 रुपए प्रति किलोग्राम से ज्यादा थीं। अब जब आवक बेहतर हुई है तो सब्सिडी दर घटाकर 40 रुपए प्रति किलोग्राम कर दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

वित्तीय आजादी का आसान तरीका एसडब्ल्यूपी के साथ जुड़ती है एसआईपी, इस तरह काम करता है एसडब्ल्यूपी

नई दिल्ली । डम एसआईपी निवेश करने की एक अनूठी सुविधा है, जो एक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की ताकत को एक सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के साथ जोड़ देती है। इस सुविधा से निवेशक एक अवधि में संपत्ति बढ़ा सकते हैं और फिर एसआईपी अवधि पूरी होने के बाद एसडब्ल्यूपी से नियमित रूप से नकदी प्राप्त करना शुरू कर सकते हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने फ्रीडम एसआईपी के रूप में इसे पेश किया है। फ्रीडम एसआईपी चार चरणों की प्रक्रिया है। इसके लिए निवेशकों को एक सोर्स स्कीम चुननी होती है, जिसमें वे 8 साल, 10 साल, 12 साल, 15 साल, 20 साल, 25 साल या 30 साल में एसआईपी के माध्यम से निवेश करेंगे। इसका समय ज्यादा होता है, इसलिए निवेशक इक्विटी की एक विस्तृत श्रृंखला से लेकर एसआईपी तक का चुनाव कर सकते हैं। तय समय पूरा होने पर पैसा एक लक्षित योजना में चला जाएगा। लक्षित योजना वह योजना है जिससे निवेशक को एसडब्ल्यूपी के माध्यम से नियमित नकदी प्राप्त होगी। यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये का एसआईपी 10 वर्षों के लिए करता है तो एसडब्ल्यूपी राशि 15,000 रुपये होगी। निवेश का समय 15 साल तक बढ़ाया जाता है तो एसडब्ल्यूपी राशि 30,000 होगी। यदि निवेशक 20, 25 और 30 वर्षों तक निवेश करता है, तो एसडब्ल्यूपी राशि 50,000 रु, 80,000 रु और 1.2 लाख रुपये होगी। जब तक यूनिट्स लक्षित योजना में है, तब तक एसडब्ल्यूपी की प्रक्रिया जारी रहेगी। डिफॉल्ट एसडब्ल्यूपी राशि निवेश की गई एसआईपी राशि और निवेशक की चुनी गई अवधि के आधार पर अलग-अलग होगी।

एक्स पर 2014 से पहले के पोस्ट डिलीट हुएः तकनीकी गड़बड़ी से ऐसा हुआ, केवल बराक ओबामा का पापुलर पोस्ट बचा

नई दिल्ली । सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक मेजर टेक्निकल ग्लिच आ गया है, जिसकी वजह से

दिसंबर 2014 की पहले की पोस्ट, फोटोज और हाइपरलिंक डिलीट हो गए हैं। टेक्निकल ग्लिच से केवल दिसंबर 2014 से पहले के पोस्ट प्रभावित हुए हैं। इस ग्लिच की वजह से 2014 के ऑस्कर होस्ट एलेन डीजेनरेस की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पॉपुलर पोस्ट भी प्रभावित हो गई है। हालांकि, एक्स के मालिक एलन मस्क, सीईओ लिंडा याकारिनो ने अभी तक इसके बारे में ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी है। 2014 की पॉपुलर पोस्ट ऑस्कर सेरेमनी के दौरान की थी, जिसमें डीजेनेरेस ऑडियंस के बीच गए और मेरिल स्ट्रीप , ब्रैडली कूपर , जेनिफर लॉरेंस , केविन स्पेसी , जेरेड लेटो , लुपिता न्योंगओ और अन्य के साथ एक सेल्फी ली। इसके बाद उसे एक्स (तब ट्विटर) पर शेयर करते हुए लिखा था, काश ब्रैडली का हाथ लंबा होता, सबसे अच्छी तस्वीर। इस पोस्ट को आधे घंटे के अंदर 536,000 से अधिक बार रीट्वीट किया गया था। वहीं, डेढ़ घंटे से भी कम समय में 1.4 मिलियन से ज्यादा बार रीट्वीट किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012 में दोबारा चुनाव जीतने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक पोस्ट किया था। वह एकमात्र ऐसा पोस्ट है जो इस ग्लिच प्रभावित नहीं हुआ है। उस पोस्ट में ओबामा ने अपनी पत्नी मिशेल के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था,चार और साल।

टैक्स घटाने के लिए रीस्ट्रक्चर करें सैलरीः आपकी बेसिक सैलरी सीटीसी के 40प्रतिशत से ज्यादा न हो, टैक्स-फ्री इन्वेस्टमेंट से भी मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। जब कोई व्यक्ति किसी कंपनी में नौकरी जॉइन करता है तो कंपनी की ओर से उसका सीटीसी (कॉस्ट टु कंपनी) तय किया जाता है। कर्मचारी अपना सैलरी स्ट्रक्चर इस तरह से बनवा सकते हैं कि टैक्स का बोझ कम हो जाए। बेसिक सैलरी और अलाउंसः बेसिक सैलरी हमेशा कर योग्य होती है। सलाह है कि यह सीटीसी के 40प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। हालांकि, बेसिक सैलरी कम रखने से वेतन के अन्य घटक कम हो जाएंगे। मेडिकल भत्ते जैसे कुछ अलाउंस कुछ शर्तों के आधार पर टैक्स-फ्री हो सकते हैं। टैक्स-फ्री इन्वेस्टमेंटः जैसे टैक्स सेविंग इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करने से आयकर की धारा 80सी के तहत पर्याप्त टैक्स की कटौती मिल सकती है। सैलरी रीस्ट्रक्चरिंगः नियोक्ता की अनुमति से ज्यादा टैक्स-फ्री अलाउंस और बेनिफिट्स शामिल करने के लिए सैलरी रीस्ट्रक्चर करवा सकते हैं। फ्लेक्सिबल बेनिफिटः कुछ नियोक्ता कर्मचारियों को उनकी जरूरत के आधार पर टैक्स-फ्री फ्लेक्सिबल बेनिफिट्स ऑफर कर सकते हैं। इसमें मेडिकल इंश्योरेंस, फूड वाउचर या कार अलाउंस शामिल है।

भारत एनसीएपी आज होगा लॉन्च

केंद्रीय मंत्री गडकरी करेंगे लॉन्च, अब देश में होगा कारों का क्रैश-टेस्ट; मिलेगी सेफ्टी रेटिंग

नई दिल्ली।

भारतीय कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को सेफ्टी रेटिंग के लिए अपनी कारों को ग्लोबल एनसीएपी में भेजने की जरूरत नहीं होगी। क्योंकि, कल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भारतीय सेफ्टी एजेंसी भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम को ओपनिंग करेंगे। इस प्रोग्राम के जरिए सरकार का मकसद कार ग्राहकों को बाजार में मौजूद गाड़ियों की दुर्घटना सुरक्षा का तुलनात्मक मूल्यांकन करने की सुविधा देना है। यानी कोई ग्राहक अगर कार खरीदने की सोच रहा है, तो वो कारों की सेफ्टी रेटिंग के आधार पर ये तय कर सकेगा कि उसे कौन सी कार खरीदनी चाहिए।

क्रैश टेस्ट में परफॉर्मेंस के आधार पर मिलेंगे 0 से 5 स्टार रेटिंग

हाल ही में खबर आई थी कि रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री ने देश में कारों का क्रेश टेस्ट करने और उन्हें सेफ्टी रेटिंग देने के लिए पैरामीटर तय कर लिए हैं। साथ ही बीएनसीएपी को शुरू करने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा है। यह एजेंसी देश में ही वाहनों को क्रैश टेस्ट में उनके परफॉर्मेंस के आधार पर 0 से 5 स्टार रेटिंग देगी।

जून-2022 में बीएनसीएपी को दी थी मंजूरी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जून-2022 में बीएनसीएपी शुरू करने के लिए जीएसआर नोटिफिकेशन के ड्राफ्ट को मंजूरी दी थी। भारत एनसीएपी में टेस्टिंग प्रोटोकॉल ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट प्रोटोकॉल के जैसा ही होगा। क्रैश टेस्ट में मौजूदा भारतीय नियमों को ध्यान में रखा जाएगा।

वेबसाइट पर देख सकेंगे क्रेश टेस्ट के रिजल्ट

केंद्र सरकार द्वारा स्थापित एक मॉनीटरिंग कमेटी से मंजूरी मिलने के बाद अपनी वेबसाइट पर स्टार रेटिंग और टेस्ट रिजल्ट्स शो करेगा। शुरुआत में क्रैश टेस्ट स्वैच्छिक होगा, इसके लिए सेंपल के तौर पर ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स अपनी कारों भेज सकेंगे या फिर बीएनसीएपी डीलरों के शोरूम से रेंडमली कारों को उठाएगा।

भारत एनसीएपी से फायदा क्या होगा

इससे ग्राहकों को स्टार-रेटिंग के आधार पर सेफ्टी वाली कारों को चुनने का ऑप्शन मिलेगा। साथ ही देश में सेफ व्हीकल्स के मैन्युफैक्चरिंग के लिए ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स के बीच फेयर कॉम्पिटिशन को भी बढ़ावा मिलेगा। नई व्यवस्था से लोकल कार मैन्युफैक्चर्स को भी मदद मिलेगी। वे अपने वाहनों की टेस्टिंग भारत की इन-हाउस टेस्टिंग सर्विस में कर सकेंगे। इसके अलावा उन्हें क्रैश टेस्ट और स्टार रेटिंग के लिए अपनी कारों को विदेश भेजने की आवश्यकता नहीं होगी, जो बहुत महंगा है।

रेटिंग में ज्यादा स्टार मिलने का मतलब बेहतर सेफ्टी

एनसीएपी टेस्ट में सबसे कम रेटिंग या स्टार लाने वाली कारें दुर्घटना के समय सुरक्षित नहीं मानी जाती हैं। वर्तमान में भारत में कारों के क्रैश टेस्ट के नियम तय हैं। टेस्ट की गई कारों को 0 से 5 स्टार रेटिंग दी जाती है। बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में कार को एडल्ट ऑक्युपेंट प्रोटेक्शन , चाइल्ड ऑक्युपेंट प्रोटेक्शन और सेफ्टी असिस्ट टेक्नोलॉजीस के आधार पर सेफ्टी रेटिंग देगा।

एडल्ट और चाइल्ड सेफ्टी रेटिंग क्या है

एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन रेटिंग में ये देखा जाता है कि जब कार सामने की तरफ से टकराती है तब आगे की सीट पर बैठने वाले पैसेंजर और ड्राइवर कितने सुरक्षित रहे। चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन रेटिंग से ये देखा जाता है कि कार में सामने और साइड से टक्कर होने पर पीछे की सीट पर बैठने वाले बच्चे कितने सुरक्षित रहे।

एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग कैसे दी जाती है

कार की सेफ्टी रेटिंग: एनसीएपी द्वारा लगभग सभी कंपनियों की कारों का क्रैश टेस्ट किया जाता है। सभी कंपनियां अपनी कार के हर मॉडल और वैरिएंट पर अलग-अलग सेफ्टी फीचर्स देती हैं। इनमें एयरबैग्स, सेफ्टी बेल्ट, बैक सेंसर, कैमरा, स्पीड अलर्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं। जब कार का क्रैश टेस्ट होता है तब इन्हीं सेफ्टी फीचर्स के आधार पर उसे रेटिंग दी जाती है। सेफ्टी रेटिंग मिलने की प्रोसेस: सेफ्टी रेटिंग के लिए कार का क्रैश टेस्ट किया जाता है। इसके लिए इंसान जैसी डमी का इस्तेमाल किया जाता है। टेस्ट के दौरान गाड़ी को फिक्स स्पीड से किसी हार्ड ऑब्जेक्ट के साथ टकराया जाता है। इस दौरान कार में 4 से 5 डमी का इस्तेमाल किया जाता है। बैक सीट पर बच्चे की डमी होती है। ये चाइल्ड सेफ्टी सीट पर फिक्स की जाती है। सेफ्टी रेटिंग के मायने: क्रैश टेस्ट के बाद कार के एयरबैग ने काम किया या नहीं। डमी कितनी डैमेज हुई। कार के दूसरे सेफ्टी फीचर्स ने कितना काम किया। इन सभी के आधार पर रेटिंग दी जाती है। इस रेटिंग से ग्राहकों को सुरक्षित कार खरीदने में मदद मिलती है। हालांकि एनसीएपी किसी भी कार के सभी वैरिएंट का क्रैश टेस्ट नहीं करता है।

वॉट्सऐप में फोटो और विडियो कैप्शन एडिट कर पाएंगे यूजर

डायरेक्ट सेंड करने पर चेंज नहीं होगी फोटो-क्वालिटी, एचडी ऑप्शन रोल-आउट करेगी कंपनी

नई दिल्ली।

इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप अपनी अपडेट सीरीज में अब एक और नया अपडेट लेकर आने वाला है। इस बार ऐप कैप्शन एडिट यानी फोटो, जीआईएफ, विडियो या डॉक्यूमेंट के साथ लिखे जाने वाले टेक्स्ट मैसेज यानी कैप्शन को एडिट करने का फीचर रोल-आउट करने जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फीचर के जरिए यूजर किसी भी फोटो या विडियो में लिखे टेक्स्ट को भेजने के 15 मिनट के भीतर एडिट कर पाएंगे। यह फीचर फिलहाल कुछ यूजर तक लिमिटेड है, लेकिन जल्द ही सभी यूजर इस फीचर को वॉट्सऐप में यूज कर पाएंगे। कंपनी ने हाल ही में चैट में भेजे जाने वाले मैसेज को एडिट करने का ऑप्शन यूजर्स को दिया था।

अब एचडी क्वालिटी फोटो भेजने का ऑप्शन

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में एक और मोस्ट डिमांडिंग फीचर लाने की घोषणा की है। अपनी फेसबुक पोस्ट में जुकरबर्ग ने एक विडियो पोस्ट के साथ लिखा कि व्हाट्सएप पर फोटो शेयरिंग के लिए एक अपग्रेड आया है- अब आप फोटोज को एचडी में शेयर कर पाएंगे। इस पोस्ट में नए फीचर को यूज करने का तरिका बताया गया है। इस फीचर में भी फोटो भेजने का प्रोसेस पहले की तरह ही रहेगा, लेकिन अब पेन और क्रॉप टूल के साथ भी ऑप्शन मिलेगा। जहां आप स्टैंडर्ड और फोटो क्वालिटी का ऑप्शन सिलेक्ट कर पाएंगे। अब तक वॉट्सऐप पर भेजी जाने वाली फोटो और विडियो की क्वालिटी ऑटोमेटिक कंप्रेशन के चलते चेंज यानी कम या खराब हो जाती थी, जो अब इस नए फीचर के आने के बाद नहीं होगी।

हाल ही में वॉट्सऐप ने रोल-आउट किए तीन नए फीचर

हाल ही में वॉट्सऐप ने वीडियो कॉल के लिए तीन नए फीचर रोल आउट किए हैं। इसमें स्क्रीन शेयरिंग और लैंडस्केप मोड और वीडियो मैसेज फीचर शामिल है।

अगले महीने से कम हो सकते हैं सब्जियों के दामः क्रूड ऑयल की कीमतें भी 85 डॉलर/बैरल; वित्त मंत्रायल ने कहा- उत्पाद शुल्क में नहीं होगी कटौती

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अगले महीने से सब्जियों की नई फसल आने से कीमतें कम हो सकती हैं। वहीं क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों पर अधिकारी ने कहा कि यह चिंता की बात है, लेकिन कीमतें अभी भी टोलरेटेबल जोन यानी (90 डॉलर/बैरल) के नीचे है और उत्पाद शुल्क में कटौती का कोई प्लान नहीं है। जुलाई में फुटकर यानी रिटेल महंगाई के 6प्रतिशत की ऊपरी टॉलरेंस लिमिट के पार निकलकर 7.44प्रतिशत पर पहुंच गई है। महंगाई का यह 15 महीने का उच्चतम स्तर भी है। इससे पहले अप्रैल 2022 में महंगाई 7.79प्रतिशत रही थी। खाने-पीने का सामान खासकर सब्जियां महंगी होने के कारण महंगाई बढ़ी है। जून में फुटकर महंगाई 4.81प्रतिशत रही थी। जुलाई में, सब्जियों की टोकरी में वार्षिक फुटकर महंगाई 37.44प्रतिशत, मसालों में 21.63प्रतिशत, दालों और प्रोडक्ट्स में 13.27प्रतिशत और अनाज और प्रोडक्ट्स में 13प्रतिशत थी।

क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों पर वित्त मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि बजट कैलकुलेशन में कच्चे तेल की कीमतें शामिल नहीं है। क्योंकि, सरकार ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को सब्सिडी नहीं देती है। इसलिए इसमें उतार चढ़ाव होने से फिस्कल कैलकुलेशन में कोई अंतर नहीं होता है। कच्चे तेल की कीमतें फिलहाल 85 डॉलर/बैरल के आसपास है, जबकि बजट के समय यह 70-73 डॉलर/बैरल थी। अधिकारी ने बताया कि क्रूड ऑयल की प्राइस टॉलरेट करने की लिमिट 90 डॉलर/बैरल के नीचे है, लेकिन इसके चलते पॉलिसी एडजस्टमेंट नहीं किया जा सकता है। 90 डॉलर/बैरल के पार जाने पर इसका इन्फ्लेशन पर असर पड़ेगा। पेट्रोल-डीजल के उत्पाद शुल्क में भी किसी कटौती से इनकार करते हुए अधिकारी ने बताया वित्त मंत्रालय अभी इस पर विचार नहीं कर रही है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की स्टॉक मार्केट में एंट्री: बीएसई पर 265 और एनएसई पर 262 पर हुई लिस्टिंग, पिछले महीने आरआईएल से अलग हुई थी कंपनी

मुंबई।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो गए हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 265 रुपए पर लिस्टिंग हुई। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर 262 रुपए पर लिस्ट हुए। शुरुआती कीमत पर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का मार्केट कैप लगभग 1.6 लाख करोड़ है। रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस पिछले महीने अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से अलग हुआ था। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ था।

लिस्टिंग के बाद जेएफएसएल के शेयर में 5प्रतिशत का लोअर सर्किट

लिस्टिंग के बाद जेएफएसएल के शेयर में 5प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है।

बीएसई पर शेयर 5प्रतिशत की लोअर सर्किट के साथ 251.75 रुपए पर आ गया है। वहीं, एनएसई पर भी शेयर 5प्रतिशत का लोअर सर्किट के साथ 248.90 रुपए पर आ गया है।

10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में रहेगा शेयर

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज 10 कारोबारी दिन तक ट्रेड-फॉर-ट्रेड सेगमेंट में रहेगा। जब तक इस सेगमेंट में स्टॉक रहता है तो उस शेयर की इंट्राडे ट्रेडिंग नहीं हो सकती है। इस सेगमेंट के हर एक को खरीदने के लिए पूरा पेमेंट देकर डिलीवरी लेनी पड़ती है। रिलायंस के शेयरहोल्डर्स को 1:1 के रेश्यो में जेएफएसएल के शेयर मिले थे 19 जुलाई के कारोबारी दिन के अंत में जिन-जिन शेयरहोल्डर्स के पास रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर्स थे उन्हें 1:1 के रेश्यो में जेएफएसएल यानी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर मिले थे। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास आरआईएल के 100 शेयर थे, तो आपको जेएफएसएल के 100 शेयर दिए गए थे। कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान जियो फाइनेंशियल का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्वेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था।

रतन टाटा को जान से मारने के लिए गैंगस्टर ने दी थी सुपारी, उद्योगपति ने खुद बताया वाकया

नई दिल्ली।

टाटा समूह के चेयरमैन रहे रतन टाटा अक्सर खबरों में बने ही रहते हैं। कभी किसी व्यापार के कारण तो कभी अपनी उपलब्धियों के लिए मिलने वाले सम्मान के लिए। हाल ही में, महाराष्ट्र सरकार ने दिग्गज उद्योगपति को 'उद्योग रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया है। ऐसे में उनसे जुड़ा करीब एक दशक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वह टाटा समूह के अध्यक्ष के रूप में अपने शुरुआती दिनों के दौरान एक गैंगस्टर के साथ हुई मुठभेड़ का किस्सा बता रहे। वहीं, वह यह भी बता रहे थे कि कैसे कई बार उनके फैसले नागवार होते रहे हैं और आगे चलकर वहीं अहम साबित होते।

रतन टाटा का इतिहास

बता दें, रतन टाटा ने सन् 1991 में टाटा ग्रुप की कमान संभाली थी। इसके बाद उन्होंने अपने कारोबारी फैसलों से टाटा समूह को कई देशों तक पहुंचा दिया। ऑटोमोबाइल के अलावा संचार, केमिकल सेक्टर में टाटा समूह का दखल बढ़ा। वह 2012 तक टाटा सन्स के चेयरमैन रहे। रतन टाटा को 2000 में पद्म भूषण और 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

कोलंबिया बिजनेस स्कूल ने साझा किया वीडियो

एक वीडियो कोलंबिया बिजनेस स्कूल की ओर से अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया है, जो करीब एक दशक पुराना है। इसमें दिग्गज कारोबारी रतन टाटा ने खुद बताया कि कैसे टाटा समूह के चैयरमैन रहते हुए उन्हें जमशेदपुर के टाटा मोटर्स प्लांट (पहले टेल्को) में काम करने के दौरान गैंगस्टर द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई थी।

खतरनाक गैंगस्टर से हुआ सामना

रतन टाटा के करियर की शुरुआत टाटा स्टील

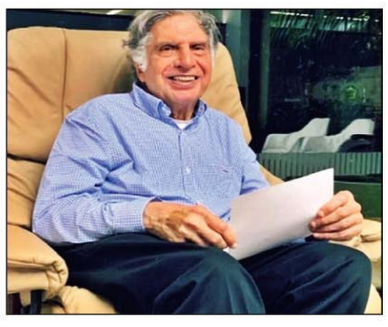

से ही हुई थी। टाटा स्टील और टाटा मोटर्स में काम करने के दौरान वह जमशेदपुर में रहे थे। इस दौरान ही यह घटना घटी थी। उन्होंने कहा कि उनका सामना एक खतरनाक गैंगस्टर से हुआ था, जब वह जमशेदपुर में टाटा मोटर्स में काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनको जान से मारने की धमकी दी गई थी। टाटा मोटर्स की यूनियन पर कब्जा करने के लिए बदमाशों ने हर संभव कोशिश की थी।

हथियाना चाहता था संपत्ति

85 वर्षीय दिग्गज ने कहा कि मेरे चेयरमैन बनने के 15 दिन बाद टाटा मोटर्स (पहले टेल्को) में हमारी यूनियन पर बहुत बड़ी परेशानी आई थी। एक गैंगस्टर ने फैसला किया कि यूनियन में काफी संपत्ति है और वह इसे हथियाना चाहता है। गैंगस्टर में बड़ी संख्या में लोग थे। यह बेहद डरावने और हिंसक थे। लोग सुझाव दे रहे थे कि मैं गैंगस्टर की बात मान लूं और इस विवाद को बातचीत से सुलझा लूं।

उन्होंने कहा कि लेकिन मैंने इन सभी सलाहों को दरकिनार कर उसका सामना करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उस वक्त पुलिस भी असहाय थी और गैंगस्टर टाटा मोटर्स प्लांट के कर्मचारी पर हमला कर रहा था।

चाकू से किया हमला

अरबपति ने कहा कि खतरनाक गैंगस्टर ने डराने और संदेश भेजने के लिए टाटा मोटर्स के कुछ अधिकारियों पर चाकू से भी हमला किया। गैंगस्टर से लगातार धमकियां मिलती रहीं। लेकिन मैंने नहीं झुकने का फैसला कर लिया था। उन्होंने कहा कि बदमाश यहीं नहीं रुके। गैंगस्टर ने हड़ताल करा दी और हमले के डर से कर्मचारियों ने काम पर आने से इनकार कर दिया। टाटा ने कहा कि मैं कर्मचारियों से बात करने के लिए खुद प्लांट में रुका रहा। इस दौरान मैंने बोनस की घोषणा कर दी, जिसके बाद हड़ताल समाप्त हो गई।

पुलिस भी थी असहाय

उद्योगपति के अनुसार, गैंगस्टर कथित तौर पर टाटा मोटर्स के कर्मचारियों पर हमला करने के लिए लोगों को लाया था और पुलिस भी असहाय थी। हालांकि, वह डरे नहीं और डटे रहे, जिसके परिणामस्वरूप गैंगस्टर को पकड़ लिया गया। हालांकि, जब वह जेल से रिहा हुआ, तो गैंगस्टर ने उन्हें मारने की सुपारी दी।

झुकने से इनकार

उन्होंने गैंगस्टर की धमकियों के आगे झुकने से इनकार कर दिया और जिस चीज में उनका विश्वास था, उसके लिए खड़े रहे। उन्होंने प्लांट में रहकर और श्रमिकों को अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके बहुत साहस दिखाया। उन्होंने कहा कि लोग चाहते थे कि मैं उसके साथ बात कर लूं, लेकिन मैंने ऐसा कभी नहीं किया...इस पर पीछे मुड़कर देखने पर पता चलता है कि मैं इसे किसी अन्य तरीके से कभी नहीं करता।

फिल्म कैनेडी का प्रीमियर मेलबर्न में होगा

-बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोन की है यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म कैनेडी का प्रीमियर इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में होगा। यह फिल्म बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोन की है जो कि अपने निजी जीवन में बेहद व्यस्त रहती हैं। सनी लियोन तीन बच्चों की मां हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए हर एक दिन अलग है। अभिनेत्री सनी लियोन ने कहा, इस साक्षात्कार से ठीक पहले मैं अपने बच्चों के स्कूल में एक मीटिंग में थी और अब इंटरव्यू दे रही हूं। उन्होंने कहा, इसके बाद मैं उन्हें लेने जाऊंगी और फिर और काम करूंगी। फिर मैं दूसरी मीटिंग में जाऊंगी। फिर मैं अपने बच्चों के साथ और काम करूंगी। मेरा हर एक दिन बहुत अलग होता है। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह सब संतुलित करने का मौका मिला।एक अभिनेत्री होने का कठिन हिस्सा क्या होता है, इस पर अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि क्या सही है यह पता लगाना मुश्किल चीज है। आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए यह कठिन है। पहले के मुकाबले और अब में काम मिलने में फर्क है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सोशल मीडिया और इनफ्लुएंसर ने निश्चित रूप से मशहूर हस्तियों के काम करने के तरीके को बदल दिया है। मैं हमेशा से सोशल मीडिया का हिस्सा रही हूं। कैनेडी का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है, इसमें राहुल भट्ट भी हैं। नियो-नोयर थ्रिलर फिल्म अग्ली (2013) और दोबारा (2022) के बाद कश्यप और भट्ट का यह तीसरा सहयोग है। यह फिल्म एक पूर्व पुलिसकर्मी कैनेडी की कहानी है, जिसे वर्षों से मृत मान लिया गया है। कैनेडी भ्रष्ट व्यवस्था के लिए गुप्त रूप से काम करता है।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' ने 10वें दिन 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा किया पार

रजनीकांत की हालिया रिलीज फिल्म जेलर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाती नजर आ रही है। फिल्म ने 10वें दिन कमाई के मामले में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करके इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। बॉक्स ऑफिस पर यह उपलब्धि हासिल करने वाली जेलर तीसरी तमिल फिल्म बन गई है। यह रजनीकांत की 2018 रिलीज 2.0 के बाद 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली दूसरी सबसे तेज फिल्म है। वीकेंड के कारण शनिवार को फिल्म की कमाई में पिछले दिन की तुलना में 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जिससे भारत में कुल कलेक्शन 245.9 करोड़ रुपये हो गया। फिल्म को तमिल क्षेत्र में 53.79 प्रतिशत और तेलुगु भाषी बाजार में 46.73 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी मिली। हिंदी बेल्ट में अक्षय कुमार की ओएमजी-2 और सनी देओल-स्टारर ह्यगदर-2 से प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद फिल्म जेलर बॉक्स ऑफिस पर अच्छी संख्या हासिल करने में सफल रही। इस फेस के साथ एक-दो दिन में 600 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। फिल्म में रजनीकांत ने मुख्य भूमिका निभाई है, जिसमें विनायकन, राम्या कृष्णन, वसंत रवि और सुनील भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। मोहनलाल, जैकी श्रॉफ, शिवा राजकुमार और तमन्ना भाटिया जैसे कई अन्य कलाकारों ने फिल्म में कैमियो भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस के हर बड़े रिकॉर्ड को ध्वस्त कर रही है और कुछ ही दिनों में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। इन आंकड़ों में तमिलनाडु का बड़ा योगदान रहा।

ड्यू क्रेडिट पर धर्मेन्द्र ने जताया अफसोस, कभी मेरे काम को नहीं मिली सराहना

मुंबई (ईएमएस)। कोई कितना ही बड़ा कलाकार हो, वह अपने काम की तारीफ तो सुनना चाहता है, लेकिन कभी मेरे काम को कोई सराहना नहीं मिली। यह बात 89 साल के अभिनेता धर्मेंद्र ने एक इंटरव्यू में अफसोस जताते हुए कही। बता दें कि फिल्म उद्योग में इन दिनों देओल परिवार की चर्चा बहुत हो रही है। इसका कारण है इस परिवार के सदस्यों की दो फिल्मों को जबरदस्त सफलता मिलना। एक तरफ जहाँ सनी देओल अपनी हालिया प्रदर्शित हुई 300 करोड़ी फिल्म गदर-2 को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं दूसरी ओर 89 साल के धर्मेन्द्र अपनी हालिया ब्लॉकबस्टर हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता का आनन्द उठा रहे हैं। इन दोनों फिल्मों की चचाओं के बीच धर्मेन्द्र का हाल ही में दिया गया एक साक्षात्कार सुर्खियों में है जिसमें उन्होंने कहा है कि कभी उनके परिवार को उनका क्रेडिट नहीं मिला। इस के अतिरिक्त धर्मेंद्र ने इंटरव्यू में कई बातों का अफसोस भी जताया है। धर्मेंद्र ने कहा कि वो और उनके दोनों बेटे सनी और बॉबी देओल अपनी मार्केटिंग नहीं करते। धर्मेंद्र को लगता है कि ना सिर्फ वो और सनी बल्कि बॉबी भी अपने लिए काफी अच्छा काम कर रहे हैं। इसके बावजूद भी उनके परिवार के काम को कोई स्वीकार नहीं करता। गौरतलब है कि फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र ने रणवीर सिंह के दादा का किरदार निभाया है। धर्मेंद्र ने अपने साक्षात्कार में आगे कहा कि मेरे परिवार को कभी उसका ड्यू नहीं मिला। हमारा परिवार फैंस के प्यार के दम पर टिका हुआ है। इंडस्ट्री में कभी मुझे भी मेरे काम के लिए याद नहीं किया। 1969 में रिलीज हुई मेरी फिल्म सत्यकाम के लिए भी मुझे कभी कोई अवॉर्ड नहीं मिला। बता दें कि धर्मेन्द्र इन दिनों अपनी अगली अनटाइटल्ड फिल्म में व्यस्त हैं जिसमें शाहिद कपूर और कृति सेनन नजर आएंगे। वहीं बॉबी देओल, रणबीर कपूर स्टारर एनिमल में विलेन के रोल में होंगे। सनी देओल इन दिनों हालिया रिलीज ब्लॉकबस्टर गदर 2 की सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं।

घूमर में बेटे के अभिनय से बेहद खुश है बिग बी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन घूमर में अपने बेटे अभिषेक बच्चन के अभिनय को लेकर बेहद खुश हैं। बच्चन ने कहा कि उन्होंने फिल्मों में एक के बाद जटिल किरदार निभाए हैं, जो अलग-अलग होते हुए भी बेहद प्रभावशाली हैं। अपने ब्लॉग पर अमिताभ ने घूमर को एक बेहतरीन फिल्म बताया। उन्होंने लिखा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि घूमर एक बहुत ही बेहतरीन फिल्म है। मैं इसे एक पिता के रूप में और फिल्म इंडस्ट्री के सदस्य के रूप में कह रहा हूं। इतनी कम उम्र से अभिषेक इंडस्ट्री में हैं, आपने बेहद दृढ़ विश्वास, विविधता और आत्मविश्वास के साथ सबसे जटिल किरदार निभाए हैं। हर एक किरदार कठिन और अलग होते हुए भी बेहद प्रभावशाली हैं। अमिताभ की पोस्ट पर बेटे अभिषेक ने जवाब दियाः लव यू पा। बता दें कि घूमर एक प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज अनीना की कहानी है, जो एक दुर्घटना में अपना दाहिना हाथ खो देती है। एक असफल क्रिकेटर उन्हें नई आशा देता है। जो उसकी किस्मत बदलने के लिए उसे प्रशिक्षित करता है।

मुस्लिम किरदारों से जुड़े सवालों का जोया अख्तर ने दिया कड़ा जवाब

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म निर्माता जोया अख्तर ने फिल्म में किरदारों से जुड़े सवालों के खुलकर जवाब दिए। जोया अख्तर हाल ही में रिलीज हुई स्ट्रीमिंग सीरीज मेड इन हेवन के दूसरे सीजन में निर्माता हैं। उन्होंने एक दर्शक के सवाल का जवाब दिया कि क्या वह कभी शो में एक मुस्लिम चरित्र को किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित करेंगी, जो उत्पीड़ित नहीं है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कमेंट्स सेक्शन में पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने राधिका आप्टे के पल्लवी मेनके के कैरेक्टर और आयामों को एक जर्नलिस्ट से प्रेरित होने के दावों का खंडन किया। कमेंट सेक्शन में, एक इंटरनेट यूजर ने पूछा कि जोया क्या आप अपने शो में सामान्य मुस्लिम चरित्र दिखा सकती हैं। एक सकारात्मक कहानी, जो उत्पीड़ित नहीं है? इस पर जोया ने अपनी फिल्मोग्राफी से सभी किरदारों को बाहर निकाला और अपनी बात रखी। उन्होंने कमेंट का जवाब देते हुए लिखा कि लक बाय चांस में जफर खान और तनवीर, जेडएनएमडी में इमरान और लैला, दिल धड़कने दो में फराह अली, गली बॉय में व्यावहारिक रूप से हर कोई हैं। ऐसे ही मेड इन हेवन में सरफराज खान और लीला शिराजी, कबीर, फैजा और नवाब हैं। बता दें कि मेड इन हेवन के दूसरे सीजन ने पहले एक पत्रकार-लेखक और अब फैशन डिजाइनर तरुण ताहिलियानी ने सीरीज के निर्माताओं पर बिना किसी क्रेडिट के एक एपिसोड में उनके डिजाइनों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है।

फरदीन ने अपनी एक शर्टलेस तस्वीर की पोस्ट

बॉलीवुड एक्टर फरदीन खान ने अपनी टोन्ड बॉडी को फ्लॉन्ट करते हुए एक शर्टलेस सेल्फी शेयर की है। फोटो के बैकग्राउंड में सनसेट और समुद्र की लहरें दिख रही हैं। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक शर्टलेस तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अपने बीच डे की झलक दिखाई। उन्होंने कैप्शन में लिखा - सूरज, समुद्र सूर्यास्त... एक खूबसूरत दिन का परफेक्ट अंत। उनके परफेक्ट ट्रांसफॉर्मेशन की तस्वीर देखकर दोस्त और सोशल मीडिया यूजर्स कमेंट्स के जरिए तारीफ करने लगे। एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने उन्हें एक सॉन्ग डेडीकेट कियाः हियर कम्स द सन। उन्होंने आगे कहा, मेरे दोस्त ऐसे ही चमकते रहो। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने फायर इमोजी शेयर किया। उनकी आखिरी फिल्म 2010 में दूल्हा मिल गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह संजय गुप्ता की विस्फोट से फिल्मों में वापसी करने वाले हैं। उम्मीद है कि वह संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करेंगे।

प्रियंका ने रेस्टोरेंट सोना से बनाई दूरी

अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपडा ने अपने रेस्टोरेंट सोना से दूरी बना ली है। उन्होंने अपनी पार्टनरशिप तोड़ दी है। प्रियंका चोपड़ा ने दो साल पहले मनीष के गोयल के साथ पार्टनरशिप रेस्टोरेंट खोला था। मनीष ने कहा कि रेस्टोरेंट की क्रिएटिविटी के पीछे प्रियंका थी। हम उनकी पार्टनरशिप और सपोर्ट के लिए आभारी हैं। प्रियंका अब हमारी क्रिएटिव पार्टनर नहीं हैं। वह सोना फैमिली का हिस्सा रहेंगी और हम अपने नए चैप्टर के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। प्रियंका से जुड़े एक प्रतिनिधि ने कहा- सोना को जीवन में लाना उसके करियर में हमेशा एक गौरवपूर्ण और महत्वपूर्ण पल होगा। सोना से दूर जाने से उसे इन महत्वाकांक्षाओं को और अधिक वैश्विक स्तर पर विस्तारित करने की अनुमति मिलती है, और वह उन संभावनाओं के बारे में उत्साहित है जो इंतजार कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा के बिजनेस की बात करें तो उनका लग्जरी होमवेयर ब्रांड सोना होम है। उनका हेयरकलर ब्रांड और एक प्रोडक्शन कंपनी भी है।

दून के लिए मेरे दिल में विशेष स्थान, यह मेरा दूसरा घर : ऋतिक रोशन

देहरादून, (हि.स.)। बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन रविवार शाम एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देहरादून पहुंचे। इस दौरान उनके एक झलक पाने के लिए फैंस की भीड़ लग गई। ऋतिक रोशन ने भी फैंस को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन राजपुर रोड स्थित जाखन के पास एक ज्वेलर्स शोरूम के उद्घाटन के मौके पर पहुंचे थे। उनके आने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में फैंस भी पहुंच गए। वर्षा होती रही लेकिन उनके इंतजार में फैंस टस से मस नहीं हुए। इस दौरान पुलिस को भी यातायात नियंत्रण में काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ा। सड़क के दोनों किनारे वाहनों की कतार लग गई। इस मौके पर ऋतिक रोशन ने कहा कि मुझे देहरादून आकर बहुत खुशी हो रही है। यह ऐसा शहर है, जिसका मेरे दिल में विशेष स्थान है और मेरे लिए यह दूसरे घर जैसा लगता है। यह मेरे लिए दरअसल' घर वापसी के क्षण' जैसा है। 'लक्ष्य' के फिल्मांकन से लेकर 'बैंग बैंग' में देहरादून के प्रसिद्ध 'राजपुर रोड' को मेरे घर के रूप में दिखाए जाने तक, इस शहर का मेरे साथ गहरा संबंध है।

रेमो का डांस रियलिटी शो हिट सूची में शामिल

डांस रियलिटी शो - हिप हॉप इंडिया के साथ देश भर में हिट सूची में शामिल हो गई है। डांस मास्टर रेमो डिसूजा और नोरा फतेही द्वारा जज किया गया, हिप हॉप इंडिया विशेष रूप से अमेजॅन मिनीटीवी पर स्ट्रीम हो रहा है। यह भारत का पहला और एकमात्र हिप हॉप केंद्रित डांस रियलिटी शो है, और इसने भारत के कुछ सबसे प्रतिभाशाली भूमिगत हिप हॉप नर्तकों को गौरव का मंच दिया है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने आज अपने आगामी एपिसोड के प्रोमो का खुलासा किया है, और ऐसा प्रतीत होता है कि नर्तकियों ने न्यायाधीशों को आश्चर्यचकित कर दिया है। इस सप्ताह हिप हॉप इंडिया में, सभी 3 श्रेणियों में शीर्ष 6 के लिए लड़ाई जारी है, जिसके कारण जजों को अपनी सीटें छोड़नी पड़ रही हैं। जबकि पिछले एपिसोड में 3 फाइनलिस्टों की घोषणा की गई थी, इस सप्ताह भी जजों के बीच लड़ाई जारी है, जिससे उनके लिए प्रतिभागियों को शॉर्टलिस्ट करने का निर्णय लेना मुश्किल हो गया है।

फिल्म ब्रमायुगम की शूटिंग शुरू

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म ब्रमायुगम की शूटिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म साउथ के स्टार ममूटी की है। सोशल मीडिया पर अभिनेता ने फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया।ब्रमायुगम पहली फिल्म है जो नाइट शिफ्ट स्टूडियो के बैनर तले बनी है। यह एक हॉरर थ्रिलर है और इसका निर्देशन राहुल सदाशिवन ने किया है। ब्रमायुगम मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में रिलीज होगी। ममूटी ने अपनी आगामी हॉरर थ्रिलर ब्रमायुगम का पहला पोस्टर ट्विटर पर साझा किया। उन्होंने लिखा, #ब्रह्मयुगम - मेरी अगली शूटिंग आज से शुरू हो रही है। फिल्म के निर्देशक और लेखक राहुल सदाशिवन ने अभिनेता के साथ अपने सहयोग को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं दिग्गज ममूक्का को निर्देशित करने के सपने को जीने के लिए उत्साहित हूं। ब्रमायुगम केरल के अंधेरे युग में स्थापित एक मूल कहानी है, और इसे बनाने की सीमाओं को आगे बढ़ाने में निमार्ताओं द्वारा समर्थन पाकर मुझे खुशी है। एक गहन फिल्म अनुभव में।

सूडोकु नवताल- 6529

★★★✯☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6528 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल- 7276

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	स्र	वै	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	ची	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	टा
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	जं	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल में 'दुनिया की प्राचीन 10 सभ्यताए' ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

मिस्र, मेसोपोटामिया, सुमेरियन, असीरिया, यूनान, बेबीलोनिया, रोम, चीन, सिंधु घाटी, वैदिक

शब्दजाल - 7275 का हल

श	रा	अ	र	क्षा	बं	ध	न	झ	क	श
ना	वै	र	ह	र	म	त	द	हो	ली	त
ग	र	शा	झ	श	शि	हा	र	ल	ल	त्रा
पं	म	द	खी	श	मी	डो	शि	श	रा	क
च	र	द	ष	व	मि	री	श	व	र	ट
मी	ह	प	न	पे	पू	ह	न	शि	रा	ती
शं	र	म	अं	प	स	थ	दी	ल	बिं	त्रि
ब	रा	व	ल	ध	ड़	क	पा	कां	ज	दू
ग	ण	गौ	र	जी	ल	ड़ी	व	गो	र	द
र	ल	प	चा	गैं	ब	ल	ली	री	रु	थो
ग	णे	श	च	तु	र्थी	ब	श	त्रु	घ्न	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6229

		3	4	5		
2	23	1	26		40	6
	7		4		6	
4	38		24	4	29	4
		6		2		
6	47	7	35		26	2
7			4	3		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6228 का हल

7	5	3	6	1	2	4
2	31	7	31	4	28	2
4	2	1	6	3	5	7
5	28	6	31	6	39	3
1	5	4	3	2	7	6
3	29	5	32	7	40	5
6	3	2	4	5	7	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

अखिल ने भारत को दिलाया ओलिंपिक-2024 का 5वां शूटिंग कोटा: वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज भी जीता, इससे पहले तीसरा गोल्ड दिलाया था

नई दिल्ली ।

भारतीय शूटर अखिल श्योराण ने भारत को 11वां ओलिंपिक कोटा दिला दिया है। उन्होंने बाकू में चल रही वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप के मेंस 50 मीटर 3 पोजिशन इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। इतना ही नहीं, वे मेंस 50 मीटर 3 पोजिशन राइफल टीम इवेंट की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम का हिस्सा रहे। यह शूटिंग में भारत का 5वां और इस इवेंट का दूसरा ओलिंपिक कोटा है। इससे पहले, इस इवेंट में स्वप्निल कुसले ने पिछले साल क्रोएशिया वर्ल्ड कप में पहला कोटा दिलाया था। 50 मीटर 3 पोजिशन इवेंट में ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर श्मिर्ल और चेक रिपब्लिक के पेट्र निम्बुर्स्की ने क्रमशः गोल्ड और सिल्वर मेडल जीते।

अखिल श्योराण ने की शानदार वापसी

मेडल राउंड में अखिल श्योराण नीलिंग सीरीज के बाद छठे स्थान पर थे, लेकिन उन्होंने प्रोन और स्टैंडिंग सेक्शन में वापसी करते हुए 450 का स्कोर बनाया और पोडियम पर जगह बनाई। ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर श्मिर्ल ने 462.6 पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि चेक रिपब्लिक के पेट्र निंबर्सकी ने 459.2 पॉइंट्स के साथ सिल्वर मेडल जीता। ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर क्वालीफाइंग राउंड में 583 पॉइंट्स के साथ 13वें और नीरज कुमार 577 पॉइंट्स के साथ 40वें स्थान पर रहे। दोनों ही फाइनल में जगह नहीं बना पाए। एक दिन पहले राइफल शूटर मेहुली घोष ने शूटिंग का चौथा कोटा दिलाया था। उन्होंने एक गोल्ड और ब्रॉन्ज भी जीता था। अखिल-मेहुली के अलावा, मेहुली रूद्रांक्ष पाटिल ने मेंस 10 मीटर एयर राइफल, स्वप्निल सुरेश कुसाले ने मेंस 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन और भोवनीश मेंदीरत्ता ने मेंस ट्रैप इवेंट में कोटा हासिल कर चुके हैं। यह पेरिस गेम्स के लिए भारत का ओवरऑल 11वां कोटा है। अब तक शूटिंग से 5 और एथलेटिक्स से 6 कोटा मिल चुके हैं।

भवनीश मेंदीरत्ता ने दिलाया शूटिंग का पहला कोटा

पेरिस ओलिंपिक के लिए शूटिंग का पहला कोटा शॉटगन शूटर भवनीश मेंदीरत्ता ने दिलाया था। उन्होंने 28 सितंबर को यह कोटा हासिल किया था।

नेशनल ओलिंपिक कमेटी चुनेगी शूटर

भारत की नेशनल ओलिंपिक कमिटी के पास ओलिंपिक गेम्स में अपने एथलीट भेजने का अधिकार होता है। ऐसे में पेरिस ओलंपिक्स में में एथलीटों की भागीदारी पूरी तरह एनओसी पर निर्भर होती है। पूरे कोटा मिल जाने के बाद एनओसी ओलिंपिक में जाने के लिए भारतीय शूटर्स चुनेगी। इस चैंपियनशिप में शूटिंग के अलग-अलग इवेंट के एक दर्जन कोटा दांव पर हैं। प्रतियोगिता में भारत का 53 सदस्यीय दल हिस्सा ले रहा है।

न्यूज ब्रीफ

गायकवाड ने रिंकू की तारीफ की: बोले- वो कंडीशन के हिसाब से अटैक करते हैं; रिंकू ने 21 बॉल पर 38 रन बनाए

डबलिन। टीम इंडिया के ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने दूसरे मैच के बाद रिंकू सिंह की तारीफ की। उन्होंने कहा, रिंकू के बारे में एक खास बात यह है कि वह पहली गेंद से अटैक नहीं करते हैंवह हमेशा खुद को समय देते हैं। कंडीशन चाहे जो भी हो, वह हमेशा कंडीशन का आकलन करते हैं और फिर अटैक करते हैं। रिंकू ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मैच में डेब्यू किया था और उस मैच में उनकी बैटिंग नहीं आई थी। युवा खिलाड़ी रिंकू ने दूसरे मैच में 21 गेंदों पर नाबाद 38 रनों की पारी खेली। रिंकू ने 180.95 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी पारी में 2 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गायकवाड ने कहा, इस साल के आईपीएल के बाद से ही रिंकू सभी के फेवरेट बन गए हैं। उन्होंने इस साल आईपीएल में बल्लेबाजी करते हुए काफी मैच्योरिटी दिखाई। आने वाले खिलाड़ी हो या जो फिनिशर बनना चाहता है, वो रिंकू सिंह से बहुत कुछ सीख सकता है। रिंकू सिंह ने डेब्यू पारी में 180.95 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वे डेब्यू इनिंग में सबसे तेज रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। इस सूची में पहला नाम सूर्यकुमार यादव का है। यादव ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी डेब्यू पारी में 183.87 के स्ट्राइक रेट से 57 रन बनाए थे।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम की तैयारी शुरू, 39 संभावितों का एलान

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने चीन के हांगझोऊ में होने एशियाई खेलों की तैयारी के लिए बंगलूरु में शुरू होने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 39 सदस्यीय पुरुष टीम के संभावित कोर समूह की घोषणा की। इस शिविर का आयोजन 21 अगस्त से 18 सितंबर तक बंगलूरु के साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) में होगा। इस दौरान खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने का भी मौका मिलेगा। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक होगा। इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में रिकॉर्ड चौथी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है।

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान।
डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत। मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांता शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंट सिंह, राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

तीनो प्रारुप में एक ही कप्तान होना चाहिये : इंजमाम

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की चयन समिति के प्रमुख इंजमाम-उल-हक ने कप्तान बाबर आजम की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल में घरेलू सीरीज में आजम की कप्तानी की कड़ी आलोचना हुई थी पर इंजमाम ने उनका जमकर बचाव किया है। तीन साल पहले दिसंबर 2020 में बाबर को सभी प्रारूपों में पाकिस्तान का कप्तान बनाया किया गया था। उसके बाद से ही उनका खेल बेहतर होता गया है। इंजमाम-उल-हक ने कहा कि सभी प्रारूपों में एक ही कप्तान होना चाहिए जिससे पता चल सके कि मैचों के लिए किन खिलाड़ियों को रखना चाहिये। उन्होंने कहा, देखिए, कप्तानी में बहुत सारे बदलाव अच्छे नहीं हैं। मुझे लगता है कि बाबर शानदार कप्तानी कर रहे हैं और जब मैं पहले मुख्य चयनकर्ता था, तब सरफराज अहमद तीनों प्रारूपों के कप्तान नहीं थे पर बाद में वह तीनों प्रारूपों के कप्तान बन गए। इसलिए मेरा मानना है कि अगर वह तीनों प्रारुप में खेलता है तो तीनों प्रारुपों का एक ही कप्तान होना चाहिए।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

रोहित को कप्तानी, राहुल-बुमराह और श्रेयस की वापसी ; तिलक टीम में, सैमसन रिजर्व प्लेयर

नई दिल्ली ।

एशिया कप के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया का ऐलान कर दिया। टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास ही है, हार्दिक पंड्या उपकप्तान होंगे। विकेटकीपर केएल राहुल, बैटर श्रेयस अय्यर, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा की वापसी हुई है। वहीं स्पिनर युजवेंद्र चहल को टीम में जगह नहीं मिली है। सबसे चर्चित नंबर-4 की पोजिशन पर श्रेयस के साथ बैटर सूर्यकुमार यादव और 20 साल के तिलक वर्मा का भी सिलेक्शन हुआ है। वहीं संजू सैमसन रिजर्व प्लेयर के रूप में टीम के साथ ट्रैवल करेंगे।एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय स्क्वॉड जारी किया गया है। बीसीसीआई ने नई दिल्ली में मीटिंग करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम की जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान रोहित शर्मा और चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मौजूद रहे।

पाकिस्तान-श्रीलंका में 30 अगस्त से खेला जाएगा एशिया कप

एशिया कप 30 अगस्त से पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाना है। भारत का पहला मैच पाकिस्तान से 2 सितंबर को होगा। इस टूर्नामेंट में भारत को पाकिस्तान और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। वहीं, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को ग्रुप बी में रखा गया है। विकेटकीपर राहुल के साथ ईशान शामिल, सैमसन रिजर्व प्लेयर ईशान किशन बतौर विकेटकीपर टीम में चुने गए हैं। टॉप ऑर्डर में रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल रहेंगे। संजू सैमसन बैकअप विकेटकीपर के रूप में श्रीलंका जाएंगे। राहुल ने भारत के लिए आखिरी वनडे इसी साल 22 मार्च को खेला था। वह इसके बाद आईपीएल खेलने उतरे, लेकिन मई में फील्डिंग के दौरान इंजर्ड हो गए। इसके बाद उन्होंने सर्जरी कराई और अब वह पूरी तरह फिट होकर इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने को तैयार हैं। तेज गेंदबाजी अटैक को जसप्रीत बुमराह लीड करेंगे। उनके साथ मोहम्मद शमी, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज भी रहेंगे। शमी ने इसी साल जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद से कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला। वहीं सिराज वेस्टइंडीज में टेस्ट सीरीज के बाद भारत लौट आए थे। प्रसिद्ध कृष्णा को भी चुना गया है। वह इस वक्त आयरलैंड में हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नाम भी एशिया कप में वनडे खेलने के लिए चुना गया है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे 14 जुलाई 2022 को इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। एशिया कप में भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 2 सितंबर को होगा। बुमराह की फॉर्म को देखते हुए उन्हें भी प्लेइंग-11 में मौका दिया जाएगा, इस तरह वह 13 महीने बाद वनडे क्रिकेट खेलते नजर आएंगे।

3 स्पिनर्स के साथ श्रीलंका जाएगी टीम

ऑलराउंडर्स में जडेजा के साथ अक्षर पटेल और शार्दूल ठाकुर दोनों को चुना गया है। वहीं स्पिनर्स में कुलदीप यादव का ही सिलेक्शन हुआ, युजवेंद्र चहल को जगह नहीं मिली है। चहल ने वेस्टइंडीज दौरे पर एक भी वनडे नहीं खेला था, जबकि कुलदीप को लिमिटेड ओवर्स के 8 में से 7 में मौका मिला था।

एशिया कप टीम के 4 खिलाड़ी इस वक्त आयरलैंड में

बुमराह इस वक्त आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। भारत ने 3 टी-20 की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। तीसरा मुकाबला 23 अगस्त को खेला जाएगा। बुमराह, तिलक, सैमसन और प्रसिद्ध आयरलैंड से भारत लौट जाएंगे। तीनों खिलाड़ी 25 अगस्त को बेंगलुरु में एशिया कप में शामिल टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों के साथ जुड़ेंगे। एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ट्रेनिंग कैम्प 23 अगस्त से शुरू होगा। इसमें हेड कोच राहुल द्रविड़ के साथ टीम के सभी खिलाड़ी मौजूद रहेंगे।

रोहित शर्मा ही कप्तान, कोहली-जडेजा भी साथ रहेंगे

रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से आराम दिया गया है। सभी को एशिया कप की टीम में चुना गया है। रोहित शर्मा ही टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि वेस्टइंडीज में आखिरी 2 वनडे के लिए कमान संभालने हार्दिक पंड्या टीम के उप कप्तान रहेंगे।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया...

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और प्रसिद्ध कृष्णा।

स्पेन ने पहली बार जीता विमेंस फीफा वर्ल्ड कप

फाइनल में इंग्लैंड को 1-0 से हराया, ओल्गा कार्मोना ने 29वें मिनट में किया गोल

नई दिल्ली ।

स्पेन ने पहली बार विमेंस फीफा वर्ल्ड कप जीत लिया है। फाइनल में स्पेन ने इंग्लैंड को 1-0 से हराया। मैच का इकलौता गोल 29वें मिनट में स्पेन की ओल्गा कार्मोना ने किया। इसके साथ ही 2011 के बाद पहली बार फीफा को विमेंस फुटबॉल में नया चैंपियन मिला है। 2011 में जापान ने वर्ल्ड कप जीता था। यह जापान का पहला खिताब था। स्पेन मेंस-विमेंस दोनों टाइटल जीतने वाला दूसरा देश बना स्पेन मेंस और विमेंस दोनों का फुटबॉल वर्ल्ड कप जीतने वाला दूसरा देश बन गया है। जर्मनी दोनों कैटेगरी में खिताब जीतने वाला पहला देश है। विमेंस वर्ल्ड कप की शुरुआत 1991 में हुई थी। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा खिताब अमेरिका ने (4 बार) जीते हैं।

स्पेन ने किया डॉमिनेट

इंग्लैंड ने पहले हाफ में चांस बनाए, लेकिन स्पेन ने दूसरे हाफ में पूरी तरह डॉमिनेट किया। मैच में स्पेन ने 58प्रतिशत समय बॉल अपने कब्जे में रखी। वहीं, गोल की ओर 13 शॉट मारे। इंग्लैंड ने गोल की ओर 8 शॉट मारे और 42प्रतिशत बॉल पजेशन रखा।

दूसरे हाफ में स्पेन को मिला मौका, लेकिन चूका

दूसरे हाफ में स्पेन अपनी बढ़त को बरकरार करने में सफल रहा। 70वें मिनट में स्पेन को पेनल्टी से गोल करने का चांस मिला। हालांकि इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी इयरप्स ने स्पेन की खिलाड़ी जेनिफर हर्मोसो की पेनल्टी बचाकर स्कोर 1-0 पर बनाए रखा। इंग्लैंड ने गेम में 16 फाउल किए। जबकि, स्पेन ने सिर्फ 9 फाउल ही किए। इंग्लैंड की हार का एक बड़ा कारण पासिंग रहा। इंग्लैंड ने पूरे गेम में 362 पास किए, टीम का सक्सेस रेट 72प्रतिशत रहा। जबकि, स्पेन ने 486 पास किए और 81प्रतिशत सफलता हासिल की।

10 खिलाड़ियों से खेल रही वेस्ट हैम ने चेल्सी को 3-1 से दी शिकस्त, अगुएर्ड को मिला था रेड कार्ड

लंदन ।

प्रीमियर लीग में 10 खिलाड़ियों से खेल रही वेस्ट हैम की टीम ने मजबूत चेल्स फुटबॉल क्लब को 3-1 से रौंद दिया। वेस्ट हैम की टीम लगभग 30 मिनट तक 10 खिलाड़ियों से खेली, लेकिन चेल्सी की टीम वापसी करने में नाकाम रही। इस हार ने चेल्सी के नवनियुक्त मैनेजर मॉरिशियो पोचेटिनो के जीत के इंतजार को और बढ़ा दिया है। पोचेटिनो के चेल्सी के मैनेजर बनने के बाद से टीम अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है। वेस्ट हैम के लिए सातवें मिनट में गोल करने वाले नाएफ अगुएर्ड को 67वें मिनट में रेड कार्ड मिला। इसके अलावा वेस्ट हैम के लिए मिचेल एंटोनियो ने 53वें और लुकस पकेटा ने इंजरी टाइम (90+5वें) में पेनल्टी पर गोल दागा। वहीं, चेल्सी के लिए कार्नी चुकवुएमेका ने 28वें मिनट में गोल किया। वेस्ट हैम के लिए वार्ड-प्रॉज ने पहले दो गोल का सेटअप तैयार किया। उन्होंने हाल ही में वेस्ट हैम ने साउथैमप्टन से साइन किया था। अगुएर्ड ने वार्ड के परफेक्ट कॉर्नर किक पर हेडर से बेहतरीन गोल दागा। सातवें मिनट में ही वेस्ट हैम ने 1-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद चेल्सी के चुकवुकेमा ने 28वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया था। हाफटाइम ब्रेक से पहले चेल्सी ने एक पेनल्टी भी मिस किया। चेल्सी के लिए पिछले साल 130 मिलियन डॉलर में साइन करने वाले अर्जेंटीना के एंजो फर्नांडीज ने पेनल्टी लिया, लेकिन वह चूक गए। इसके बाद 53वें मिनट में वार्ड-प्रॉज के शानदार क्रॉस पर वेस्ट हैम के एंटोनियो ने शॉट लिया, जो चेल्सी के रॉबर्ट सांचेज को चकमा देकर गोल में घुस गई। इस तरह वेस्ट हैम ने 2-1 की बढ़त बना ली। 67वें मिनट में अगुएर्ड के फाउल करने पर रेफरी ने उन्हें रेड कार्ड दिखाया। हालांकि, चेल्सी इसका भी फायदा नहीं उठा सकी। इसके बाद इंजरी टाइम में मोइजेज कैसीडो के फाउल करने पर वेस्ट हैम को पेनल्टी मिला। मोइजेज को चेल्सी ने ब्राइटन से 146 मिलियन डॉलर में साइन किया था। वेस्ट हैम के लुकस पकेटा ने इस पेनल्टी को गोल में तब्दील कर वेस्ट हैम को 3-1 की बढ़त दिला दी। फुल टाइम के बाद भी यही स्कोर रहा। वेस्ट हैम और चेल्सी दोनों ने पिछले हफ्ते ड्रॉ के साथ प्रीमियर लीग के नए सीजन की शुरुआत की थी। हालांकि, लिवरपूल के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ में चेल्सी की टीम ज्यादा बेहतर दिखी थी, लेकिन वेस्ट हैम के खिलाफ लचर प्रदर्शन ने एक बार फिर इस टीम की कमजोरी को उजागर कर दिया है।

जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीता: करियर का यह 95वां टाइटल; फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 अल्कारेज को हराया

नई दिल्ली ।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज को हराकर वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट (सिनसिनाटी ओपन) में मेंस सिंगल्स का खिताब जीता। जोकोविच ने लगभग चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले को 5-7, 7-6 (7), 7-6 (4) से जीतकर अल्कारेज से पिछले महीने विंबलडन फाइनल में मिली हार का बदला भी चुकता किया। अल्कारेज ने पिछले महीने विंबलडन के फाइनल में जोकोविच को पांच सेट में पराजित किया था। 1990 के बाद एटीपी टूर के इतिहास में सबसे लंबा तीन सेट वाला फाइनल यह मैच तीन घंटे 49 मिनट तक चला। जो 1990 के बाद एटीपी टूर के इतिहास में सबसे लंबा तीन सेट वाला फाइनल था। यह सिनसिनाटी में खेला गया सबसे लंबा मैच था। पिछला रिकॉर्ड 2010 में बना था जब रोजर फेडरर ने मार्डी फिश को दो घंटे 49 मिनट में हराया था। दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी जोकोविच के करियर का यह 95वां खिताब है और वह इवान लेंडल को पीछे छोड़ कर 1968 के बाद ओपन युग में सर्वाधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं रिकॉर्ड 39वां एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। जोकोविच 2003 में प्रोफेशनल टेनिस करियर शुरू किया साल 2003 में 16 साल की उम्र में जोकोविच ने प्रोफेशनल टेनिस की दुनिया में कदम रखा। इस दौरान रोजर फेडरर और राफेल नडाल टेनिस वर्ल्ड के नए चैम्पियन बन चुके थे। 2005 में जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में पहला ग्रैंड स्लैम खेला, लेकिन फर्स्ट राउंड में ही हार गए। 2005 में ही जोकोविच विम्बलडन और यूएस ओपन दोनों ग्रैंड स्लैम के थर्ड राउंड तक पहुंचे।

2006 में पहला एटीपी टाइटल

जोकोविच ने 2006 में डच ओपन के रूप में अपना पहला एटीपी टाइटल जीता। 2007 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में वह चौथे राउंड तक पहुंचे, लेकिन चैम्पियन रोजर फेडरर से हार गए। इसी साल उन्होंने मियामी मास्टर्स जीता और इंडियन वेल्स में रनर-अप रहे।

मुझे ऐसा लगा जैसे कि मैं ग्रैंड स्लैम में खेल रहा हूं- जोकोविच

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मैंने जितने भी टूर्नामेंट खेले उन सभी में यह सबसे अधिक रोमांचक मैचों में से एक था। मुझे ऐसा लगा जैसे कि मैं ग्रैंड स्लैम में खेल रहा हूं।

अर्शदीप टी-20 में सबसे तेज 50-विकेट लेने वाले भारतीय पेसर

बुमराह मेडन ओवर फेंकने में भुवी के बराबर आए, स्टर्लिंग सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट

नई दिल्ली ।

भारत ने आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 33 रन से जीत लिया है। इस जीत से टीम ने 3 मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टीम इंडिया ने आयरलैंड से लगातार तीसरी टी-20 सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, भारतीय टीम ने आयरलैंड के खिलाफ अपना अजेय अभियान जारी रखा है, यानी कि टीम आयरलैंड से कभी नहीं हारी है। दोनों के बीच अब तक 10 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। भारत ने आयरलैंड पर लगातार 7वीं जीत हासिल की है। मैच में बुमराह ने टी-20 इंटरनेशनल करियर का 10वां मेडन ओवर फेंका और भुवनेश्वर कुमार की बराबरी की, जबकि अर्शदीप ने 50 विकेट लिए। इस मुकाबले में आयरिश कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने एक अनचाहा रिकॉर्ड भी बनाया। वे इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार डक होने वाले बल्लेबाज बने।

अर्शदीप सबसे तेज 50 टी20 विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज - अर्शदीप ने 50 टी-20 विकेट 33 पारियों में लिए हैं और वह इस फॉर्मेट में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले भारतीय पेसर बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम था, जिन्होंने 41 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी।

पॉल स्टर्लिंग सबसे ज्यादा बार डक होने वाले बैटर - आयरलैंड के ओपनर और कप्तान पॉल स्टर्लिंग टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार जीरो के स्कोर (डक) पर आउट होने वाले खिलाड़ी बन गए। वे अब तक 13 बार जीरो पर आउट हो चुके हैं। स्टर्लिंग ने अपने ही देश के खिलाड़ी केविन ओ ब्रायन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। ओ ब्रायन 12 दफा जीरो पर आउट हो चुके हैं। भारतीय में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। रोहित 148 टी-20 इंटरनेशनल में 10 बार डक का शिकार हुए। जब कोई बैटर जीरो पर आउट होता है तो उसे डक कहते हैं।

बालबर्नी आयरलैंड के दूसरे टॉप स्कोरर - ओपनर एंड्रयू बालबर्नी टी-20 इंटरनेशनल में आयरलैंड के दूसरे टॉप स्कोरर बने। उन्होंने केविन ओब्रायन के स्कोर को पीछे किया। एंड्रयू बालबर्नी ने अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर में 2,041 रन बनाए। इसमें 10 हाफ सेंचुरी भी शामिल हैं। टी-20 इंटरनेशनल में आयरलैंड के टॉप रन स्कोरर पॉल स्टर्लिंग हैं। वे इस मैच में जीरो पर आउट हुए। स्टर्लिंग ने 131 मैचों में 3408 रन बनाए हैं।

बुमराह भारत के तीसरे टॉप विकेट टेकर - भारत के टॉप तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टी-20 इंटरनेशनल में भारत के तीसरे टॉप विकेट टेकर बने। बुमराह के अब 74 विकेट हो गए हैं। उन्होंने हार्दिक पंड्या (73 विकेट) को पीछे छोड़ा। इस फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने चटकाए हैं। चहल के नाम 96 विकेट हैं। भुवनेश्वर कुमार दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 90 विकेट लिए हैं। इतना ही नहीं, बुमराह ने सबसे ज्यादा मेडन ओवर फेंकने के मामले में भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली है। उन्होंने 10वां मेडन ओवर फेंका है। इस सूची में हरभजन सिंह (5 ओवर), रवींद्र जडेजा (4 ओवर) और रविचंद्रन अश्विन (3 ओवर) के भी नाम हैं।

आयरलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5वें ओपनर गायकवाड - आयरलैंड के खिलाफ भारतीय ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने 58 रनों की पारी खेली। इसके साथ ही आयरलैंड के खिलाफ भारतीय ओपनर्स में टॉप रन स्कोरर की सूची में वह पांचवें नंबर पर आ गए है। आयरलैंड के खिलाफ ओपन करते हुए सबसे ज्यादा रन रोहित शर्मा ने बनाए है। रोहित ने 2018 में 97 रन खेली थी। इस लिस्ट में रोहित के साथ संजू सैमसन, शिखर धवन और केएल राहुल का नाम भी शामिल है।

डेब्यू पारी में सबसे तेज रन बनाने में दूसरे नंबर पर आए रिंकू सिंह - रिंकू सिंह ने डेब्यू पारी में 180.95 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वे डेब्यू इनिंग में सबसे तेज रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। इस सूची में पहला नाम सूर्यकुमार यादव का है। यादव ने ,2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी डेब्यू पारी में 183.87 के स्ट्राइक रेट से 57 रन बनाए थे। खास बात यह है कि दोनों ही खिलाडियों को अपने डेब्यू मैच में बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला था। दोनों ने ही अपने दूसरे मुकाबले में पहली पारी खेली।

सबसे कम बॉल में 50 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय अर्शदीप - भारत के लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह ने आयरलैंड के खिलाफ अपने टी-20 करियर में 50 विकेट पूरे किए। अर्शदीप सिंह कुलदीप यादव के बाद सबसे कम गेंदों में 50 विकेट पूरे किए।

इस उम्र में न करें जिमिंग

आकर्षक दिखने और मस्कुलर बॉडी की चाह में लड़के व लड़कियां दोनों ही आजकल कम उम्र में जिम जाकर वर्कआउट करना पसंद करने लगे हैं। ऐसे में वे फिजिकली मजबूत तो हो जाते हैं लेकिन शरीर में जो बदलाव नेचुरल तरीके से होने चाहिए वे नहीं होते। जिससे मांसपेशियों में खिंचाव होने के साथ हड्डियों की सही ग्रोथ नहीं होती और हार्मोन्स ठीक से रिलीज न होने के कारण हार्मोन इंबेलेंस की समस्या सामने आती है। 20 की उम्र तक सामान्यतः लंबाई बढ़ाने वाली हड्डियों में फ्यूजन होने से लंबाई बढ़ने की प्रक्रिया बंद हो जाती है। लड़कों में वॉइस बॉक्स पूरी तरह विकसित हो जाता है। लंबाई बढ़ने की प्रक्रिया बंद होते ही किशोर के स्वभाव में बदलाव आने इस उम्र में लगभग बंद हो जाते हैं जिससे उसका गुस्सा शांत रहता है और वह हर बात का सोच-समझकर जवाब देता है। उम्र के मुताबिक वजन, लंबाई के अनुसार न हो तो रोगों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में लड़कियों में माहवारी का अनियमित होना और पीसीओडी की दिक्कत ज्यादा होती है। यदि खानपान की आदत खराब है तो उसे ओबेसिटी भी हो सकती है जो भविष्य में उसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग आदि से घेर सकती है। कुछेक मामलों में कम हाइट भी परेशानी पैदा करती है।

सतर्कता बरतें

खानपान में जंक व फास्ट फूड के बजाय पौष्टिक चीजों को चुनें। इस उम्र में सही-गलत को पहचानने की समझ बच्चे में विकसित हो रही होती है इसलिए माता-पिता सिगरेट, तंबाकू, अल्कोहल, ड्रग्स आदि से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। उसका डेली रुटीन सही हो, जिसमें उसे समय पर सोने व उठने, भोजन करने, पढ़ने, आराम करने व तनाव से दूर रहने की सलाह दी जाए। लड़के-लड़की दोनों को सेहत के प्रति सजग बनाएं ताकि वे किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक परेशानी को छिपाएं नहीं बल्कि माता-पिता या घर में अन्य से साझा कर सकें। उसे इंडोर और आउटडोर फिजिकल एक्टिविटी के लिए प्रेरित करें। कैल्शियम से हड्डियों की मजबूती शरीर के अहम अंगों की कार्यक्षमता को बरकरार रखने के लिए बच्चे की डाइट में हाई प्रोटीन और कैल्शियम युक्त भोजन होना चाहिए। बॉडी बिल्डिंग के लिए विटामिन-बी और सी से भरपूर चीजें जैसे केला, पपीता, संतरा, पालक, अंडे, शहद, फिश, दाल आदि ज्यादा लें। कैल्शियम और अन्य जरूरी न्यूट्रिएंट के लिए डाइट में दूध व दूध से बनी चीजें और सूखे मेवों को शामिल करें। मौसमी सब्जियां और फल शरीर की जरूरत को पूरा करने में सहायक होते हैं।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है।

बारिश के मौसम में हो सकती है स्किन एलर्जी

मानसून के इस सीजन में स्किन एलर्जी होने का बड़ा कारण है मॉइश्चर। नमी में कई तरह के बेक्टीरिया भी पैदा होते हैं, साथ ही हाउस डस्ट माइट की वजह से भी एलर्जी हो सकती है। इसलिए इस समय घर और बाथरूम में सीलन न पैदा होने दें। धूप आने दें ताकि कीटाणु और फंगस खत्म हो जाएं और पर्दे, कारपेट, गिलाफ आदि को समय-समय पर धोते रहें।

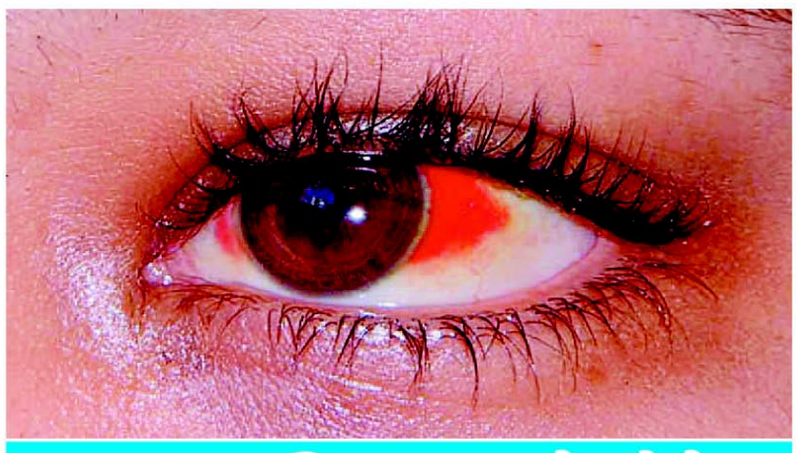

सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के क्या हैं कारण

जब छोटे, नाजुक ब्लड वेसल्स आंख के सफेद कवर के नीचे टिश्यु को चोट पहुंचने लगते है, तो आंख में लाली आ जाती है। और इसका अर्थ यह है कि आपको सबकंजंक्टिवल हेमोरेज हुआ है। यानी सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आंख के सफेद हिस्से में प्रदर्शित होने वाला लाल चमकदार पैच है। यह समस्या कई समस्याओं में से एक है जिसे रेड आई कहा जाता है। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आमतौर पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति के बावजूद भी किसी भी प्रकार की दृष्टि समस्याओं या आंख में असुविधा का कारण नही होता है।

आंख का सफेद भाग (श्वेतपटल) क्लियर टिश्यु की पतली परत के साथ कवर होता है, जिसे बल्बर कंजाक्टिवा कहा जाता है। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज तब होता है, जब छोटे ब्लड वेसल्स खुल कर टूट जाते है और कंजाक्टिवा के अंदर बहने लगते है। यह ब्लड अक्सर दिखाई देता है, लेकिन जब तक यह कंजाक्टिवा के भीतर ही सीमित होता है तो इसे दूर और साफ नहीं किया जा सकता है। समस्या चोट के बिना होती है और अक्सर इसे पहली बार नोटिस उठने के बाद आईने के सामने आने से किया जाता है।

लेकिन आंखों की लाली आंख की अन्य गंभीर समस्याओं के प्रकार का संकेत हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी आंख से डिस्चार्ज हो रहा हो तो आंख की जांच के लिए अपने नेत्र चिकित्सक से संपर्क करें। ताकी संक्रमण के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया, वायरस या अन्य सूक्ष्मजीवों की जांच की जा सकें। अगर आपको आंखें में अचानक परिवर्तन के साथ लगातार लालिमा और दर्द या प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का अनुभव हो तो तुरंत अपने आंखों के डॉक्टर से संपर्क करें। इस तरह की आंखों में लाली अन्य प्रकार की आंख की समस्या जैसे अचानक मोतियाबिंद के शुरूआत का संकेत हो सकंता है। आंखों में खून, सबकंजंक्टिवल हेमोरेज से आंख में ब्लड आमतौर पर एक या दो सप्ताह के भीतर गायब हो जाता है। हालांकि यह हमेशा समस्या के स्रोत की पहचान करने के लिए संभव नहीं है, लेकिन सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के कुछ संभावित कारणों में शामिल हैं-

■ आंखों में चोट, ■ आंखों को मलना, ■ वायरल संक्रमण, ■ अचानक दबाव का बढ़ना जैसे छींकना या खांसना , ■ ब्लड को पतला करने वाली दवाएं, ■ हाई ब्लड प्रेशर, ■ आंख की सर्जरी जिसमें लेसिक और मोतियाबिंद सर्जरी शामिल है, ■ कम मामलों में रक्त के थक्के की समस्या या विटामिन की कमी विटामिन के रक्त के थक्के के कामकाज को बढ़ावा देने वाला आवश्यक प्रोटीन है। ■ सबकंजंक्टिवल हेमोरेज नवजात शिशुओं में बहुत ही आम है। ऐसा प्रसव के दौरान नवजात शिशुओं के शरीर पर दबाव में परिवर्तन के कारण होता है।

लक्षण

- इस समस्या के होने पर आंख के सफेद हिस्से में चमकदार लाल पैच आने लगते है।
- यह पैच दर्दरहित होता है।
- आंख से किसी प्रकार का डिस्चार्ज नहीं होता।
- आंखों की रोशनी पर भी असर नहीं पड़ता।

इलाज

सबकंजंक्टिवल हेमोरेज के लिए किसी भी इलाज की जरूरत नहीं होती है। बस आपके रक्तचाप की नियमित रूप से जांच होनी चाहिए। सबकंजंक्टिवल हेमोरेज आमतौर पर 2-3 सप्ताह के अंदर अपने आप ही दूर हो जाता है। लेकिन प्रभावित हिस्से पर खरोंच की तरह है, रंग बदल सकते हैं। आमतौर पर इसमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होती, लेकिन कुछ मामलों में सबकंजंक्टिवल हेमोरेज बुजुर्ग व्यक्तियों में गंभीर वैस्कुलर डिस्ऑर्डर का संकेत हो सकता है।

ध्यान रहे

- समस्या होने पर लुब्रिकेट आई ड्रॉप आंखों को आराम पहुंचाने में मदद करते है, हालांकि यह आई ड्रॉप टूटी हुई ब्लड वेसल्स की मरम्मत में मदद नहीं कर सकते है।
- अगर आप खून को पतला करने वाली दवाएं ले रहे हैं तो इसे लेना तब तक बंद न करें जब तक आपका डॉक्टर आपको ऐसा न करने के निर्देश नहीं देता।
- आंखों को रगड़ने से बचें, क्योंकि सही शुरूआत के बाद यह फिर से खून बहने के खतरे को बढ़ा सकता है।

जानें क्या है ड्रेस सिंड्रोम

ड्रेस सिंड्रोम (ड्रग रश विध एओसिनोफिलिया एंड सिस्टमिक सिम्टम्स), एक प्रतिकूल प्रतिक्रिया शब्द है, जोकि वर्तमान में 10 प्रशित तक की अनुमानित मृत्यु दर के साथ एक अतिसंवेदनशीलता प्रतिक्रिया का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह एक दवा के लिए गंभीर, विशेष स्वभाव वाला मल्टीसिस्टम प्रतिक्रिया होती है। ड्रग रश विध एओसिनोफिलिया एंड सिस्टमिक सिम्टम्स (DRESS), एक ऐसा सिंड्रोम है, जो कि कुछ दवाओं के कारण होता है, जिनके चलते आंतरिक अंगों की सूजन, दाने, बुखार, लिम्फाडेनोपैथी तथा हेमटोलॉजिकल असामान्यताएं जैसे थ्रोम्बोसाइटोपेनिया आदि होते हैं। इस सिड्रोम में मृत्यु दर दल प्रतिशत तक होती है। इसके उपचार में जोखिम पैदा करने वाली दवा को के प्रभाव को रोका जाता है और सहायक देखभाल उपलब्ध कराई जाती है।

लक्षण और निदान

ड्रेस सिंड्रोम का प्रभाव सबसे अधिक, नुक़सान पहुंचाने वाली दवा के प्रभाव शुरू करने के दो से आठ सप्ताह बाद प्रकट होता है। इस दवा का प्रभाव एक दिन के भीतर दोबार भी हो सकता है। प्रारंभिक सुधार के बाद भी इसके लक्षण दवा को रोकने के बाद तीन से चार सप्ताह के भीतर दोबारा भड़क सकते हैं। रोग में मरीजों को नियमित रूप से जल्दी-जल्दी बुखार आता है, और चकत्ते भी विकसित हो जाते हैं। ये लक्षण हल्के से दाने से लेकर फफोले पड़ने तथा त्वचा निकलने तक हो सकते हैं। लेकिन अधिकतर इसमें खुजली, या धब्बेदार पर्विल होता है, जोकि छोटे व बड़े दाने तथा वेसिक्लेस पैदा कर सकता है। लगातार बदलते लक्षणों की वजह से सिंड्रोम के निदान में मुश्किल हो सकती है। इस तरह के दाने, बुखार, और ऑर्गन इंवाल्वमेंट जैसे लक्षण अन्य कई कारणों की वजह से भी हो सकते हैं। इसके निदान में निम्न चरण शामिल हो सकते हैं-

- अस्पताल में भर्ती करना
- रिएक्शन दवा संबंधित होने का संदेह
- त्वचा पर लाल चकत्ते
- 38 डिग्री सेल्सियस तक बुखार
- दो स्थलों पर बढ़े हुए लिम्फ नोड्स
- कम से कम एक आंतरिक अंग की भागीदारी

ड्रेस सिंड्रोम के कारण

वे दवाएं जिनकी वजह से ड्रेस सिंड्रोम होता है, में फेनोबार्बिटल, कार्बमाजेपाइन, फेनीटोइन, लैमोट्रिन, मिनॉयक्लीन, सुल्फोनमीडेस, एलोप्यूरिनॉल, मोडेफिनिल तथा डाप्सोन आदि शामिल हैं। इस सिड्रोम के साथ HHV6 को भी संबद्ध किया गया है।

CAREER

योग्यता के साथ ही टेक्निकल और सॉफ्ट स्किल भी जरूरी

नौकरी के लिए सिर्फ डिग्रियां ही काफी नहीं

छी नौकरी पाने के लिए केवल ग्रियां ही काफी नहीं इतना तो ी जानते हैं कि केवल डिग्रियां अच्छी नौकरी दिलवाने के ए काफी नहीं होती हैं। केवल ा शिक्षा हासिल करके आप यह ोसा नहीं कर सकते हैं कि को रोजगार जरूर मिल ुगा। आज के प्रतियोगी युग में अच्छी नौकरी सुनिश्चित ाने के लिए आवश्यक है कि ा विभिन्न शैक्षिक योग्यताओं के थ-साथ टेक्निकल व सॉफ्ट ल्स में भी माहिर हों। तभी को अन्य आवेदकों के मुकाबले ीह दी जा सकेगी।

व्यक्तित्व निखारें...

हर वर्ष बड़ी संख्या में युवा देश भर के शैक्षिक संस्थानों से डिग्रियां लेकर नौकरी की तलाश में निकलते हैं। ऐसे में उनमें सॉफ्ट स्किल्स डेवलपमेंट करने पर भी काफी जोर दिया जाने लगा है। कारोबारी तथा मूल शिष्टाचार, ड्रेसिंग सेंस, बॉडी लैंग्वेज तथा कोऑर्डिनेशन स्किल्स किसी भी इंटरव्यू में बड़ा अंतर डाल सकते हैं। इन दिनों कंपनियां अपने कर्मचारियों में पेशेवर कौशल के अलावा व्यावहारिक कौशल की मांग भी करती हैं। क्लाइंट्स तथा टीम सदस्यों से मेल-मिलाप तथा तालमेल के साथ काम करने के लिए ये कौशल बेहद जरूरी माने जाते हैं। इनमें दक्ष व्यक्ति काम के दबाव तथा तनाव को बेहतर ढंग से झेल सकता है और इससे आपके व्यक्तित्व में भी काफी निखार आता है।

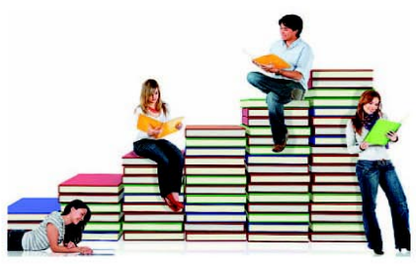

नई भाषा सीखें...

आज वैश्विक स्तर पर काम करने के मौके पहले से कहीं अधिक हैं। ऐसे में यदि आपको देश-विदेश की कोई अतिरिक्त भाषा का ज्ञान है तो आपके लिए नौकरी पाने के मौके भी उतने ही अधिक बढ़ जाते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो विदेशी भाषा का ज्ञान रखना एक विशिष्ट योग्यता मानी जाती है।

ऑनलाइन इमेज से होगा फायदा

इन दिनों नियोक्ता सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स पर उम्मीदवारों के अकाउंट्स को भी देख सकते हैं। इनकी मदद से उन्हें उम्मीदवारों के व्यक्तित्व या व्यवहार के बारे में कुछ हद तक जानकारी मिल जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप वहां ऐसी जानकारी दें जो आप नियोक्ता को आपकी खूबियों के बारे में बता सकें। अच्छे ग्रुप्स से आपका जुड़ा होना भी नियोक्ताओं को प्रभावित कर सकता है। खुद के भीतर खासियत पैदा करने में इंटर्नशिप विशेष रूप से मददगार साबित हो सकती है। यदि आपके कॉलेज की ओर से आपको इंटर्नशिप के मौके दिए जाते हैं तो इसका पूरा-पूरा लाभ उठाएं। अपनी ओर से भी किसी कंपनी में इंटर्नशिप के लिए आवेदन किया जा सकता है। इससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

समुद्र की लहरों के बीच कॅरियर की उड़ान

तकनीक और विज्ञान ने आज संसार को ा छोटा बना दिया है कि हम पूरी दुनिया कुछ ही घंटों में नाप सकते हैं। समुद्र के ए ऐसा करना बेहद रोमांचक होता है। र आप भी समुद्र के जरिए दुनिया नापने सपना देखते हैं, रोमांचित होना चाहते हैं आपके लिए अवसर की कमी नहीं है। फील्ड है मरीन इंजीनियरिंग। इसके तहत ाज बनाने और इसकी मरम्मत करने, ाज के रख-रखाव तथा इसकी सुरक्षा मेल होती है। इन सबको करने के लिए लीफाइड प्रोफेशनल्स की जरूरत होती एक नेवल आर्कीटैक्चर के तहत ये सारे ं आते हैं।

प्रमुख संस्थान...

- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ नॉटिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग, सिकंदरा राव, उप्र
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पोर्ट मैनेजमेंट, कोलकाता
- तुलानी मेरीटाइम इंस्टीट्यूट, पुणे
- आरएल इंस्टीट्यूट ऑफ नॉटिकल साइंसेज, मदुरै

योग्यता...

नेवल आर्कीटैक्ट के तौर पर कॅरियर बनाने के लिए अंडरग्रैजुएट और पोस्ट गैजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अंडरग्रैजुएट कोर्स के तहत बी. टेक मरीन इंजीनियरिंग, बी. टेक नेवल आर्कीटैक्चर एवं ओशिन इंजीनियरिंग, बी.एससी शिप बिल्डिंग एंड रिपेयर, बीएससी नॉटिकल साइंस के अलावा डिप्लोमा इन नॉटिकल साइंस जैसे कोर्स उपलब्ध हैं। वहीं मरीन इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री कोर्स भी हैं, जैसे पोर्ट एंड शिपिंग मैनेजमेंट में एमबीए, इंटरनेशनल ट्रांस्पोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट में एमबीए, नेवल आर्कीटैक्चर एंड ओशियन इंजीनियरिंग में एम. टेक।

कार्यक्षेत्र एवं आमदनी...

इंजीनियरिंग की एक नई ब्रांच के तौर पर शिप बिल्डिंग और इससे जुड़े क्षेत्र में कॅरियरकी अपार संभावनाएं हैं। नेवल आर्कीटैक्चर, शिप बिल्डिंग और शिपिंग टेक्नोलॉजी के तहत शिप डिजाइनिंग, कंस्ट्रक्शन, मेंटीनैंस, और समुद्री मार्ग पर यातायात आदि में इस्तेमाल होने वाले साधनों, मसलन जहाजों और पनडुब्बियों की मरम्मत का काम सिखाया जाता है।

रेसिपी

क्रीमी कोर्न समोसा

सामग्री

1 कप मैदा, 2 बड़े चम्मच तेल, 1 बड़ा चम्मच मैदा, 1 बड़ा चम्मच मक्खन, 1 कप दूध, 1/2 कप बेबी कॉर्न(कटे हुए), 1/2 कप शिमला मिर्च लाल,पीली,हरी, 1 बड़ा चम्मच चीज, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार, मिर्च

विधि

सबसे पहले मैदा और नमक छान कर तेल डाल कर पानी से गूंध लें। एक कढाई में मक्खन गरम कर मैदा भूनें व इसमें दूध डालकर व्हाइट सॉस बनाएं। अब इसमें कटी शिमला मिर्च व बेबी कॉर्न,नमक और मिर्च डाल कर 1-2 मिनट तक पकाएं और चीज को कद्दूकस करके डालें और आंच से उतार लें। इसके बाद मैदा की छोटी-छोटी लोइयां बना कर पूरी बेल कर बीच में से आधी काट कर समोसे की शेप दें। अब इसमें पहले से बनाकर रखी हुई व्हाइट सॉस का मिश्रण भर कर पानी की सहायता से उंगुलियों से दबाते हुए बंद कर दें। एक कडाही में तेल गर्म करके इसमें समोसे तल लें और गर्मा-गर्म सॉस के साथ सर्व करें।

मेथी लीव्स् साम्भर

सामग्री

1 कप कटी हुई मेथी, 1 कप तुवर दाल , धोकर छानी हुई, 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1/2 कप कटा हुआ कद्दू, 1/2 कप कटी हुई लौकी, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप सहजन की फल्ली , 2 के टुकड़ो में कटी हुई, 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 5 कड़ी पत्ता, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 3 टेबल-स्पून साम्भर मसाला, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस

विधि

तुवर दाल, टमाटर, प्याज़, कद्दू, लौकी, हल्दी पाउडर, नमक और 3 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी के लिए प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें और एक तरफ रख दें। सहजन फल्ली और 1/2 कप पानी को एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मिलाकर, मध्यम आंच पर 5 मिनट के लिए पका लें। बिना छानें एक तरफ रख दें। दुसरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ता और मेथी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 2 मिनट के लिए पका लें। लाल मिर्च पाउडर, साम्भर मसाला, पानी के साथ पकी हुई सहजन फल्ली, पके हुए दाल का मिश्रण, थोड़ा नमक और 1/2 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट के लिए पका लें। नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**